टैरिफ से प्रभावित होता व्यापार.. 12

राष्ट्रीय शिखर

खबरों की स्वतंत्रता

क्या वह अपना टॉक शो लॉन्च... 11

राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र गाजियाबाद, गौतमबुद्धनगर, नई दिल्ली, देहरादून और लखनऊ से एक साथ प्रसारित

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

वर्ष - 01, अंक - 177 | गाजियाबाद / सोमवार 29 सितम्बर 2025 | PRGI No. - UPHIN/25/A0086 | पृष्ठ -12, मूल्य - 04 रूपए

सप्तम मां कालरात्रि

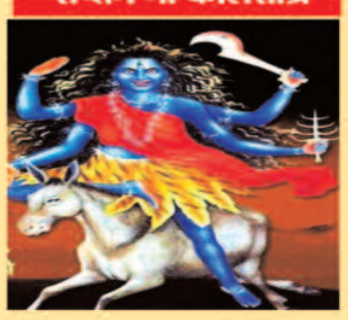

मां के सप्तम रूप का नाम है माँ कालरात्रि। यह मां का अति भयावह व उग्र रूप है। सम्पूर्ण सृष्टि में इस रूप से अधिक भयावह और कोई दूसरा नहीं। किन्तु तब भी यह रूप मातृत्व को समर्पित है। देवी मां का यह रूप ज्ञान और वैराग्य प्रदान करता है।

दुर्गा पूजा पंडाल में ट्रंप को बनाया महिषासुर

पूजा समिति बोली-ट्रंप ने पीएम मोदी को धोखा दिया इसलिए वे राक्षस हैं

कोलकाता (एजेंसी)। पश्चिम बंगाल के बहरामपुर में खागड़ा क्रेमेटोरियम घाट दुर्गा पूजा समिति ने दुर्गा पूजा पांडाल में महिषासुर को डॉनल्ड ट्रंप का रूप दिया है। समिति ने बताया कि ट्रंप के रूप को इस वजह से चुना गया है क्योंकि वे मानते हैं कि ट्रंप ने भारत को धोखा दिया है। समिति ने कहा कि भारत पर लगाए गए टैरिफ को वह एक धोखा मानते हैं। जबकि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ट्रंप को अपना मित्र समझते थे। महिषासुर को ट्रंप का रूप देने वाले कलाकार का नाम आसिम पाल है। मूर्ति का अनावरण बहरामपुर नगरपालिका के मेयर

नारण गोपाल मुखर्जी ने किया। उद्घाटन के बाद से ही मूर्ति को देखने के लिए लोगों की भीड़ उमड़ रही है। दरअसल, ट्रंप ने हाल ही में भारत पर कई टैरिफ लगाया है।

इससे भारतीय उत्पादों पर अमेरिका में टैक्स बढ़ गया है। इस वजह से अमेरिकी बाजार में भारतीय प्रोडक्ट्स की मांग कम हो गई है। इसके अलावा ऑपरेशन सिंदूर को रोकने को लेकर भी ट्रंप कई मंचों से अनेकों बार ये कह चुके हैं कि उन्होंने भारत और पाकिस्तान के बीच जंग रुकवाई। इस दावे का भारत सीधे तौर पर खंडन कर चुका है।

छत्तीसगढ़ के कांकेर जिले में सुरक्षाबलों की बड़ी कामयाबी

महिला समेत 14 लाख के ईनामी 3 नक्सली हुए ढेर

कांकेर (एजेंसी)। छत्तीसगढ़ के कांकेर में नक्सलियों के खिलाफ चल रहे ऑपरेशन में सुरक्षाबलों को बड़ी कामयाबी मिली है। रविवार को छिंदखड़क जंगल में सुरक्षाबलों ने 3 नक्सलियों को ढेर कर दिया है। मारे गए नक्सलियों पर 14 लाख रुपये का इनाम था। कांकेर-गरियाबंद डीआरजी और बीएसएफ ने इलाके में सर्च ऑपरेशन चलाया था। सुरक्षाबलों और नक्सलियों के बीच काफी देर तक मुठभेड़ चली। मुठभेड़ के बाद जंगल में 1 महिला समेत 2 नक्सलियों के शव बरामद किए गए। पुलिस को घटनास्थल से एसएलआर राइफल, पॉइंट 303 राइफल और 12 बंदूके बरामद की।

बिहार चुनाव और उपचुनाव की शुरू हो गई है तैयारी

तैनात होंगे 320 आईएएस और 60 आईपीएस अधिकारी

पटना/नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत निर्वाचन आयोग ने बिहार विधानसभा चुनाव और कई राज्यों में होने वाले उपचुनावों के लिए केंद्रीय पर्यवेक्षकों (जनरल, पुलिस और व्यय) की तैनाती की घोषणा की है। चुनाव आयोग ने बताया कि बिहार में होने वाले आगामी विधानसभा चुनाव और उपचुनाव के लिए विभिन्न राज्यों में कार्यरत 470 अधिकारी केंद्रीय पर्यवेक्षक के तौर पर जिम्मेदारी निभाएंगे।

निर्वाचन आयोग ने बताया कि 470 वरिष्ठ अधिकारियों में 320 आईएएस अधिकारी, 60 आईपीएस अधिकारी, 90 आईआरएस, आईआरएएस, आईसीएएस और अन्य सेवाओं से अधिकारी शामिल होंगे। ये सभी अधिकारी विभिन्न राज्यों में केंद्रीय पर्यवेक्षक के तौर पर जिम्मेदारी निभाएंगे। निर्वाचन आयोग से मिली जानकारी के मुताबिक, बिहार विधानसभा चुनाव के अलावा कश्मीर, राजस्थान, झारखंड, तेलंगाना, पंजाब, मिजोरम और ओडिशा में उपचुनाव होने वाले हैं।

इस बार त्योहारों में सिर्फ स्वदेशी सामान ही खरीदें

● मन की बात में पीएम मोदी ने आम जनता से की अपील ● सागर परिक्रमा करने वाली दो महिला अफसरों से की चर्चा ● छठ पूजा का जिक्र, भगत सिंह, लता मंगेशकर को किया याद

नई दिल्ली (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रविवार को अपने रेडियो शो मन की बात के 126वें एपिसोड में फेस्टिव सीजन, आत्मनिर्भर भारत, वोकल फॉर लोकल पर बात की। पीएम ने कहा- इस बार त्योहारों में स्वदेशी सामान ही खरीदें। ठान लीजिए, हमेशा के लिए, जो देश में तैयार हुआ है, वही खरीदेंगे। इसके अलावा पीएम ने दशहरा और छठ पर्व पर भी बात की। मोदी ने कहा- भारत सरकार छठ पर्व को यूनेस्को की लिस्ट में शामिल करने पर काम कर रही है। इसके बाद पूरी दुनिया में पर्व की भव्यता फैलेगी। कार्यक्रम की शुरुआत, भगत सिंह से की।

● **हमारे पर्व, त्योहार भारत की संस्कृति को जीवंत बनाए रखते हैं–** हमारे पर्व, त्योहार भारत की संस्कृति को जीवंत बनाए रखते हैं। छठ पूजा ऐसा एक पावन पर्व है जो दीवाली के बाद आता है। सूर्य देव को समर्पित यह महापर्व बहुत ही विशेष है। इसमें हम डूबते सूर्य को भी अर्घ्य देते हैं, उनकी आराधना करते हैं। छठ ना सिर्फ देश के अलग –अलग हिस्सों में मनाई जाती है, बल्कि दुनिया भर में इसकी छटा देखने को मिलती है। आज ये एक ग्लोबल फेस्टिवल बन रहा है।

हैदराबाद में भारी बारिश कई कॉलोनियां पानी-पानी

● 1000 लोगों का रेस्क्यू, महाराष्ट्र के पालघर में बिजली गिरी

6 से ज्यादा लोग घायल, मुंबई समेत 4 जिलों में रेड अलर्ट

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत मौसम विज्ञान विभाग ने सोमवार को महाराष्ट्र के मुंबई, ठाणे, रायगढ़ और पालघर जिलों में रेड अलर्ट जारी किया है। यहां भारी बारिश की चेतावनी दी गई है। पालघर में देर रात बिजली गिरने की घटना में 6 लोग घायल हो गए। वहीं हैदराबाद में 26 सितंबर को एक दिन में 194.1 मिमी वर्षा हुई, जो सामान्य 38.2 मिमी से 408त्न ज्यादा थी। लगातार बारिश और उस्मान सागर व हिमायत सागर से पानी छोड़े जाने के कारण मूसी नदी खतरे के निशान के ऊपर बह रही है। आसपास रिहायशी कॉलोनियों में पानी भर गया। 1000 लोगों का रेस्क्यू किया गया। इधर, पश्चिम बंगाल में दुर्गा पूजा उत्सव पर भी बारिश का साया मंडरा रहा है। मौसम विभाग के अनुसार, 1 अक्टूबर को बंगाल की खाड़ी में नया लो प्रेशर क्षेत्र बनेगा, जिससे अगले सात दिन तक दक्षिण बंगाल के कई जिलों में बारिश होगी। छत्तीसगढ़ में रविवार को 15 जिलों में बारिश का यलो अलर्ट जारी किया गया है। प्रदेश में पिछले 24 घंटों में दुर्ग और बस्तर संभाग के कई जिलों में जोरदार बारिश हुई। वहीं, राजधानी रायपुर में शनिवार को अधिकतम तापमान 31 डिग्री और न्यूनतम 23.9 डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड किया गया, जो सामान्य से कम रहा। इंदौर संभाग के 4 जिले-अलीराजपुर, धार, बड़वानी और खरगोन में रविवार को भारी बारिश का अलर्ट है। भोपाल-जबलपुर में बूंदाबांदी होने का अनुमान है।

जम्मू-कश्मीर के कुपवाड़ा में सेना ने दो आतंकी किए ढेर

घुसैपठ की कोशिश कर रहे थे, 8 दिन में दूसरा एनकाउंटर

श्रीनगर (एजेंसी)। जम्मू-कश्मीर में कुपवाड़ा जिले के केरन सेक्टर में सेना ने दो आतंकियों को ढेर कर दिया। ये आतंकी एलओसी पर घुसपैठ की कोशिश कर रहे थे। सूत्रों के मुताबिक, शव एलओसी के बहुत करीब पड़े हैं। सीमा पार से गोलीबारी के खतरे को देखते हुए कड़ी सुरक्षा के बीच उन्हें निकालने का अभियान जारी है। मारे गए आतंकवादियों की पहचान और उनके संगठन की जानकारी अभी सामने नहीं आई है।

पाकिस्तान आतंक का सेंटर, ढांचे का खात्मा जरूरी

यूएन में जयशंकर बोले-बड़े आतंकी हमलों की जड़ें एक ही देश से जुड़ीं

न्यूयॉर्क (एजेंसी)। भारतीय विदेश मंत्री एस जयशंकर ने शनिवार रात यूएन महासभा को संबोधित किया। उन्होंने पहलगाम आतंकी हमले की निंदा की और पाकिस्तान का नाम लिए बिना कहा कि हमारा पड़ोसी आतंकवाद का सेंटर है।

भारतीय विदेश मंत्री ने बताया कि वहां आतंकवादियों का खुलेआम गुणगान किया जाता है। दशकों से, बड़े अंतरराष्ट्रीय आतंकवादी हमलों की जड़ें उसी देश तक जाती हैं। जयशंकर ने आतंकवाद की फंडिंग रोकने की मांग की। उन्होंने कहा कि आतंकी ढांचों का खात्मा जरूरी है। आतंकियों से लड़ाई हमेशा से भारत की प्राथमिकता रही है। जयशंकर ने संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में सुधार की मांग करते हुए कहा कि ह्र के सदस्य 4 गुना बढ़ गए हैं। अब स्थायी सदस्यों की संख्या बढ़नी चाहिए। उन्होंने अपने भाषण में इंडिया की जगह भारत शब्द का इस्तेमाल किया। जयशंकर ने पहलगाम हमले का जिक्र करते हुए कहा कि ये क्रॉस–बॉर्डर टेररिज्म का सबसे हालिया उदाहरण है।

17 छात्राओं से छेड़छाड़ का आरोपी चैतन्यानंद गिरफ्तार

● पटियाला कोर्ट में पेशी, पुलिस ने 5 दिन की रिमांड मांगी ● यूएन-ब्रिक्स के फर्जी विजिटिंग कार्ड मिले, जांच हुई शुरू

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली के वसंत कुंज स्थित श्री शारदा इंस्टीट्यूट ऑफ इंडियन मैनेजमेंट-रिसर्च के हेड स्वामी चैतन्यानंद सरस्वती उर्फ पार्थसारथी को दिल्ली पुलिस ने 27 सितंबर की रात आगरा से गिरफ्तार किया। चैतन्यानंद पर कई छात्राओं के यौन उत्पीड़न का गंभीर आरोप लगा है। पुलिस चैत्यानंद को मेडिकल जांच के लिए सफदरजंग अस्पताल दिल्ली लेकर आई। इसके बाद पटियाला कोर्ट में पेशी हुई है। जहां पुलिस ने 5 दिन की रिमांड मांगी है। फिलहाल सुनवाई जारी है। चैतन्यानंद फरार था और उसकी आखिरी लोकेशन आगरा में मिली थी।

करूर हादसे में अब हर ओर से मुआवजे का मरहम

● पीएमओ दो लाख और राज्य सरकार देगी 10 लाख का मुआवजा ● मृतकों के परिजन को 20 लाख, घायलों को 2 लाख देंगे ऐक्टर विजय

नई दिल्ली (एजेंसी)। तमिलनाडु में एक्टर विजय की रैली में मची भगदड़ ने पूरे देश को हिलाकर रख दिया है। इस हादसे में 40 लोगों की मौत हो गई और 50 से अधिक लोग घायल हैं। चेन्नई से महज 400 किलोमीटर की दूरी पर स्थित करूर में हुआ यह हादसा सवालों के घेरे में है।

करूर की भगदड़ में 17 महिलाओं समेत 40 लोगों की मौत हो गई। वहीं, इस हादसे में 50 से ज्यादा लोगों के घायल होने की आशंका है। यह आंकड़े अभी और

भी ज्यादा बढ़ सकते हैं। करूर के जिस मैदान में एक्टर विजय की रैली का आयोजन किया गया था, उसकी क्षमता 10,000 लोगों की है, लेकिन वास्तव में मौके पर 30,000 के लगभग लोग मौजूद थे। टीवीके की रैलियों में भीड़ कम होती है। मगर, इस बार अचानक भीड़ बढ़ी।

गृह मंत्रालय ने मांगी रिपोर्ट सीएम ने दिए जांच के आदेश

तमिलनाडु पुलिस ने भगदड़ की जांच के लिए कमिशन का गठन किया है। वहीं, गृह मंत्रालय ने भी तमिलनाडु सरकार से मामले पर विस्तृत रिपोर्ट मांगी है। इस मामले में एक्टर विजय और उनकी पार्टी के लोगों से भी पूछताछ हो सकती है। तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एम के स्टालिन मामले की जांच के लिए एकत सदस्यीय पैनल का गठन किया है। पीएम मोदी ने 2 लाख और सीएम स्टालिन ने 10 लाख आर्थिक सहायता देने की घोषणा की है। वहीं अभिनेता विजय ने 20 लाख की मदद का ऐलान किया है। भगदड़ की परिस्थितियों की जांच के लिए एक आयोग बनाने की घोषणा की है।

पीओके में बढ़ी हलचल कुछ बड़ा होने वाला है!

इस्लामाबाद (एजेंसी)। पाकिस्तान के कब्जे वाले जम्मू कश्मीर (पीओजेके) में लोगों के गुस्से और प्रदर्शनों से तनाव बढ़ता जा रहा है। नीलम वैली पब्लिक एक्शन कमेटी के नेता शौकत नवाज मीर ने जनता की मांगों को लेकर क्षेत्र को पूरी तरह से बंद करने (लॉकडाउन) की घोषणा की है। एक तरफ पीओके के लोगों ने सोमवार के लॉकडाउन से पीछे नहीं हटने की बात कही है। वहीं दूसरी ओर पाक सरकार और सेना इस आंदोलन को बलपूर्वक कुचलने के लिए तत्पर दिख रही है। सुरक्षाबलों ने फ्लैगमार्च करते हुए क्षेत्र में दहशत फैलाने की कोशिश की है।

बवाल किया तो बिना मांगे जहन्नुम का टिकट करा देंगे

● गरजे सीएम योगी, बोले-लातों के भूत बातों से नहीं मानते ● बलरामपुर में कहा-दुस्साहस करोगे तो बरेली जैसा पिटोगे

बलरामपुर (एजेंसी)। बरेली में जुमे पर आई लव मोहम्मद को लेकर हुए बवाल पर सीएम योगी ने कहा- अराजकता कतई स्वीकार नहीं है। बिना मांगे जहन्नुम का टिकट कटवा देंगे। लातों के भूत बातों से नहीं मानते। इनको लगता है कि सरकार अब भी झुककर काम करेगी, लेकिन अब दुस्साहस करोगे तो वैसे ही पिटोगे, जैसे बरेली में पीटे गए। इन मूर्खों को पता नहीं कि आस्था को प्यार नहीं, सम्मान दिया जाता है। जिन बच्चों के हाथों में कलम होनी चाहिए, उनके हाथों में आई लव मोहम्मद का पोस्टर

देकर अराजकता फैला रहे हैं। उनकी जिंदगी तो बर्बाद है ही, उन बच्चों की भी बर्बाद कर रहे। सीएम ने बलरामपुर में रविवार को ये बातें कहीं। उन्होंने यहां 825 करोड़ रुपए की 124 विकास परियोजनाओं का लोकार्पण-शिलान्यास किया। इससे पहले योगी ने शक्तिपीठ देवीपाटन मंदिर में आदिशक्ति मां पाटेश्वरी के दर्शन किए। इस दौरान बच्चों को देखकर उनके पास पहुंचे। हाल-चाल जाना, चॉकलेट दी। इसके बाद सीएम ने गौशाला में गायों को चारा और गुड़ खिलाया।

अराजकता फैलाने की कीमत चुकानी होगी – एक तरफ विकास लगातार हो रहा है, दूसरी तरफ कुछ ऐसे तत्व हैं जो विकास में बाधा डाल रहे हैं। वे त्योहारों में व्यवधान उत्पन्न करना चाहते हैं और अराजकता को अपना जन्मसिद्ध अधिकार मानते हैं। मैं उन्हें चेतावनी देता हूं कि अगर आप विकास में बाधा बनेंगे तो मानकर चलिए यही विकास सबसे पहले आपके विनाश का कारण बनेगा। पिछले आठ साल में कुछ नहीं कर पाए, अब नए तौर-तरीके अपना रहे हैं, जितना सोचते हैं, उसकी तुलना में हमारी तैयारी ज्यादा है।

● गजवा-ए-हिंद देश में नहीं चलेगा

कुछ लोग भारत में रहते हैं, मगर गजवा–ए–हिंद का नारा देकर देश–विरोधी गतिविधियों को बढ़ावा दे रहे हैं। गजवा–ए–हिंद भारत की धरती पर नहीं होगा। यह धरती महापुरुषों की भूमि है। यह देश उन महापुरुषों के आदर्शों पर चलता है, जिन्होंने अपने प्राणों की आहुति दी। गजवा–ए–हिंद की कल्पना की तो जहन्नुम का टिकट बन जाएगा।

हथियार सप्लायर समेत काला जठेड़ी गिरोह के 6 बदमाश गिरफ्तार, 6 पिस्टल और 13 कारतूस बरामद

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली पुलिस की क्राइम ब्रांच ने एक बड़ी सफलता हासिल करते हुए कुख्यात काला जठेड़ी गिरोह के अवैध हथियार नेटवर्क का पर्दाफाश किया है। टीम ने गिरोह के मुख्य हथियार सप्लायर समेत कुल 6 आरोपियों को गिरफ्तार किया है। उनके पास से 6 अत्याधुनिक पिस्टल और 13 कारतूस बरामद किये गए हैं। क्राइम ब्रांच के डीसीपी हर्ष इंदौरा ने बताया कि यह गिरफ्तारी अवैध हथियारों के धंधे में शामिल अपराधियों के खिलाफ चल रहे अभियान का हिस्सा है। दिल्ली पुलिस की क्राइम ब्रांच टीम की इस कार्रवाई से बड़े गिरोह का पर्दाफाश हुआ है। उन्होंने बताया कि गिरफ्तार आरोपियों में सबसे पहले सहदेव उर्फ देव को हिरासत में लिया गया था। पूछताछ के दौरान सहदेव ने खुलासा किया कि वह उत्तर प्रदेश के अलीगढ़ से अवैध हथियार लाकर काला जठेड़ी गिरोह के विभिन्न सक्रिय सदस्यों को उनकी मांग पर सप्लाई करता था। सहदेव की निशानदेही पर ही पुलिस ने गिरोह के अपराधी साहिल को दिल्ली में गिरफ्तार किया। हर्ष इंदौरा ने बताया कि साहिल की निशानदेही पर पुलिस ने अत्याधुनिक पिस्टल और कारतूस बरामद किए, जिससे उसकी अवैध हथियारों के धंधे में शामिल होने की बात सामने आई है। पुलिस को मुखबिर से सूचना मिली थी कि गिरोह का सक्रिय सदस्य रोहित उर्फ बच्ची अपने साथियों के साथ नोएडा होते हुए दिल्ली आ रहा है। सूचना मिलते ही पुलिस ने घेराबंदी कर नोएडा-दिल्ली सीमा के पास उनकी कार को रोककर रोहित और उसके तीन अन्य साथियों को गिरफ्तार कर लिया। इनकी गिरफ्तारी के बाद, उनके कब्जे से भी अत्याधुनिक पिस्टल और कारतूस बरामद किए गए। पुलिस ने बताया कि आरोपियों से पूछताछ जारी है, जल्द ही नए खुलासे हो सकते हैं। जांच में ये बात सामने आई है कि गिरोह के विभिन्न सदस्यों को उनकी मांग पर हथियारों की सप्लाई होती थी। ये लोग अब तक किस-किस को हथियार की सप्लाई करते थे, इसकी भी जांच कराई जाएगी। जो भी दोषी पाए जाएंगे उनके खिलाफ कार्रवाई होगी।

दिल्ली को मिले नए मुख्य सचिव, आईएएस राजीव वर्मा को मिला जिम्मा

नई दिल्ली (एजेंसी)। अंतत- दिल्ली को नये मुख्य सचिव मिल गए हैं। कई नामों पर मंथन-चिंतन के बाद 1992 बैच के आईएएस राजीव वर्मा के नाम पर मुहर लगी है। इससे पहले वे केंद्र सरकार की ओर से चंडीगढ़ में सलाहकार नियुक्त किए गए थे। दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल के कार्यकाल में राजीव वर्मा दिल्ली में परिवहन आयुक्त और मंडल आयुक्त जैसे पदों पर रह चुके हैं। वह एक अक्टूबर को अपना यह नया पदभार ग्रहण करेंगे। मुख्य सचिव धर्मेंद्र इसी माह के अंत में सेवानिवृत्त होने जा रहे हैं। बता दें कि दिल्ली के नए मुख्य सचिव बने राजीव वर्मा 1992 बैच के आईएएस अधिकारी हैं। उन्हें जनवरी 2024 में चंडीगढ़ के प्रशासक का सलाहकार नियुक्त किया गया था। वे पुडुचेरी के मुख्य सचिव के पद पर भी रह चुके हैं। चंडीगढ़ प्रशासक के सलाहकार के रूप में कार्यभार संभालने से पहले वह पुडुचेरी के मुख्य सचिव थे। उन्होंने मौलाना आजाद राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान से वास्तुकला में डिग्री हासिल की है और दिल्ली स्कूल ऑफ प्लानिंग एंड आर्किटेक्चर से शहरी डिजाइन में स्नातकोत्तर की डिग्री ली है।

अब तक इन विभागों का उठा चुके हैं बीड़ा

प्रशासक के सलाहकार -केंद्र शासित प्रदेश चंडीगढ़ (2024 -वर्तमान)
प्रशासक के सलाहकार - केंद्र शासित प्रदेश चंडीगढ़ (2022 - 2024)
प्रमुख सचिव एवं आयुक्त - वित्त/राजस्व, नई दिल्ली (2018 - 2022)
प्रधान आयुक्त - आवास और शहरी मामले, दिल्ली विकास प्राधिकरण (2017 - 2018)
संयुक्त सचिव - रक्षा (2013 - 2017)
अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक - दिल्ली परिवहन निगम (2012 - 2013)
सचिव -दिल्ली और गोवा राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र में विभिन्न भूमिकाएँ (2000 - 2011)

ज्वैलरी शोरूम को निशाना बनाने वाले बंटी-बबली पकड़े गए

नई दिल्ली (एजेंसी)। द्वारका जिला पुलिस की एंटी-बर्गलरी सेल ने ज्वैलरी शोरूम को निशाना बनाने वाले बंटी-बबली को गिरफ्तार किया है। आरोपी पंजाब के रहने वाले हैं। पुलिस ने आरोपियों राजीव और सान्या के पास से सोने की अंगूठी, एक जोड़ी सोने की बाली, एक सोने का लॉकेट और आठ हजार रुपये नकद बरामद किए हैं। पुलिस उपायुक्त अंकित सिंह ने बताया कि 23 अगस्त को साहिल अरोड़ा ने अपने ज्वैलरी शोरूम में चोरी की शिकायत पुलिस को दी। उन्होंने पुलिस को बताया कि 20 जुलाई को उनकी दुकान में ज्वैलरी खरीदने आए दंपति ने शोरूम से एक कान की बाली और एक जोड़ी सोने के टॉप्स चोरी कर लिए। पुलिस ने जांच शुरू की। दंपति द्वारा इस्तेमाल की गई कैब की कंपनी से उपलब्ध आईपी एड्रेस के आधार पर पुलिस आरोपियों तक पहुंची। नशे की लत ने बना दिया अपराधी आरोपियों ने पूछताछ में बताया कि आरोपी राजीव ने इंटरमीडिएट और आरोपी सान्या ने स्नातक की पढ़ाई की है। राजीव अमृतसर में प्रॉपर्टी डीलर का काम करता था। आरोपियों ने बताया कि राजीव और सान्या को नशे की लत लग गई, जिसके चलते उन्होंने अपनी सारी प्रॉपर्टी बेच दी। इसके बाद ये दोनों मिलकर आभूषण चुराने लगे।

सदर बाजार चाकूबाजी मामले में दो भाई दोषी करार

नई दिल्ली (एजेंसी)। तीस हजारी कोर्ट ने वर्ष 2013 में सदर बाजार इलाके में हुई चाकूबाजी की घटना में दो भाइयों साजिद और नसीम को दोषी करार दिया है। न्यायिक मजिस्ट्रेट गौरव गोयल की अदालत ने दोनों को आईपीसी की धारा 324, 34 के तहत दोषी ठहराते हुए कहा कि अभियोजन पक्ष ने आरोप साबित कर दिए हैं। मामला 20 जुलाई 2013 का है। सुबह करीब नौ बजे शिकायतकर्ता अजीज अपने दोस्त रेहान के साथ आरोपियों के घर पैसे लेने पहुंचा था। वहां कहासुनी के बाद दोनों भाइयों ने अजीज को पकड़ लिया और चाकू से सिर पर वार कर दिया। घायल हालत में अजीज ने पुलिस को सूचना दी। मामले में गवाहों के बयान दर्ज किए गए, जिनमें शिकायतकर्ता और प्रत्यक्षदर्शी रेहान भी शामिल था। अजीज की गवाही को अदालत ने विश्वसनीय माना और कहा कि अकेले प्रत्यक्षदर्शी का भरोसेमंद बयान भी दोष सिद्ध करने के लिए पर्याप्त है।

निवेश के नाम पर ठगी करने वाले जालसाज को दबोचा

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली पुलिस की क्राइम ब्रांच ने क्वाइन एक्स क्रिप्टो ट्रेडिंग में निवेश के नाम पर ठगी करने वाले एक गिरोह का पर्दाफाश किया है। इस संबंध में पुलिस ने एक जालसाज को गिरफ्तार किया है। आरोपी सोशल मीडिया के जरिए मोटा लाभ का झांसा देकर निवेश करा ठगी करता था। पुलिस के हत्थे चढ़ा आरोपी नरेश कुमार हरियाणा के करनाल का रहने वाला है। दिल्ली के एक शिकायतकर्ता से आरोपी ने 34 लाख रुपये की ठगी की थी। क्राइम ब्रांच ने बताया कि पीड़ित को व्हाट्सऐप ग्रुप पर जोड़ा गया था और उसे झांसे में लेकर 34 लाख रुपये निवेश करवा दिए गए। इसके बाद उन्होंने जब अपने मुनाफे के रुपये निकालने का प्रयास किया तो रकम नहीं निकली। बाद में उनको ग्रुप से निकाल दिया गया। आरोपी ने खुलासा किया कि उसने नरेश ट्रैक्टर वर्कशॉप के नाम से अलग-अलग बैंक के 10 करंट अकाउंट खोलकर साइबर ठगों को उपलब्ध करवाए थे। बदले में उसे हर खाते के बदले 30 हजार रुपये महीना दिया जा रहा था। इन खातों की जांच की गई तो करोड़ों रुपये की रकम के लेनदेन का पता चला। जांच के दौरान एनसीआरपी से जुड़ी 13 शिकायतें इसके बैंक खातों से लिंक पाई गई हैं।

यमुनापार से जुड़ेगा दिल्ली का हर कोना, सीएम रेखा गुप्ता ने दी 300 देवी बसों की सौगात

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने रविवार को यमुनापार के लोगों को 300 नई देवी (दिल्ली इलेक्ट्रिक व्हीकल इंटरकनेक्टर) बसों की सौगात दे दी। उन्होंने कहा कि लोगों की समस्या दूर करने के लिए पायलट प्रोजेक्ट के तौर पर नए रूट तय किए गए हैं। नई बसों के चलने के बाद अब डीटीसी के बेड़े में कुल 974 देवी बसें हो गई हैं।

मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने पत्रकारों से बात करते हुए बताया कि कई इलाकों में बसें होने के बावजूद कनेक्टिविटी कमजोर थी। यात्रा करने में लंबा समय लगता था और भीड़ भी ज्यादा रहती थी। इसी चुनौती को दूर करने के लिए आईआईटी दिल्ली के सहयोग से वैज्ञानिक अध्ययन किया गया। इसके बाद ही पायलट प्रोजेक्ट के तौर पर ये नए रूट बनाए गए। ये नई

देवी बसें यमुनापार को राजधानी के हर कोने से जोड़ेंगी।'

मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में हमारा संकल्प है कि हर दिल्लीवासी को बराबर की सुविधा और सम्मान मिले। किसी को कोई परेशानी न हो। केंद्र और राज्य सरकार हमेशा जनता के साथ खड़ी है।

पिछली सरकार पर मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने निशाना साधते हुए कहा, 'यमुना पार्क, ट्रांस यमुना, यहां तक कि जो ट्रांस यमुना डेवलपमेंट बोर्ड था, उसे भी पिछली सरकार के कार्यकाल में बंद कर दिया गया था, जिससे लोगों को परेशानी हो रही थी। आज हमने यमुना पार को 300 इलेक्ट्रिक बसें दी हैं। इसके साथ ही, हमने आईआईटी दिल्ली के साथ पूरे रूट को भी बदल दिया है।'

उन्होंने कहा कि इन देवी बसों में कैमरे और पैनिक बटन लगाए गए हैं। यात्रियों की सुविधा को देखते हुए इसे तैयार किया गया है। खास बात यह है कि हम लोगों ने इसमें पेमेंट का मोड भी ऑटोमेटिक कर दिया है जिससे किसी को कोई परेशानी न हो और वे आराम से यात्रा कर सकें।

पटपड़गंज के पूर्व विधायक मनीष सिसोदिया पर भी हमला बोलते हुए रेखा गुप्ता ने कहा, 'शिक्षा की बात करने वाले ने शिक्षा पर कोई काम नहीं किया। आज भी दिल्ली में टीन शेड के अंदर पढ़ाई हो रही है। जहां तक जलभराव की बात है, तो उनके लोग रील बनाने के लिए स्विमिंग करते हैं। मैं उनको यह बता दूं कि अगले साल उन्हें यह मौका नहीं मिलेगा।'

मंत्री डॉ. पंकज कुमार सिंह ने कहा कि लोगों की जरूरत को ध्यान में रखते हुए यह बस सेवा शुरू की गई है। यमुनापार में हर उस जगह बस पहुंचाई जाएगी जहां लोगों को जरूरत है।

'नमो रन' ने विकसित दिल्ली और नशा-मुक्त भारत का दिया संदेश : रेखा गुप्ता

नई दिल्ली (एजेंसी)। मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता आज कनॉट प्लेस के सेंट्रल पार्क में नमो रन में मुख्य अतिथि के रूप में सम्मिलित हुईं। इस मौके पर उनके साथ दिल्ली के शिक्षा मंत्री आशीष सूद भी मौजूद रहे। मुख्यमंत्री ने कहा, विकसित दिल्ली और नशा-मुक्त भारत के संदेश के साथ नमो रन में दिल्ली के हजारों बच्चों और युवाओं ने हिस्सा लिया।

मुख्यमंत्री ने बताया कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के जन्मदिवस के उपलक्ष्य में चल रहे सेवा पखवाड़े में आज आयोजित नमो रन में 7,500 से अधिक विद्यार्थी 15 स्थानों पर 75

किलोमीटर की दौड़ लगा रहे हैं। यह केवल रन नहीं, बल्कि युवाशक्ति का जागरण और नए भारत की ऊर्जा है। उन्होंने कहा, सभी बच्चों और युवाओं का यह उत्साह और संकल्प हमारे राष्ट्र की सबसे बड़ी ताकत और अनमोल धरोहर है। मुख्यमंत्री ने कहा, शहीद-ए-आजम भगत सिंह की जयंती पर हम सब मिलकर यह प्रण लें कि उनके साहस और बलिदान से प्रेरणा लेकर भारत को आत्मनिर्भर और विकसित राष्ट्र बनाएंगे।

मंत्री आशीष सूद ने कहा, दिल्ली के 7500 युवा 75 किलोमीटर दौड़कर विकसित दिल्ली का संकल्प पूरा करने आए हैं। आज का दिन ऐतिहासिक है, ये दिन नशे के खिलाफ, प्रदूषण के खिलाफ, विकसित दिल्ली बनाने का दिन है।

दिल्ली में कन्या भ्रूण हत्या के विरोध में कात्यायनी पूजन सम्पन्न, नवरात्र महोत्सव का छठा दिन रंगारंग

नई दिल्ली। शाहदरा के गोरख पार्क स्थित श्री राजमाता झंडेवाला मंदिर में 123वें नवरात्रि महोत्सव एवं धर्म सम्मेलन के छठवें दिन, देवी कात्यायनी की पूजा-अर्चना कन्या भ्रूण हत्या के विरोध में विधि-विधान से आयोजित की गई। यह कार्यक्रम स्वामी श्री राजेश्वरानंद जी महाराज के पावन सानिध्य में संपन्न हुआ। दरबार के प्रबंधक राम वोहरा ने बताया कि पौराणिक कथा के अनुसार ऋषि कात्यायन की तपस्या से प्रसन्न होकर शक्ति कात्यायन के घर प्रकट हुई, जिससे उनका नाम कात्यायनी पड़ा। वर्तमान परिप्रेक्ष्य में यह पूजन कन्या भ्रूण हत्या जैसे सामाजिक कुरीतियों के विरोध में जागरूकता फैलाने का संदेश देता है। उन्होंने कहा कि कन्या अभिशाप नहीं बल्कि वरदान होती हैं और समाज में महान नारियों के योगदान इसका प्रत्यक्ष प्रमाण है। पूजन समारोह में मंदिर परिसर को भक्तिमय वातावरण में बदल दिया गया। प्रसिद्ध कलाकार यशराज योगी ने सुंदर भेंटों का गायन करते हुए हाजरी लगाई। कात्यायनी पूजन के अंतर्गत कन्याओं को चुनरी ओढ़ाकर दक्षिणा और प्रसाद के साथ सम्मानित किया गया। मंच पर कलाकारों द्वारा महाकाली मां की अलौकिक नाटिका प्रस्तुत की गई, जिसने उपस्थित भक्तों का मन मोह लिया। भक्तों ने सामूहिक रूप से दुर्गा चालीसा का पाठ किया और इसके पश्चात फलाहार भंडारे में प्रसाद वितरण किया गया। नवरात्र महोत्सव का समापन समारोह 30 सितंबर को दुर्गाष्टमी के दिन शाम 5 बजे आयोजित किया जाएगा, जिसमें स्वामीजी द्वारा पूर्ण नवरात्र मौन व्रत साधना सम्पन्न करने के बाद प्रसिद्ध गायक कुलदीप सिंह जी महामाई का गुणगान करेंगे। यह आयोजन न केवल धार्मिक महत्व का था, बल्कि समाज में कन्या भ्रूण हत्या जैसी कुरीतियों के प्रति जागरूकता फैलाने का भी एक प्रेरक संदेश साबित हुआ।

'300 साल पुराने पूर्वी मेहरम नगर के एक भी घर को उजड़ने नहीं देगी कांग्रेस': देवेंद्र यादव का केंद्र सरकार को अल्टीमेटम

नई दिल्ली (एजेंसी)। नई दिल्ली प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष देवेंद्र यादव ने केंद्र की भाजपा सरकार पर दिल्ली के ग्रामीणों को निशाना बनाने का आरोप लगाया है। उन्होंने कहा कि लाखों झुग्गी-झोपड़ी वालों को उजाड़ने के बाद अब बुलडोजर की तलवार 300 साल पुराने पूर्वी मेहरम नगर गाँव के निवासियों पर लटकी हुई है।

दिल्ली छावनी के मेहरम नगर में आयोजित 360 गाँवों की 36 बिरादरी की महापंचायत को संबोधित करते हुए श्री यादव ने गाँव के निवासियों से एक बड़ा वादा किया। उन्होंने ऐलान किया, 'मैं यहां आपसे वादा करता हूं कि 300 साल पुराने मेहरम नगर गांव के एक भी मकान को हम टूटने नहीं देंगे, बुलडोजर को हमारे ऊपर से होकर जाना होगा।'

'राहुल गांधी के आदर्शों पर चलकर लड़ाई को निर्णायक मोड़ तक ले जाएंगे'

देवेंद्र यादव ने कहा कि कांग्रेस पार्टी के सिपाही, अपने नेता राहुल गांधी के आदर्शों, संघर्ष और पदचिन्हों पर चलकर इस लड़ाई को निर्णायक मोड़ तक लेकर जाएँगे। उन्होंने महान स्वतंत्रता सेनानी शहीद भगत सिंह के जन्मदिन का उल्लेख करते हुए कहा कि हमें मौजूदा भाजपा सरकार के खिलाफ एक बार फिर लड़ाई लड़नी होगी, क्योंकि भाजपा का व्यवहार अंग्रेजी तानाशाही हूकूमत जैसा ही है। यह महापंचायत युवा ग्राम सुधार संगठन रजि., ईस्ट मेहरम नगर द्वारा आयोजित की गई थी।

गूंगी-बहरी सरकार को आईना दिखाने की जरूरत

यादव ने भाजपा पर दलित विरोधी और गरीब विरोधी होने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा, 'यह सरकार समझती है कि ये सब कमजोर हैं, लेकिन यह नहीं जानती कि जब अपनी पर आते हैं तो अच्छे-अच्छों को जमीन पर लाकर खड़ा कर देती है।' उन्होंने प्रशासन और सरकार की

कार्रवाई को तानाशाही बताते हुए कहा कि कांग्रेस आपके साथ खड़ी है और इस लड़ाई को न्यायसंगत निष्कर्ष तक लेकर जाएगी।

उन्होंने केंद्र सरकार को गूंगी-बहरी सरकार बताया, जो केवल पूंजीपतियों के लिए काम कर रही है। उन्होंने चेतावनी दी कि जो आवाज़ उठाता है, उसके ऊपर डंडे बरसाए जाते हैं। उन्होंने कहा, 'हम डंडों से डरने वाले नहीं हैं। कितने भी डंडे बरसाओ, हम दिल्ली के गांवों में बुलडोजर चलने नहीं देंगे। अगर सरकार अपने तानाशाही रवैये के तहत बुलडोजर चलाएगी तो वो हमारे ऊपर से होकर जाएगा।'

महापंचायत में देवेंद्र यादव के साथ अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के सचिव अभिषेक दत्त, पूर्व विधायक हरी शंकर गुप्ता और हरनाम सिंह सहित बड़ी संख्या में युवा, महिलाएँ और आसपास के गाँवों के लोग समर्थन देने पहुँचे थे।

यथार्थ हॉस्पिटल, मॉडल टाउन में वॉकथॉन का आयोजन, बॉलीवुड अभिनेत्री भूमि पेडनेकर ने दिखाई हरी झंडी

नई दिल्ली। विश्व हृदय दिवस के अवसर पर यथार्थ सुपर स्पेशलिटी हॉस्पिटल्स, मॉडल टाउन ने 'चलता रहे मेरा दिल' के तहत दो किलोमीटर का ऊर्जा से भरपूर वॉकथॉन आयोजित किया। इस आयोजन की शुरुआत बॉलीवुड अभिनेत्री भूमि पेडनेकर ने हरी झंडी दिखाकर की। कार्यक्रम का उद्देश्य हृदय स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता फैलाना, सक्रिय जीवनशैली को प्रोत्साहित करना और आधुनिक हृदय उपचार की उपलब्धता के प्रति लोगों को अवगत कराना था। कार्यक्रम सूर्योदय के समय जुम्बा सेशन के साथ शुरू हुआ, जिसने वॉकथॉन के माहौल को और भी जीवंत बना दिया। इस अवसर पर यथार्थ हॉस्पिटल, मॉडल टाउन में उत्तर और पश्चिम दिल्ली की पहली अत्याधुनिक कार्डियक कैथ लैब का भी औपचारिक उद्घाटन किया गया। इस लैब की स्थापना के बाद हॉस्पिटल हृदय रोगियों को समय पर उन्नत और संपूर्ण देखभाल प्रदान करने में सक्षम होगा। भूमि पेडनेकर ने इस अवसर पर कहा, 'आज इतनी बड़ी संख्या में लोगों को हृदय स्वास्थ्य के प्रति सजग और सक्रिय देखना बहुत प्रेरणादायक रहा। रोजाना टहलना जैसी छोटी-छोटी आदतें हमारे स्वास्थ्य पर गहरा असर डालती हैं। मुझे खुशी है कि यथार्थ हॉस्पिटल के साथ मैं यह संदेश वर्ल्ड हार्ट डे पर साझा कर पा रही हूं। एडवांस्ड कार्डियक कैथ लैब की शुरुआत एक महत्वपूर्ण और सराहनीय पहल है।' यथार्थ ग्रुप ऑफ हॉस्पिटल्स के निदेशक श्री यथार्थ त्यागी ने कहा कि इस तरह के आयोजन लोगों को जोड़ते हैं और हृदय रोगों की रोकथाम की आवश्यकता को उजागर करते हैं। उन्होंने कहा, 'हम अत्याधुनिक तकनीक के साथ राजधानी की जनता को विश्वस्तरीय स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराने के लिए प्रतिबद्ध हैं।' यथार्थ हॉस्पिटल के कार्डियोवैस्कुलर और थोरेसिक सर्जरी विभाग के निदेशक डॉ. धीरज झांभ ने हृदय रोगों की रोकथाम पर जोर देते हुए कहा, 'हृदय रोग अब भी भारत में मृत्यु का प्रमुख कारण है, लेकिन इसे काफी हद तक रोका जा सकता है। नियमित व्यायाम, संतुलित आहार और समय-समय पर जांच हृदय रोगों के जोखिम को कम कर सकते हैं।' 'चलता रहे मेरा दिल' कार्यक्रम ने सामुदायिक जुड़ाव और स्वास्थ्य सेवाओं की प्रगति को एक साथ जोड़ते हुए यह संदेश दिया कि यथार्थ हॉस्पिटल न केवल हृदय रोगों की रोकथाम पर ध्यान देता है, बल्कि अत्याधुनिक कार्डियक तकनीक से लोगों को लाभ पहुंचाने में भी अग्रणी है।

प्रधानमंत्री मोदी की महिला रोजगार योजना से बिहार की महिलाओं को मिलेगा बड़ा लाभ: गुरमीत सिंह सूरा

नई दिल्ली (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा मुख्यमंत्री महिला रोजगार योजना के तहत 75 लाख महिलाओं को पहली किस्त के रूप में 10-10 हजार रुपये सीधे उनके बैंक खातों में भेजने का निर्णय, केवल आर्थिक मदद नहीं बल्कि आत्मनिर्भरता और सम्मान की नई शुरुआत है। इस योजना के तहत सिलाई-बुनाई, खेती, पशुपालन और छोटे व्यवसायों को बढ़ावा दिया जाएगा, जिससे महिलाओं को स्वरोजगार के अवसर मिलेंगे और वे आर्थिक रूप से सशक्त बनेंगी। भारतीय जनता पार्टी, शाहदरा जिले के वरिष्ठ नेता और पश्चिमी जिले के पूर्व सह-प्रभारी गुरमीत सिंह सूरा ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी हर वर्ग के हितों को ध्यान में रखते हुए योजनाएं बनाते हैं। उन्होंने बताया कि यह निर्णय केवल बिहार तक सीमित नहीं है, बल्कि कई राज्यों में महिलाओं के सम्मान और आर्थिक सशक्तिकरण के लिए इसी तरह की योजनाएं लागू की गई हैं। दिल्ली सरकार ने भी महिला सम्मान राशि के लिए बजट की व्यवस्था कर दी है, और यह दिन दूर नहीं जब दिल्ली की महिलाएं भी इसका लाभ उठाएंगी। गुरमीत सिंह सूरा ने बताया कि महिला रोजगार योजना का मूल उद्देश्य महिलाओं को स्वरोजगार के अवसर प्रदान करना और उन्हें आत्मनिर्भर बनाना है। इस पहल से महिलाओं की आर्थिक स्थिति मजबूत होगी और वे अपने परिवार और समाज में सम्मानजनक स्थान हासिल कर सकेंगी। योजना के तहत रोजगार शुरू करने के बाद महिलाओं को उनके व्यवसाय की प्रगति के आधार पर दो लाख रुपये तक अतिरिक्त वित्तीय सहायता भी दी जाएगी। उन्होंने कहा कि बिहार आज भी विकास और सामाजिक दृष्टि से कमजोर राज्य माना जाता है, ऐसे में इस योजना से वहां की महिलाओं को रोजगार और आर्थिक सुरक्षा मिलेगी। इस पहल से बिहार के करोड़ों परिवारों की महिलाओं को सीधे लाभ मिलेगा, राज्य की अर्थव्यवस्था में सकारात्मक बदलाव आएगा और महिलाओं में आत्मविश्वास बढ़ेगा।

रामलीला में भक्ति, आस्था और मर्यादा पुरुषोत्तम राम के आदर्शों का अद्भुत प्रदर्शन

-रामलीला केवल एक नाटक नहीं, बल्कि यह भारतीय संस्कृति की आत्मा- प्रवेश साहिब सिंह

-राम भक्तों ने किया मर्यादा पुरुषोत्तम श्री राम की लीला का रसपान

नई दिल्ली (एजेंसी)। राजधानी दिल्ली के द्वारका सेक्टर-10 स्थित रामलीला ग्राउण्ड में द्वारका श्री रामलीला सोसायटी के तत्वावधान में आयोजित की जा रही 14वीं भव्य रामलीला में रविवार को सीता हरण, राम विलाप, राम-हनुमान मिलन, सूर्पनखा की नाक काटना, खर-दूषण वध का अद्भुत मंचन देखने को मिला। इससे पहले शनिवार को अत्यंत भव्यता, श्रद्धा और सांस्कृतिक गरिमा के साथ संपन्न हुआ। द्वारका के आकाश में जय श्री राम के जयकारों से गूंजते वातावरण में हजारों की संख्या में उपस्थित राम भक्तों ने मर्यादा पुरुषोत्तम श्री राम की लीला का रसपान किया। इस वर्ष की रामलीला का आयोजन द्वारका श्री रामलीला सोसायटी के चेयरमैन एवं मुख्य संरक्षक आकाश राजेश गहलोत के सशक्त नेतृत्व में किया जा रहा है। उनके मार्गदर्शन और टीम के अथक प्रयासों से यह आयोजन न केवल एक धार्मिक पर्व बन चुका है, बल्कि यह सामाजिक एकता, भारतीय संस्कृति और सनातन मूल्यों के संरक्षण का सशक्त माध्यम भी बन गया है। इस पावन अवसर पर दिल्ली सरकार के कैबिनेट मंत्री प्रवेश साहिब सिंह विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। उन्होंने मंच से द्वारका श्री रामलीला सोसायटी की सराहना करते हुए कहा कि रामलीला केवल एक नाटक नहीं, बल्कि यह भारतीय संस्कृति की आत्मा है, जो समाज को धर्म, नीति और आदर्शों का पाठ पढ़ाती है। ऐसे आयोजन नई पीढ़ी को अपने संस्कारों से जोड़ते हैं। उधर, पूरे परिसर में दीपों की रौशनी, जयकारों की गूंज और मंच पर सजावट का अद्भुत संगम देखने को मिला। हजारों की संख्या में उपस्थित श्रद्धालु परिवारों सहित रामलीला का आनंद लेते रहे। बच्चों के लिए झूले, खाने-पीने के स्टॉल और भव्य मेला आयोजन को और भी आकर्षक बना रहे हैं। आकाश राजेश गहलोत ने कहा कि हमारा उद्देश्य केवल रामलीला का मंचन करना नहीं, बल्कि रामायण के आदर्शों को समाज में जीवंत करना है। जिस प्रकार श्री राम ने मर्यादा, सत्य और करुणा के पथ पर चलकर विश्व को धर्म की शिक्षा दी, उसी प्रकार हम भी इन मूल्यों को अपने जीवन में अपनाएं। द्वारका श्री रामलीला 2025 की छठी रात्रि का मंचन न केवल मनोरंजन का साधन रहा, बल्कि यह भक्ति, नीति, और संस्कारों की जीवंत पाठशाला बन गया। भरत की निष्ठा, केकई का पश्चाताप,

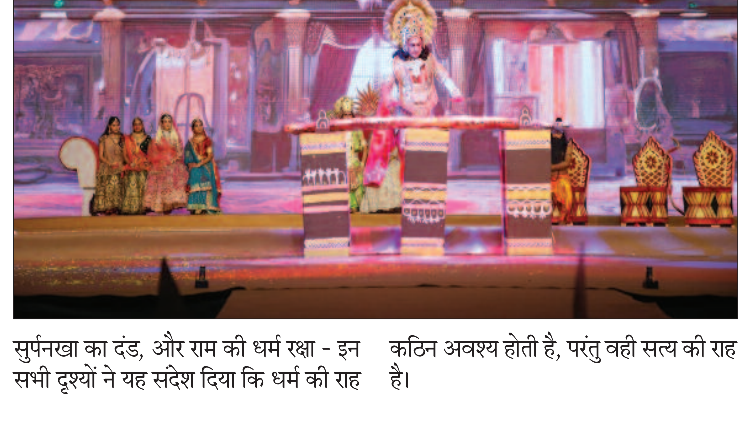

सुर्पनखा का दंड, और राम की धर्म रक्षा - इन सभी दृश्यों ने यह संदेश दिया कि धर्म की राह कठिन अवश्य होती है, परंतु वही सत्य की राह है।

मिशन शक्ति-5: गाजियाबाद नगर निगम में शुरू हुई महिला हेल्प डेस्क, नगर आयुक्त ने किया निरिक्षण

गाजियाबाद (शिखर समाचार)। मिशन शक्ति अभियान के फेस 5 के तहत गाजियाबाद नगर निगम शहर में अनेको कार्यक्रम का लगातार आयोजन कर रहा है। पांचों जोन के साथ-साथ आंतरिक वार्डों में भी मिशन शक्ति के कार्यक्रम का आयोजन किया जा रहा है।गाजियाबाद नगर निगम के स्कूलों में भी मिशन शक्ति के कार्यक्रम लगातार आयोजित हो रहे है, जिसमें छात्राओं को महिला अधिकारों के प्रति जागरूक किया जा रहा है। नगर आयुक्त विक्रमादित्य सिंह मलिक के नेतृत्व में अभियान के रूप में मिशन शक्ति के कार्यक्रम आयोजित हो रहे हैं, जिसमें महिला पार्षदों के साथ-साथ गाजियाबाद नगर निगम की महिला अधिकारियों तथा कर्मचारियों का भी सहयोग लिया जा रहा है। गाजियाबाद नगर निगम मुख्यालय पर महिला हेल्प डेस्क भी बनाई गई है, जिसमें महिला आगंतुकों की शिकायतों और सुझावों पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है। महिला हेल्प डेस्क पर महिला कर्मचारीको कुछ जिम्मेदारी सौंप गई है। नगर आयुक्त ने रजिस्टर को देखते हुए महिला हेल्प डेस्क का अवलोकन भी किया तथा मुख्यालय में पधारने वाली महिलाओं की एंट्री करते हुए उनकी समस्याओं के समाधान पर विशेष ध्यान देने के

निर्देश विभागीय अधिकारियों को दिए। अपर नगर आयुक्त जंग बहादुर यादव ने बताया कि महापौर तथा नगर आयुक्त के निर्देश अनुसार 22 सितंबर से शहर में लगातार मिशन शक्ति के कार्यक्रम आयोजित हो रहे है। महिलाओं को उनके अधिकारों के प्रति जागरूक किया जा रहा है। स्कूलों की छात्राओं तथा अध्यापकों का भी सहयोग निगम को मिल रहा है। वार्डों में चौपाल लगाने, रैली निकालने तथा गाजियाबाद नगर निगम में कार्य कर रही महिला स्टाफ को वरीयता देते हुए विशेष कार्यक्रम आयोजित किया जा रहे है, जिसके लिए टीम भी बनाई गई है। मिशन शक्ति 5 के लिए नोडल अधिकारी पल्लवी सिंह को बनाया गया है, जिनके नेतृत्व में गाजियाबाद नगर निगम बृहद अभियान के रूप में कार्य कर रहा है। मिशन शक्ति के आयोजित हो रहे कार्यक्रमों में निगम की महिला कर्मी भी उत्साह के साथ प्रतिभा कर रही है तथा नगर मुख्यालय पर लगे हुए सेल्फी पॉइंट पर सेल्फी लेते हुए महिला सशक्तिकरण का संदेश जन जन को दे रही है। नारी सुरक्षा, नारी सम्मान, नारी स्वावलंबन को ध्यान में रखते हुए सभी जोनों में बेहतर कार्यवाही की जा रही है। सामाजिक संस्थाएं भी निगम का सहयोग कर रही है।

वर्ल्ड रेबीज डे: नगर निगम ने 100 से अधिक श्वानों का किया टीकाकरण

गाजियाबाद (शिखर समाचार)। नगर निगम ने वर्ल्ड रेबीज दिवस के अवसर पर अभियान के रूप में श्वानों को रेबीज का टीका लगाया। आरडब्ल्यूए पदाधिकारी तथा पशु प्रेमियों के साथ मिलकर 100 से अधिक श्वानों को रेबीज का टीका लगाया गया। उप मुख्य पशु चिकित्सा एवं कल्याण अधिकारी डॉ. अनुज कुमार सिंह ने बताया कि गाजियाबाद नगर निगम द्वारा प्रतिदिन श्वान का रजिस्ट्रेशन के क्रम में रेबीज के टीकाकरण की कार्यवाही भी पूर्ण की जा रही है। वर्ल्ड रेबीज दिवस पर पांचों जोन में अभियान चला कर टीकाकरण किया गया। नगर आयुक्त विक्रमादित्य सिंह मलिक ने पशु

प्रेमियों तथा आरडब्ल्यूए पदाधिकारी से शहर वासियों को रेबीज के प्रति जागरूक करने की अपील की। साथ ही टीम को भी जन जागरूकता अभियान चलाने के निर्देश दिए। विशेष रूप से वसुंधरा तथा इंदिरापुरम क्षेत्र में रेबीज के प्रति जागरुक करते हुए टीकाकरण अभियान चलाया गया। निलाया ग्रीन, रामप्रस्थ तथा केडीपी ग्रैंड सवाना के निवासियों के साथ मिलकर रेबीज का टीकाकरण किया गया। नगर आयुक्त विक्रमादित्य सिंह मलिक ने बताया कि शहर हित में श्वानों का रजिस्ट्रेशन तथा रेबीज टीकाकरण बहुत ही अनिवार्य है, जिसके लिए शहर वासियों को जागरुक होकर अपने पालतू तथा निराश्रित श्वान का टीकाकरण में सहयोग करना चाहिए।

रामलीला मंच पर नन्हीं खुशी ने गाया भजन, दर्शकों ने तालियों के साथ किया उत्साहवर्धन

मुरादनगर (शिखर समाचार)। श्री आदर्श रामलीला कमेटी के तत्वाधान में चल रहे रामलीला मंचन के दौरान 6 वर्षीय बालिका खुशी शर्मा ने अपनी मधुर वाणी में भजन प्रस्तुत कर सभी का मन मोह लिया। उन्होंने ह्लबजाओ ढोल स्वागत में, मेरे घर राम आए हैंह्व भजन गाकर उपस्थित दर्शकों को भावविभोर कर दिया। इस अवसर पर वरिष्ठ पत्रकार रामकिशन बंधु, बुद्धप्रकाश गोयल, सुशील गोयल, विनोद धनगर, अरविंद भारतीय, सुभाष गर्ग, भूपेंद्र पाल सहित अन्य गणमान्यजनों ने खुशी शर्मा और उनके बाबा विनोद मिश्रा को पटका पहनाकर एवं प्रतीक चिन्ह भेंट कर सम्मानित किया। परशुराम सेवा दल के अध्यक्ष विनोद कुमार मिश्रा ने बताया कि नन्हीं खुशी को हनुमान चालीसा, शिव स्तोत्र और माँ दुर्गा के भजन कंठस्थ हैं। उन्होंने कहा कि इतनी छोटी उम्र में धार्मिक भजनों के प्रति बालिका की रुचि और स्मरण शक्ति सभी के लिए प्रेरणादायी है।

श्रीराम लीला मंचन के कार्यक्रमों में बडी संख्या में भीड उमडी

हापुड/ गढ़मुक्तेश्वर (शिखर समाचार) गढ तहसील क्षेत्र में विभिन्न स्थानो पर हो रही श्रीराम लीला मंचन के कार्यक्रमों में बडी संख्या में लोगो का पहुंचना आयोजको के लिए सुखदायी लग रहा है। ग्रामीण अंचल के कार्यक्रमों में आगामी पंचायत चुनाव की तैयारी कर रहे संभावित उम्मीदवार तो बढ चढकर कार्यक्रमों में भाग लेते हुऐ सहयोग करने में लगे हैं।

गढ नगर में होने वाली श्रीराम लीला मंचन के साथ मेले का भी आयोजन हो रहा है जिस कारण यहां श्रीराम लीला देखने पहुंचने वाले लोगो की संख्या प्रतिदिन हजारो में रहती है। वहीं पालिका क्षेत्र में ही ब्रजघाट में भी श्रीराम लीला का मंचन हो रहा है जिसमें श्रीराम लीला देखने वालो की संख्या भी कम नही है। ग्रामीण क्षेत्र में बक्सर, बहादुरगढ, लुहारी आदि स्थानो पर श्रीराम लीला का मंचन पुरी तैयारी के साथ चल रहा है। रामायण के विभिन्न प्रसंगो को श्रीराम लीला में भाग लेने वाले कलाकर अपनी जीवांत प्रस्तुति से दर्शको को जहां मंत्रमुग्ध कर देते है वहीं कुछ प्रसंगो में भाव विभोर कर देते है। श्रीराम लीला आयोजन में विधायक हरेन्द्र तेवतिया एवं अन्य जनप्रतिनिधि शामिल हो रहें है वहीं पुलिस प्रशासन के अधिकारी अपनी डयूटी निभाने में लगे हैं। कार्यक्रमों में रूपेश पंडित, विष्णुदत्त नागर, चंद्रपाल सिंह, प्रिंस, चंद्रप्रकाश सैनी, राजेन्द्र सैनी, सुधीर शर्मा, अशोक आर्य, गिरीश चौहान, धनवंत कुमार जैन, अनिल रस्तौगी, ओमप्रकाश पहलवान, कपिल नागर, महेश बंसल, विनय मिश्रा सहित हजारो लोगो ने भाग लिया।

खेल को खेल भावना के साथ खेला जाना चाहिए-हरेन्द्र तेवतिया

हापुड/ गढ़मुक्तेश्वर (शिखर समाचार) ब्रजघाट स्थित नेह नीड शिक्षा संस्था में आयोजित खेलकूद प्रतियोगिता में कई स्कूलो के बच्चो ने भाग लिया। कार्यक्रम में भाग लेते हुऐ विधायक ने खिडालियों को खेल को खेल भावना के साथ खेलने के लिए प्रेरित किया उन्होने खेलो के प्रति सरकार के अच्छे प्रयासो की जानकारीयां दी।

रविवार को ब्रजघाट के बागडपुर मार्ग पर स्थित नेह नीड शिक्षा संस्था में श्रीरामानंद गुप्ता स्मृति खेलकूद समारोह का आयोजन किया गया। जिसमें दौड, ऊंचीकूद, लंबीकूद, गोला फेंक, भालाफेंक, आदि खेलो में भाग लेने वाले होनहार विजेता बच्चों को विधायक हरेन्द्र सिंह तेवतिया, तहसीदार राहुल सिंह आदि सम्मानित अतिथियों ने पुरुस्कृत किया। कार्यक्रम में संस्था के संस्थापक कन्हैया लाल, प्रदीप त्यागी, मनप्रति खेरा, अमित गुप्ता, सुधांशु माहेश्वरी, दिनेश गर्ग, सुधीर अग्रवाल, राजू भैया, दीपक गौड, उमेश सेनरा, हरिशंकर शर्मा आदि ने भाग लेते हुऐ सहयोग किया।

इंदिरापुरम पुलिस ने मुठभेड़ में एक लुटेरे को किया गिरफ्तार, पैर में लगी गोली

गाजियाबाद (शिखर समाचार)। थाना इन्दिरापुरम पुलिस ने मुठभेड़ में 1 अभियुक्त यामीन को गिरफ्तार किया। मुठभेड़ में यामीन को गोली लगी और उसे उपचार के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया। पुलिस ने अभियुक्त की निशानदेही पर 1 अवैध तमंचा,1 खोखा कारतूस, 1 जिन्दा कारतूस, पीली धातु की 1 टिक्की व चोरी की 1 मोटर साइकिल बरामद की। एसीपी इंदिरापुरम अभिषेक श्रीवास्तव ने बताया कि थाना इन्दिरापुरम पुलिस वसुन्धरा सेक्टर- 2ए पर चैंकिंग कर रही थी। चेकिंग के दौरान हिंडन पुल की तरफ से आ रही बिना नम्बर प्लेट की एक मोटर साइकिल पर सवार युवक को रुकने का इशारा किया गया परन्तु मोटर साइकिल सवार युवक नही रुका तथा मोटर साइकिल पर सवार युवक ने मोटर साइकिल सैक्टर 2ए ग्राउन्ड की तरफ मोड़ दी। ग्राउंड में आगे रास्ता न होने के कारण मोटर साइकिल को तेजी से पीछे मोड़ते हुए भागने का प्रयास किया तो मोटर

साइकिल का सन्तुलन बिगड़ गया और मोटर साइकिल फिसलकर गिर गई। मोटर साइकिल पर सवार व्यक्ति को पुलिस ने पकड़ने का प्रयास किया गया तो मोटर साइकिल पर सवार युवक ने अंटी से तमंचा निकाल कर जान से मारने की नियत से पुलिस पार्टी पर सीधा फायर कर दिया। पुलिस पार्टी ने भी युवक पर जवाबी फायर किया, जिससे गोली चलाने वाला बदमाश यामीन पुत्र मोबीन उर्फ मोमीन निवासी जनता मजदूर कॉलोना थाना वेलकम दिल्ली उम्र करीब 29 वर्ष के पैर में गोली लग गई और वह घायल होकर नीचे गिर गया।घायल बदमाश को इलाज हेतु अस्पताल भेजा गया और अग्रिम विधिक कार्यवाही प्रचलित है। उन्होंने बताया कि यामीन के विरुद्ध थाना इन्दिरापुरम पर चोरी व स्नैचिंग के 2 अभियोग और थाना साहिबाबाद पर लूट व स्नैचिंग से सम्बन्धित 3 अभियोग पंजीकृत है। पुलिस पूछताछ में अभियुक्त ने बताया कि उसने अपने अन्य साथी के साथ मिलकर कुछ दिन पहले प्रहलादगढ़ी इंदिरापुरम से एक महिला से चेन स्नैचिंग की थी और कुछ दिन पूर्व थाना साहिबाबाद क्षेत्र में भी चेन स्नैचिंग की वारदात को अंजाम दिया था। चेन को पिघलाकर टिक्की बना ली थी। इसके अलावा मोटर साइकिल को भी कुछ दिन पहले थाना इंदिरापुरम क्षेत्र से चोरी किया था। गाजियाबाद, नोएडा, दिल्ली एनसीआर में राह चलते लोगों से मोबाइल व चैन लूटकर दिल्ली में सस्ते दामों में बेच देता है।

सेवा पखवाड़ा: गाजियाबाद के सभी थानों से लेकर पुलिस कार्यालयों में चला विशेष सफाई अभियान

गाजियाबाद (शिखर समाचार)। स्वच्छता सेवा पखवाड़ा और आगामी त्योहारों को लेकर गाजियाबाद के पुलिस कमिश्नर जे. रविंदर गौड़ ने सभी थानों, शाखाओं, इकाइयों एवं कार्यालयों में विशेष सफाई अभियान चलाने के आदेश दिए थे। कमिश्नर के आदेश पर रविवार को गाजियाबाद के सभी थानों से लेकर पुलिस कार्यालयों में विशेष सफाई अभियान चलाया गया। इतना ही नहीं पुलिस अधिकारियों ने पुलिसकर्मियों के साथ मिलकर सफाई अभियान में श्रमदान किया। खास बात यह है कि सफाई अभियान के दौरान पुलिस परिवार ने संकल्प लिया कि स्वच्छ और स्वस्थ कार्यस्थल ही कार्यकुशलता एवं सकारात्मक वातावरण की आधारशिला है। इसी कड़ी में स्वच्छता सेवा पखवाड़ा और त्योहारों को को लेकर विशेष सफाई अभियान चलाया गया। एडिशनल कमिश्नर केशव कुमार, डीसीपी ट्रांस निमेष पाटिल, डीसीपी ग्रामीण सुरेंद्रनाथ तिवारी, एसीपी वेव सिटी प्रिया श्रीपाल सहित अन्य पुलिस अधिकारियों व कर्मचारियों ने विशेष सफाई अभियान में प्रतिभा किया। अभियान के तहत थानों, शाखाओं, इकाइयों एवं कार्यालयों में की अंदर की डस्टिंग, पेड़ पौधों की कटाई, छत की सफाई व अन्य सफाई के कार्य किए गए, जिससे एक साफ और सुंदर माहौल कार्य के लिए बनाया जा सके।

अवैध हथियार मामले में पुलिस-पड़ोसियों की भिड़ंत, दरोगा की वर्दी फटी, मुख्य आरोपी गिरफ्तार

हापुड़/गढ़मुक्तेश्वर (शिखर समाचार) सोशल मीडिया पर अवैध हथियार के साथ युवक की तस्वीर वायरल होने के बाद सिंभावली पुलिस की टीम ने गांव वैठ का दौरा किया, लेकिन वहां पहुंचते ही माहौल तनावपूर्ण हो गया। आरोपी के घर पुछताछ के दौरान उसके परिवारजन और कुछ ग्रामीण पुलिस के साथ भिड़ गए। धक्का-मुक्की और छीना-झपटी के बीच एक दरोगा की वर्दी फट गई, जबकि दो अन्य पुलिसकर्मियों के साथ भी संघर्ष हुआ।

सूचना मिलने के तुरंत बाद पुलिस टीम ने कार्रवाई करते हुए छह लोगों को नामजद करते हुए विभिन्न धाराओं में मुकदमा दर्ज किया। मुख्य आरोपी सारिक पुत्र नवाब निवासी वैठ को गिरफ्तार कर लिया गया।

पुलिस के अनुसार, वायरल फोटो की जांच के सिलसिले में टीम आरोपी के घर पहुँची थी। जैसे ही आरोपी को पुछताछ के लिए साथ ले जाने की कोशिश हुई, उसके

परिजन और कुछ महिलाएँ शामिल होकर पुलिस का विरोध करने लगीं। इस दौरान घटनास्थल पर हाथापाई, खींचतान और वर्दी फटने की स्थिति उत्पन्न हो गई।

सीओ गढ़, स्तुति सिंह ने बताया कि इस पूरे मामले की जांच की जा रही है। उन्होंने साफ कहा कि कानून को चुनौती देने वाले किसी भी व्यक्ति को नहीं बख्शा जाएगा। मुख्य आरोपी को गिरफ्तार कर लिया गया है और बाकी संदिग्धों की पहचान की जा रही है।

पुलिस ने यह भी स्पष्ट किया कि अवैध हथियार और कानून तोड़ने वाले तत्वों पर कार्रवाई लगातार जारी रहेगी। किसी भी कीमत पर कानून व्यवस्था के साथ खिलवाड़ बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।

इस घटना ने इलाके में हड़कंप मचा दिया है और लोगों में कानून का भय बनाए रखने की पुलिस की सक्रियता को लेकर चर्चा शुरू हो गई है। पुलिस का कहना है कि ऐसे मामलों में किसी को भी छूट नहीं दी जाएगी और दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी।

पुलिस कमिश्नर ने किया थाना सिहानी गेट में बनाए गए मिशन शक्ति केंद्र का निरिक्षण

गाजियाबाद (शिखर समाचार)। मिशन शक्ति के फेस 5 को परवान चढ़ाने के लिए गाजियाबाद के पुलिस कमिश्नर जे. रविंदर गौड़ खुद आगे से लीड करते हुए व्यवस्थाओं को दुरुस्त करवा रहे है। थाना सिहानी गेट परिसर में बनाए गए मिशन शक्ति केंद्र का रविवार को उन्होंने निरिक्षण किया। निरीक्षण के दौरान केंद्र पर उन्होंने सभी व्यवस्थाओं को नजदीक से परखा। निरीक्षण के दौरान उन्होंने महिला सुरक्षा, महिला सशक्तिकरण, सहायता हेतु संचालित विभिन्न योजनाएं और केंद्र पर पुलिस की गतिविधियों का निरीक्षण किया। इसी कड़ी में थाना सिहानी गेट क्षेत्र परिसर में बनाए गए मिशन शक्ति केंद्र का निरीक्षण करने के लिए पुलिस कमिश्नर पहुंचे। वहां पहुंचते ही उन्होंने केंद्र पर होने वाली एक-एक व्यवस्था का अवलोकन करना शुरू किया। सभी व्यवस्थाओं को नजदीक से परखने के बाद उन्होंने मौके पर मौजूद एसीपी नंदग्राम उपासना पाण्डेय, थाना अध्यक्ष सिहानी गेट सचिन कुमार और अन्य पुलिस कर्मियों को निर्देशित किया कि महिला शिकायतकर्ता के प्रति संवेदनशीलता और समस्या का निस्तारण करने के लिए तत्परता होनी चाहिए। गुणवत्ता के साथ महिला शिकायतकताओं की समस्या का निस्तारण किया जाए। इसके अलावा एंटी रोमियो स्क्वायड का संचालन लगातार किया जाए, जिससे मंचलो पर अंकुश लगाया जा सके। महिला बीट योजना का क्रियान्वयन लगातार क्षेत्र में हो और उसकी लगातार मॉनीटरिंग भी की जाए। इसके अतिरिक्त महिला सुरक्षा और साइबर सुरक्षा से संबंधित कार्यक्रमों का लगातार आयोजन कर जनता व महिलाओं को जागरूक किया जाए। उन्होंने मौके पर भी यह साफ संदेश दिया कि अगर किसी ने इन कार्यों में लापरवाही दिखाई तो उसके खिलाफ सख्त से सख्त कार्यवाही की जाएगी।

माता सीता की खोज व लंका दहन की लीला का मनोहारी मंचन

मुरादनगर (शिखर समाचार)। श्री आदर्श रामलीला कमेटी के तत्त्वाधान मे टंकी रोड़ पर आयोजित रामलीला महोत्सव में कलाकारों ने माता सीता की खोज व लंका दहन की लीला का मनोहारी मंचन किया।

बाली वध के बाद सुग्रीव किष्किंधा के राजा बने और अंगद को युवराज पद मिला। इसके बाद सुग्रीव वानर सेना को लेकर भगवान राम के साथ माता सीता की खोज में निकल पड़े। जामवंत जी हनुमान को उनका बल याद दिलाते है और हनुमान जी समुंद्र पार कर सीता जी का पता लगाते है। हनुमान जी ने प्रभुराम की अंगूठी दी तो माता सीता को विश्वास हुआ कि यह भगवान का भेजा हुआ दूत है। माता सीता को अंगूठी देकर हनुमान अशोक वाटिका से फल खाते है तो पूरा पंडाल जय श्री राम तथा जय हनुमान के जयकारों से गूंज उठा। हनुमान जी माली और अक्षय कुमार को मार देते है। मेघनाथ हनुमान जी को ब्रह्मपाश में बांधकर रावण के दरबार में लाता है। रावण उनकी पूंछ में आग लगाने का आदेश देता है और हनुमान सोने की लंका को जला देते हैं। लंका दहन को देखकर दर्शकों ने जय श्रीराम के जयकारे लगाए। इस अवसर पर संचालक अरविंद भारतीय, बुधप्रकाश गोयल, सुशील गोयल, अध्यक्ष विनोद धनगर, महामंत्री महेश चंद गोयल, कोषाध्यक्ष सुभाष चन्द्र गर्ग, अशोक कुमार गुप्ता,

रामकिशन बंधु, विनोद मिश्रा, एडवोकेट श्रीनिवास गोयल, कृष्णावीर जून, सुरेन्द्र सिंह वर्मा, शिव अग्रवाल, अनिल गोयल, रमन गोयल, सुरेश कंसल, वासु गुप्ता, सचित गोयल, दीपक गर्ग, प्रमोद गोयल, निशंक गोयल, अनिल कुमार, शहजाद चौधरी, त्रिवेंद्र गुप्ता, जयभगवान सिंघल, शिवकुमार गोयल, मंजू रानी, बाला अग्रवाल, शालिनी गोयल, गीता चौधरी, तनु शर्मा, मनी सेठ, वासु गुप्ता, अरुण गोयल, दामोदर गुप्ता, आदित्य गोयल, जितेंद्र कुमार, सभासद नितिन कुमार, भूपेंद्र पाल, राम अग्रवाल, महेश चंद गोयल, सुरेश पहलवान आदि सैंकड़ो गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

गाजियाबाद के समस्त ब्लॉको में मिशन शक्ति खेल स्पर्धा का हुआ आयोजन

गाजियाबाद (शिखर समाचार)। बेसिक शिक्षा विभाग, युवा कल्याण एवं प्रांतीय रक्षक दल विभाग के तत्वाधान में गाजियाबाद के समस्त ब्लॉको में मिशन शक्ति खेल स्पर्धा का आयोजन किया गया। रजापुर ब्लॉक में मुख्य अतिथि मोनिका चौधरी ब्लॉक प्रमुख, विशिष्ट अतिथि ओपी यादव जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी, भोजपुर ब्लॉक में सुचेता चौधरी ब्लॉक प्रमुख, विशिष्ट अतिथि ओपी यादव जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी ने विजेता खिलाड़ियों को पुरुस्कार देकर सम्मानित किया। लोनी ब्लाक के खेल कंपोजिट विद्यालय गढ़ी कटियया एवं मुरादनगर ब्लॉक के खेल पूर्ण ज्ञानअंजलि इंस्टिट्यूट में संपन्न कराए गए सभी ब्लॉक के विजेता खिलाड़ियों को 29 सितंबर को हिंदी भवन में प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया जाएगा। इस अवसर पर भोजपुर ब्लॉक के व्यायाम शिक्षक अरुण चौधरी, रजापुर ब्लॉक के व्यायाम शिक्षक अमित चौधरी, लोनी ब्लॉक की व्यायाम शिक्षिका मीना त्रिपाठी, मुरादनगर ब्लॉक के व्यायाम शिक्षक विनोद कुमार जिला व्यायाम शिक्षक राजकुमार, जिला व्यायाम शिक्षिका प्रीति सिंह, जिला स्काउट मास्टर रामफूल, राकेश कुमार, व्यायाम शिक्षक भोजपुर खेल अनुदेशक प्रवीण कुमार संदीप कुमार सागर, सिद्धार्थ बिंदिया, रेखा, प्रमिला, प्रीति गौड़, अरुणा त्यागी, प्रिया शर्मा, राजेंद्र, सचिन युवा कल्याण एवं प्रांतीय

रक्षक दल से आसमा गोस्वामी, नूतन, सर्वेश कुमार, सौरव यादव उपस्थित रहे। रजापुर ब्लॉक से 100 मीटर में दीया प्रथम, रूपा द्वितीय व वंशिका तृतीया। 200 मीटर में राधा प्रथम व वंशिका द्वितीय। कबड्डी में अटोर प्रथम व शमशेर द्वितीय। खो-खो में शमशेर प्रथम रहे। लोनी ब्लॉक 100 मीटर रिया प्रथम, 200 मीटर राधिका प्रथम, कबड्डी कंपोजिट विद्यालय गढ़ी कटियया प्रथम, खो-खो कंपोजिट विद्यालय बागरानप प्रथम। मुरादनगर ब्लॉक 100 मीटर महक प्रथम, 200 मीटर सना प्रथम, कंपोजिट विद्यालय मुरादनगर प्रथम, खो-खो कस्तूरबा गांधी प्रथम। भोजपुर ब्लॉक 100 मीटर अन्य प्रथम, 200 मीटर तनु प्रथम, कंपोजिट विद्यालय सारा खो-खो में प्रथम, कबड्डी में कंपोजिट विद्यालय बेगमा प्रथम। विजेता सभी खिलाड़ियों को मेडल एवं प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया गया।

योगी बोले: बिना मांगे जहन्नुम का टिकट करा देंगे

लातों के भूत बातों से नहीं मानते, दुस्साहस करोगे तो बरेली जैसा पिटोगे

संवाददाता

बरेली। जुमे पर 'आई लव मोहम्मद' को लेकर हुए बवाल पर सीएम योगी ने कहा- अराजकता कतई स्वीकार नहीं है। बिना मांगे जहन्नुम का टिकट कटवा देंगे। लातों के भूत बातों से नहीं मानते। इनको लगता है कि सरकार अब भी झुककर काम करेगी, लेकिन अब दुस्साहस करोगे तो वैसे ही पिटोगे, जैसे बरेली में पीटे गए। इन मूर्खों को पता नहीं कि आस्था को प्यार नहीं, सम्मान दिया जाता है। जिन बच्चों के हाथों में कलम होनी चाहिए, उनके हाथों में 'आई लव मोहम्मद' का पोस्टर देकर अराजकता फैला रहे हैं।उनकी जिंदगी तो बर्बाद है ही, उन बच्चों की भी बर्बाद कर रहे। सीएम ने बलरामपुर में रविवार को ये बातें कहीं। उन्होंने यहां 825 करोड़

रुपए की 124 विकास परियोजनाओं का लोकार्पण-शिलान्यास किया। इससे पहले योगी ने शक्तिपीठ देवीपाटन मंदिर में आदिशक्ति मां पाटेश्वरी के दर्शन किए। इस दौरान बच्चों को देखकर उनके पास पहुंचे। हाल-चाल जाना, चॉकलेट दी। इसके बाद सीएम ने गौशाला में गायों को चारा और गुड़ खिलाया। कुछ लोग भारत में रहते हैं, मगर गजवा-ए-हिंद का नारा देकर देश-विरोधी गतिविधियों को बढ़ावा दे रहे हैं। गजवा-ए-हिंद भारत की धरती पर नहीं होगा। यह धरती महापुरुषों की भूमि है। यह देश उन महापुरुषों के आदर्शों पर चलता है, जिन्होंने अपने प्राणों की आहुति दी। गजवा-ए-हिंद की कल्पना की तो जहन्नुम का टिकट बन जाएगा। छद्म रूप में भी जो लोग ऐसी गतिविधियों में लिप्त हैं, वे कान खोलकर सुन लें, देर-सवेर उनका भी धर्मांतरण के मास्टरमाइंड छांगुर जैसे हाल होगा। योगी ने

कहा- जलालुद्दीन ने अपना नाम छांगुर बाबा रख लिया था। इससे वह हिंदू समाज की आंखों में धूल झोंक रहा था। पापी कितना भी अपने पाप छिपाने का प्रयास करे, पाप का घड़ा भरना ही है। ऐसे लोगों को धरती माता कभी बर्दाश्त नहीं कर पाएंगी। हमें ऐसे लोगों से सतर्क रहना होगा। एक तरफ विकास लगातार हो रहा है, दूसरी तरफ कुछ ऐसे तत्व हैं जो विकास में बाधा डाल रहे हैं। वे त्योहारों में व्यवधान उत्पन्न करना चाहते हैं और अराजकता को अपना जन्मसिद्ध अधिकार मानते हैं। मैं उन्हें चेतावनी देता हूं कि अगर आप विकास में बाधा बनेंगे तो मानकर चलिए यही विकास सबसे पहले आपके विनाश का कारण बनेगा। पिछले आठ साल में कुछ नहीं कर पाए, अब नए तौर-तरीके अपना रहे हैं, जितना सोचते हैं, उसकी तुलना में हमारी तैयारी ज्यादा है। अगर त्योहारों में व्यवधान उत्पन्न करने का प्रयास किया गया तो इसकी कीमत चुकानी पड़ेगी। यह उनकी आने वाली पीढ़ियां भी याद रखेंगी। जो लोग मानते हैं कि अराजकता उनका जन्मसिद्ध अधिकार है। वो समय गया, जब सपा- कांग्रेस की सरकारें थीं, अब सीधे नरक में जाओगे।ड्रोन के नाम पर चोरी और भय फैलाकर दहशत का माहौल बनाया जा रहा है। ऐसे लोगों के खिलाफ गैंगस्टर एक्ट के तहत कार्रवाई की जाएगी और उनकी संपत्ति जब्त की जाएगी। अगर आपके आसपास कोई दहशत फैला रहा है तो पहले उसे रोको, समझाओ। वह न माने तो प्रशासन को बताइए। प्रशासन उन्हें ठोंकने का काम करेगा। लव-जिहाद, गोकशी जैसी गतिविधियों में कोई लिप्त है तो आप पुलिस तक सूचना पहुंचाइए, बाकी का इंतजाम हम स्वयं कर लेंगे।

यूपी में दशहरे पर होगी झमाझम बारिश

लखनऊ। यूपी में अब मानसून लौटने की तरफ बढ़ रहा है। आज मौसम विभाग ने पूर्वांचल के 16 जिलों में बारिश का अलर्ट जारी किया है। यहां तेज हवा भी चल सकती है। मौसम वैज्ञानिक अतुल कुमार सिंह का कहना है कि 30 सितंबर से 2 अक्टूबर तक यूपी के अधिकतर जिलों बारिश के आसार बने हैं। कहीं तेज तो कहीं हल्की बारिश होगी। लौटता मानसून झमाझम बारिश कराएगा। अक्टूबर के पहले सप्ताह में यूपी से मानसून विदा हो जाएगा। अब तक की बात करें तो देवरिया में सबसे कम महज 97 मिमी ही बारिश हुई, जो अनुमान से 87% कम है। वहीं, एटा में सबसे ज्यादा 880 मिमी बारिश हुई, जो अनुमान से 75% ज्यादा है। इस मानसून सीजन अब तक की बात करें तो यूपी में 700.2 मिमी बारिश हो चुकी है। ये मौसम विभाग के औसत अनुमान 739.8 मिमी से 5% कम है। यूपी में 1 जून से लेकर 27 सितंबर तक एटा में सबसे ज्यादा बारिश हुई। मौसम विभाग ने यहां 503.6 मिमी बारिश का अनुमान जताया था, हालांकि यहां अनुमान से 75% ज्यादा 880 मिमी बारिश हुई। इसकी वजह है कि एटा प्रदेश के मध्य-पश्चिम के हिस्से में स्थित है। यहां बंगाल की खाड़ी से आने वाली मानसूनी नमी ज्यादा गुजरती है और बारिश ज्यादा कराती है। इसके बाद संभल में 656 मिमी बारिश का अनुमान था, हालांकि अनुमान से 61% ज्यादा 1055 मिमी बारिश हुई। यूपी में 1 जून से लेकर 27 सितंबर तक देवरिया में सबसे कम बारिश हुई। मौसम विभाग ने यहां 773 मिमी बारिश का अनुमान जताया था, हालांकि यहां अनुमान से 87% कम महज 97 मिमी ही बारिश हुई। इसके बाद कुशीनगर में 738 मिमी बारिश का अनुमान था, हालांकि अनुमान से 65% कम महज 261 मिमी ही बारिश हुई।

मेरठ परिक्षेत्र में मिशन शक्ति की गूगल मीट समीक्षा, डीआईजी नैथानी ने दिए कड़े निर्देश

मेरठ (शिखर समाचार) प्रदेश सरकार के मिशन शक्ति अभियान फेज 5.0 के तहत महिलाओं और बालिकाओं की सुरक्षा, सम्मान व आत्मनिर्भरता सुनिश्चित करने के उद्देश्य से रविवार को मेरठ परिक्षेत्र में विशेष समीक्षा बैठक आयोजित की गई। पुलिस उप महानिरीक्षक मेरठ परिक्षेत्र कलानिधि नैथानी ने अपने शिविर कार्यालय से गूगल मीट के माध्यम से यह समीक्षा की। बैठक में मेरठ, बुलंदशहर, बागपत और हापुड़ जनपदों के मिशन शक्ति नोडल अधिकारी, जनपदीय मिशन शक्ति सेल तथा थानों पर स्थापित मिशन शक्ति केन्द्रों के प्रभारी जुड़े।

वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग में मेरठ से एएसपी अपराध अवनीश कुमार, बुलंदशहर से एएसपी नगर शंकर प्रसाद, बागपत से एएसपी प्रवीण कुमार और हापुड़ से एएसपी विनीत भटनागर समेत सभी मिशन शक्ति केन्द्र प्रभारी मौजूद रहे। डीआईजी ने अधिकारियों और कर्मचारियों को स्पष्ट निर्देश देते हुए कहा कि मिशन शक्ति केन्द्रों पर आने वाली प्रत्येक पीड़िता को न केवल सुनवाई मिले, बल्कि उनके पुनर्वास और मानसिक सशक्तिकरण तक हर स्तर पर सहयोग दिया जाए। प्रत्येक प्रकरण को यूनिक नम्बर आवंटित करने और 360 डिग्री काउंसिलिंग सुनिश्चित करने पर भी जोर दिया गया। उन्होंने कहा कि एन्टी रोमियो स्क्वॉड

केवल औपचारिकता पूरी न करे, बल्कि स्कूल, कॉलेज, भीड़भाड़ वाले इलाके और नवरात्रि के पंडालों में सक्रिय रहकर शोहदों पर सख्त कार्रवाई करें। मिशन शक्ति केन्द्रों को एसओपी के मुताबिक काम करने और अन्य विभागों जैसे महिला एवं बाल विकास, शिक्षा, ग्राम विकास, समाज कल्याण, परिवहन व जनसम्पर्क विभागों के साथ तालमेल बनाकर योजनाओं का लाभ जमीनी स्तर तक पहुंचाने के निर्देश दिए गए। समीक्षा में यह भी तय हुआ कि सभी थाना प्रभारी और क्षेत्राधिकारी मिशन शक्ति केन्द्रों का नियमित निरीक्षण करेंगे। यदि किसी केस में काउंसलिंग के दौरान एफआईआर दर्ज करने की जरूरत सामने आए, तो थाना प्रभारी तत्काल मुकदमा पंजीकृत करें। पीड़िताओं को फैमिली कोर्ट, वन स्टॉप सेंटर, चाइल्डलाइन और नारी संरक्षण गृह से जोड़ने पर विशेष बल दिया गया।

इसके अलावा डीआईजी नैथानी ने मिशन शक्ति के प्रचार-प्रसार को और अधिक प्रभावी बनाने पर जोर देते हुए कहा कि हेल्पलाइन नम्बर व्यापक स्तर पर प्रचारित किए जाएं, पंचायत और वार्ड स्तर पर संयुक्त टीमें बनाकर कार्यक्रम आयोजित हों और स्कूल-कॉलेजों में पम्पलेट व फोल्डर के जरिए बालिकाओं व महिलाओं को जागरूक किया जाए।

उन्होंने निर्देश दिया कि मिशन शक्ति से जुड़ी सभी योजनाओं जैसे मुख्यमंत्री कन्या सुमंगला योजना, निराश्रित महिला पेंशन योजना, राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन और वन स्टॉप सेंटर की जानकारी हर महिला तक पहुंचे। साथ ही अधिकारियों और कर्मचारियों से कहा कि शासन और मुख्यालय द्वारा जारी परिपत्र का अक्षरशः पालन करें और मिशन शक्ति को जमीनी स्तर पर परिणाममूलक बनाएं।

अस्थि विसर्जन के बाद गंगा में बहे चार लोग, गोताखोरों ने तीन को बचाया, महिला लापता

बदायूं। उझानी क्षेत्र में कछला घाट पर अस्थि विसर्जन करने के बाद गंगा में नहाते समय राजस्थान के चार लोग बह गए। उन्हें डूबता देख चीख-मचने पर जुटे गोताखोरों ने महिला समेत तीन लोगों को सुरक्षित बाहर निकाल लिया, लेकिन एक अन्य महिला का पता नहीं लग पाया। पीएसी के गोताखोरों ने लापता महिला की तलाश में खोजबीन शुरू कर दी है। हादसा कछला गंगाघाट पर रविवार सुबह करीब नौ बजे हुआ। राजस्थान के अलवर जिले के रामगढ़ थाना क्षेत्र

में सैंथली का बांस निवासी नानकराम की चाची की अस्थियां विसर्जन के लिए महिलाओं समेत एक ही परिवार के आठ लोग घाट पर पहुंचे थे। कार से आए लोगों ने पुरोहितों से मंत्रोच्चार कराकर अस्थियां विसर्जित कीं। इसके बाद गंगा में नहाते समय मंगला देवी पत्नी नानकराम, खेमचंद्र, ललिता पत्नी किशोरी लाल और गोकुलराम मीणा गहराई की ओर बढ़ गए। उसी दौरान महिलाओं समेत चारों बहने लगे। घाट पर मौजूद परिवार के अन्य लोगों ने बचाव के लिए चीख पुकार मचाई तो गोताखोर भी गंगा में कूद पड़े। स्थानीय और पीएसी के गोताखोरों ने गोकुलराम, ललिता और खेमचंद्र को सुरक्षित बाहर निकाल लिया, लेकिन मंगलादेवी (55) नजर नहीं आईं। चौकी से पुलिसकर्मी भी मौके पर पहुंच गए। पुलिसकर्मियों ने पीएसी के स्टीमर से खोजबीन शुरू करवा दी। प्रभारी निरीक्षक नीरज कुमार मलिक ने बताया कि लापता मंगला देवी का अभी तक सुराग नहीं लग पाया है। मंगला देवी के परिजनों ने पुलिस को बताया कि गंगा में गहराई अधिक होने के बाद भी संकेतक नहीं लगाए गए हैं। जल का प्रवाह भी काफी तेज है। गहराई वाले स्थानों पर संकेतक लगे होते तो श्रद्धालु उस ओर नहीं जाते। बता दें कि पुल के आसपास गंगा स्नान के दौरान पहले भी हादसे हो चुके हैं। दो साल के दौरान 25 से अधिक श्रद्धालुओं की मौत हो चुकी है।

महिला पुलिस ने दो मनचलों को पकड़ा

मुजफ्फरनगर। मिशन शक्ति 5.0 अभियान के तहत महिला पुलिस ने युवतियों से छेड़छाड़ करने वाले दो युवकों को गिरफ्तार किया है। बुढ़ाना कस्बे में शोहेल और शोएब नामक ये युवक लंबे समय से युवतियों पर फब्तियां कसते थे। प्राप्त जानकारी के अनुसार, दोनों युवक बाजार जाने वाली युवतियों को परेशान करते थे और उन पर आपत्तिजनक टिप्पणियां करते थे। उनकी हरकतों से परेशान होकर कुछ युवतियों ने बुढ़ाना थाने में लिखित शिकायत दर्ज कराई थी। शिकायत के आधार पर पुलिस ने त्वरित कार्रवाई की। शनिवार को मुखबिर से सूचना मिली कि दोनों

मनचले कस्बे में ही मौजूद हैं। इस पर बुढ़ाना महिला थाना प्रभारी और मिशन शक्ति प्रभारी ने अपनी टीम के साथ मौके पर छापा मारा और शोहेल व शोएब को पकड़ लिया। पुलिस ने दोनों युवकों के खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई की। गिरफ्तारी के बाद दोनों ने भविष्य में ऐसी हरकतें न करने की कसम खाई और माफी मांगी। मिशन शक्ति 5.0 के तहत की गई इस कार्रवाई को स्थानीय लोगों ने सराहा है।

पद्मश्री ओलंपियन मो. शाहिद के घर पर चला बुलडोजर

वाराणसी। काशी में पद्मश्री ओलंपियन मोहम्मद शाहिद के घर के एक हिस्से को रविवार को बुलडोजर से ढहाया गया। साथ ही 5 बुलडोजर से 12 मकान और दुकानें भी तोड़ी गईं। करीब 2 घंटे तक कार्रवाई चली। इस दौरान 200 जवान तैनात रहे। दंगा नियंत्रण वाहन को भी बुलाया गया था। रविवार सुबह साढ़े 12 बजे से अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई शुरू हुई। सबसे पहले दायम खान मस्जिद की आड़ में किए गए अतिक्रमण को ढहाया गया। इस दौरान भीड़ जमा हो गई थी। दरअसल, सिंधोरा से लेकर गोलघर कचहरी तक फोर लेन बनना है। इसके लिए चौड़ीकरण किया जा रहा है। 2 महीने पहले 30 से 40 मकानों और दुकानों को ध्वस्त किया गया था। PWD के एक्सईएन ने बताया- कार्रवाई

अभियान से पहले प्रशासन ने लोगों को नोटिस जारी किए थे। अब तक 71 लोगों को 3 करोड़ 52 लाख रुपए मुआवजा दिया जा चुका है। शाहिद का जन्म 14 अप्रैल 1960 को वाराणसी में हुआ। वह नौ भाई-बहनों में सबसे छोटे थे। हॉकी के प्रति उनके जुनून ने 1979 में उन्हें जूनियर हॉकी वर्ल्ड कप में पहुंचा दिया। अच्छे प्रदर्शन ने जूनियर वर्ल्ड कप खेलने के महज एक साल के अंदर ही सीनियर टीम में पहुंच गए। हॉकी के ड्रिब्लिंग मास्टर मोहम्मद शाहिद मास्को ओलिंपिक (1980), लॉस एंजिल्स ओलिंपिक (1984) और सिओल ओलिंपिक (1988) में खेल चुके थे। मास्को ओलिंपिक में मोहम्मद शाहिद के गोल ने देश को गोल्ड मेडल दिलाया था। जबकि अन्य दो ओलिंपिक में भारत को कोई पदक नहीं मिला था। ओलंपियन मोहम्मद शाहिद का निधन 20 जुलाई 2016 को दिल्ली के मेदांता

हॉस्पिटल में हुआ था। डॉ. एम फारुख ने कहा- 4 से 5 बार नापी की गई। कभी भी जद में नहीं आया है। जितना इन लोगों ने निशान लगाया था उतना हम लोगों ने पहले ही तोड़ लिया था। करीब 13 फीट हमने तोड़ लिया था। तोड़ने के बाद आकर सर्वे किया और बोले- अब नहीं टूटेगा। फिर एक लोग आए और कहा कि हम तुड़वाकर रहेंगे। हमें मस्जिद को सामने दिखाना है। हमारे डिस्पेंसरी का प्रशासन फिर से सर्वे करे। जो भी नुकसान हुआ है उसे दे। साथ ही मेरी डिस्पेंसरी फिर बनवाकर दें। मस्जिद दायम खां के दुकानदार हिसामुद्दीन का कहना है कि प्रशासन कुछ सुन नहीं रहा है। तीन फीट नापी की गई लेकिन मेरी पूरी दुकान तोड़ दी गई। एडीएम सिटी आलोक वर्मा ने कहा- रोड चौड़ीकरण का काम किया जा रहा है। जिनको हमने मुआवजा दे दिया है, वहां कार्रवाई की जा रही है। दिवंगत ओलंपियन और पद्मश्री मोहम्मद शाहिद के घर तोड़ने की कार्रवाई पर उन्होंने कहा कि उनके मकान में 9 शेयर थे। 6 लोगों ने मुआवजा ले लिया है। जबकि 3 लोगों ने स्टे कराया है तो उनके हिस्से को अभी छोड़ दिया गया है। उनके यहां काम रोका नहीं गया है। मोहम्मद शाहिद के बड़े भाई रियाजुद्दीन की पत्नी नाजनीन ने कहा- हम लोग ही इस घर में रहते हैं। सभी लोग अपना अलग घर बनवा चुके हैं। हमें तो बहुत कम मुआवजा मिला है। अब देखिए कहां जाते हैं। पद्मश्री ओलंपियन मोहम्मद शाहिद के घर भी बुलडोजर पहुंच गई है। उनका घर भी अतिक्रमण के खिलाफ कार्रवाई की जद में आ गया है। दायम खान मस्जिद के बाहर के अतिक्रमण को हटाया गया। इसमें रेस्टोरेंट, मेडिकल स्टोर, जनरल स्टोर, सिलाई केंद्र और चाय की दुकानें थी।

संक्षिप्त डायरी

पटाखा फैक्टरी में जोरदार धमाके के साथ लगी आग, तीन मजदूर बुरी तरह झुलसे, ये है हादसे का कारण

बिजनौर। नहटौर थाना क्षेत्र के गांव किशनपुर स्थित पटाखा फैक्ट्री में रविवार सुबह अचानक जोरदार धमाका हो गया। धमाका इतना भीषण था कि उसकी आवाज करीब दस किलोमीटर दूर तक सुनी गई। अचानक हुए धमाके से पूरे क्षेत्र में दहशत फैल गई और लोग अपने घरों से बाहर निकल आए। फैक्ट्री के आसपास धुएं का गुबार उठता देखा गया। स्थानीय ग्रामीणों ने घटना की सूचना पुलिस और प्रशासनिक अधिकारियों को दी। नहटौर पुलिस, फायर ब्रिगेड और प्रशासनिक अधिकारी मौके पर पहुंचे। सीओ अभय कुमार पांडे ने बताया क घटना रविवार सवेरे 7:30 बजे के आसपास की है। दो-तीन आदमियों के घायल होने की सूचना है। पटाखा फैक्टरी का लाइसेंस सीकरी बुजुर्ग निवासी भूदेव सिंह के नाम है। आशीष समेत कई घायलों को अस्पताल भेजा गया है। पूरे मामले की जांच की जा रही है। गांव सीकरी खुर्द के जंगल स्थित पटाखा फैक्टरी में बारूद में घर्षण होने के कारण तेज धमाका होने के बाद आग लगी। फैक्टरी में काम कर रहे श्रमिक आशीष व बालेश निवासी किशनपुर भोगन तथा अरुण निवासी सीकरी खुर्द झुलस गए। वहीं फैक्टरी की टीन शेड के परखचे उड़कर आसपास के खेतों में जा गिरे। मौके पर ग्रामीणों की भीड जमा हो गई। ग्रामीणों ने घटना की सूचना पुलिस को दी। पुलिस व अग्निशमन की टीम ने मौके पर पहुंचकर बामुश्किल आग पर काबू पाया। एसडीएम धामपुर व एएसपी पूर्वी ने आकर घटना की जानकारी ली और आवश्यक दिशा निर्देश दिए।

घर में चारपाई पर मिला युवती का शव, फटे हुए थे कपड़े, दुष्कर्म के बाद हत्या की आशंका

बदायूं। दातागंज क्षेत्र में घर में अकेली रह रही 18 वर्षीय युवती का शव रविवार सुबह चारपाई पर मिला। उसके गले पर रस्सी के निशान हैं। कपड़े फटे होने से उसके साथ दुष्कर्म के बाद हत्या की आशंका जताई गई है। युवती के माता-पिता की पहले ही मौत हो चुकी है। भाई नहीं है। वह चचेरे भाई व चाचा के साथ ही रहती थी। पुलिस हर पहलू पर मामले की जांच कर रही है। पुलिस के मुताबिक पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट के बाद ही हत्या की असल वजह सामने आ सकेगी। युवती के चचेरे भाई ने पुलिस को तहरीर देकर मामले की जांच कर आरोपियों पर कठोर कार्रवाई की मांग की है। बताया है कि उसके ताऊ व ताई की मौत के बाद युवती उनके ही साथ रहती थी। सिर्फ रात में वह सोने के लिए अपने घर में चली जाती थी। हर रोज की तरह वह शनिवार शाम को खाना खाने के बाद अपने घर में सोने चली गई। रविवार की सुबह परिवार के लोग खेत पर चले गए। करीब दस बजे मोहल्ले के लोगों ने उसका शव चारपाई पर पड़ा देखा तो परिजनों समेत कोतवाली पुलिस को सूचना दी। सूचना पर इंस्पेक्टर गौरव विश्नोई पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे और मामले की छानबीन की। सीओ दातागंज केके तिवारी ने मौके पर पहुंचकर घटना की जानकारी ली। पुलिस ने शव का पंचनामा भरकर पोस्टमॉर्टम को भेजा है। सीओ दातागंज के के तिवारी का कहना है कि संदिग्ध हालत में युवती का शव घर में चारपाई पर मिला है। हत्या के पीछे की क्या वजह है, इसकी पुलिस हर बिंदू पर बारीकी से जांच कर रही है। पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट के आधार पर कार्रवाई की जाएगी। जो भी दोषी होगा उसके खिलाफ कठोर कार्रवाई अमल में लाई जाएगी।

सीएम के कार्यक्रम में लंच-चाय बनाते समय लगी आग, तीन कारीगर झुलसे, घटना छिपाने में जुटे रहे अफसर

बहराइच। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के कार्यक्रम में लंच पैकेट और चाय बना रहे तीन कारीगर शनिवार को आग से झुलस गए। चाय बनाते समय गैस सिलिंडर में लीकेज से आग लग गई। इससे तीनों गंभीर रूप से झुलस गए। चौंकाने वाली बात यह रही कि मौके पर मौजूद अधिकारी और कर्मचारी उन्हें तत्काल इलाज दिलाने के बजाय घटना छिपाने की कोशिश में जुटे रहे। बताया गया कि मुख्यमंत्री के कार्यक्रम में लंच पैकेट और चाय बनाने की जिम्मेदारी सरायअली गांव निवासी सुनील सिंह को मिली थी। सुनील ने यह काम बभनन पुरवा निवासी रामविलास को सौंप दिया। राम विलास ने सगे भाई धर्मेंद्र कुमार, वीरेंद्र कुमार और उनके सहयोगी रामानंद को लंच पैकेट बनाने में लगाया। कार्यक्रम स्थल से कुछ दूरी पर एक मकान में शनिवार की दोपहर तक लंच पैकेट तैयार कर दिए गए। करीब 3.00 बजे अधिकारियों ने चाय बनाने के लिए कहा। चाय बनाने के लिए धर्मेंद्र और वीरेंद्र ने नया सिलिंडर लगाया। उसमें वाल्व न होने से गैस सीधे निकलने लगी। इससे अचानक आग लग गई। मौजूद लोगों ने आग पर तो काबू पा लिया। लेकिन, इससे पहले धर्मेंद्र, वीरेंद्र और रामानंद बुरी तरह झुलस गए। जानकारी मिली तो अधिकारियों ने बेहतर इलाज का आश्वासन तो दिया, लेकिन कार्यक्रम खत्म होते ही चुपचाप वहां से निकल गए। कुछ देर में झुलसे हुए तीनों लोगों की हालत बिगड़ने लगी। इसके बाद भी प्रशासन या ठेकेदार ने सुध नहीं ली। देर शाम स्थानीय लोगों की मदद से उन्हें बेलहरी ले जाया गया। वहां प्राथमिक इलाज के नाम पर सिर्फ इंजेक्शन लगाकर घर भेज दिया गया। समय बीतने के साथ तकलीफ बढ़ी तो परिजन उन्हें लेकर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र, फखरपुर पहुंचाया। झुलसे हुए कारीगर धर्मेंद्र और वीरेंद्र ने बताया कि हादसे के बाद ठेकेदार मौके से फरार हो गए। किसी ने उनकी मदद नहीं की। गंभीर हालत के बावजूद प्रशासन की ओर से किसी ने हाल नहीं जाना।

शराब की दुकान के सेल्समैन के घर पर आबकारी टीम ने मारा छापा

पीलीभीत। बीसलपुर कोतवाली क्षेत्र के गांव परानपुर में शनिवार की रात छापा मारने पहुंची आबकारी टीम पर महिलाओं ने हमला बोल दिया। आरोप है कि महिलाओं ने कर्मचारियों की वर्दी फाड़ने और मोबाइल फोन छीनने का प्रयास किया। छापे के दौरान घर से शराब के पौवे मिले। आबकारी टीम ने सेल्समैन और उसके घर की महिलाओं के विरुद्ध रिपोर्ट दर्ज कराई है। आबकारी निरीक्षक दीपक कुमार ने बताया कि सूचना के आधार पर टीम ने शनिवार की रात करीब 8:30 बजे कोतवाली क्षेत्र के गांव परानपुर निवासी देसी शराब की दुकान के सेल्समैन महेंद्र कुमार के घर छापा मारा। छापे के दौरान देसी शराब के 42 पौवे और 295 रुपये की नकदी मिली। आबकारी विभाग की टीम बरामद सामग्री सील कर रही थी। तभी घर की महिलाओं ने षडयंत्र रचने के क्रम में बाहर का दरवाजा बंद करने का प्रयास किया। शोर मचाया कि आबकारी टीम ने उनके घर के संदूक के ताले तोड़कर जेवर लूट लिए हैं। उनके घर डकैती डाल ली है। महिलाओं ने टीम के सदस्यों का मोबाइल फोन छीनने और उनकी वर्दी फाड़ने का प्रयास किया।

9 अक्टूबर से सभी 75 जिलों में ट्रेड शो, खादी को जन-जन तक पहुंचाने की सरकार की पहल : मंत्री राकेश सचान

ग्रेटर नोएडा (शिखर समाचार) उत्तर प्रदेश सरकार ने उद्यमियों के लिए बड़ा कदम उठाते हुए घोषणा की है कि आगामी 9 से 16 अक्टूबर तक प्रदेश के सभी 75 जिलों में आठ दिवसीय ट्रेड शो आयोजित किए जाएंगे। यह पहला अवसर होगा जब जिला स्तर पर इतने बड़े पैमाने पर कार्यक्रम होंगे। खादी एवं ग्रामोद्योग मंत्री राकेश सचान ने कहा कि इन ट्रेड शो में भाग लेने वाले उद्यमियों को निःशुल्क स्टॉल उपलब्ध कराए जाएंगे, ताकि वे अपने उत्पादों का व्यापक स्तर पर प्रचार-प्रसार कर सकें।

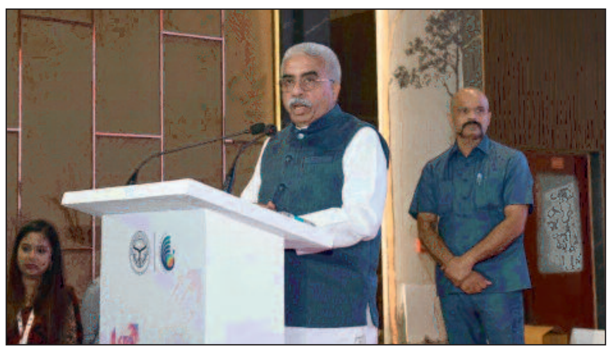

यूपी इंटरनेशनल ट्रेड शो के चौथे दिन खादी फॉर नेशन, खादी फॉर फैशन विषय पर आयोजित संगोष्ठी में मंत्री ने कहा कि खादी केवल वस्त्र नहीं, बल्कि एक विचार और जीवन शैली है। उन्होंने बताया कि जीएसटी में हालिया सुधार से एमएसएमई सेक्टर को नई ऊर्जा मिली है। पहले ऐसे शो केवल मंडल स्तर तक सीमित रहते थे, लेकिन अब सरकार ने इन्हें हर जिले तक पहुंचाने का फैसला किया है। इसमें खादी, टेक्सटाइल, ओडीओपी समेत विभिन्न क्षेत्रों के उद्यमी शामिल होंगे।

सचान ने कहा कि सरकार खादी उत्पादन और शोरूम की घटती संख्या को लेकर गंभीर है और इस दिशा में विशेषज्ञों के साथ लगातार विचार-विमर्श हो रहा है। युवाओं को खादी से जोड़ने के लिए विश्वविद्यालय परिसरों में खादी शोरूम खोलने की योजना पर भी काम हो रहा है। उन्होंने कहा कि बाजार में उपलब्ध ज्यादातर कपड़े स्वास्थ्य और पर्यावरण के लिए हानिकारक हैं, जबकि खादी पूरी तरह शुद्ध, सुरक्षित और सस्ती है। मंत्री ने बताया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में खादी को नई पहचान मिली है। प्रधानमंत्री ने खादी को डिजाइन और तकनीक से जोड़ने पर जोर दिया है, जिसका सीधा असर बाजार में दिखाई दे रहा है। उन्होंने कहा कि बीते वर्षों में खादी की बिक्री में दोगुनी से अधिक बढ़ोतरी दर्ज की गई है, जिससे यह स्पष्ट है कि खादी अब केवल परंपरा नहीं बल्कि आधुनिक युवाओं की पसंद भी बन रही है।

इन ट्रेड शो को लेकर प्रशासनिक स्तर पर तैयारी शुरू हो चुकी है और जिलों में उपयुक्त स्थानों की पहचान की जा रही है। सरकार का मानना है कि इस पहल से न केवल स्थानीय उद्यमियों को नया बाजार मिलेगा, बल्कि खादी और पारंपरिक उत्पादों को राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी नई पहचान हासिल होगी।

प्लॉट विवाद में पंचायत में चली गोलियों की झड़ी, दो गंभीर रूप से घायल

दादरी/ग्रेटर नोएडा (शिखर समाचार)। रामपुर फतेहपुर गांव में प्लॉट को लेकर चल रही पंचायत हिंसक मोड़ ले गई। रविवार को दोनों पक्षों के बीच विवाद उग्र हो गया और कहासुनी के बाद आपस में फायरिंग शुरू हो गई। गोलीबारी में अशोक के पैर और सोमेंद्र के हाथ में गंभीर चोटें आईं। घायलों को तुरंत उपचार के लिए नजदीकी अस्पताल ले जाया गया। प्रभारी निरीक्षक अरविंद कुमार ने बताया कि मामला कोतवाली दादरी क्षेत्र का है। तेजवीर फौजी और भरत सिंह के परिवार रामपुर फतेहपुर में रहते हैं। बताया गया कि भारत सिंह ने एक प्लॉट मायचा गांव निवासी विकल को बेच दिया था, लेकिन कब्जा मिलने को लेकर कई बार बातचीत विफल रही। इसी कारण पंचायत बुलाई गई थी, जो हिंसक टकराव में बदल गई। गोलियों की आवाज से पंचायत का माहौल भयावह हो गया और गांव में हड़कंप मच गया। घटना के बाद मौके पर पहुंची पुलिस ने चार लोगों को हिरासत में ले लिया है। पुलिस ने दोनों पक्षों के खिलाफ मामला दर्ज कर गहन जांच शुरू कर दी है। प्रभारी निरीक्षक ने यह भी बताया कि घटना की पृष्ठभूमि और फायरिंग में शामिल लोगों की पहचान की जा रही है। दोनों घायल अब अस्पताल में उपचाराधीन हैं और उनकी हालत स्थिर बताई जा रही है। रामपुर फतेहपुर गांव में यह घटना एक चेतावनी के रूप में सामने आई है कि जमीन या प्लॉट के विवाद अक्सर समुदाय में हिंसा का रूप ले लेते हैं। पुलिस ने गांव में शांति बहाल करने और मामले की गहनता से जांच करने के लिए अतिरिक्त कर्मियों की तैनाती कर दी है।

संघ शताब्दी वर्ष पर गौतमबुद्धनगर में अनुशासन और राष्ट्रभावना से ओतप्रोत पथ संचलन

ग्रेटर नोएडा (शिखर समाचार) विजयदशमी के ऐतिहासिक पर्व पर राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ ने अपने शताब्दी वर्ष को यादगार बनाने के लिए गौतमबुद्धनगर में अनुशासन और संगठन की झलक पेश की। रविवार को भगत सिंह नगर की उधम सिंह बस्ती और चंद्रशेखर आजाद बस्ती में भव्य पथ संचलन निकाला गया, जिसमें 179 स्वयंसेवक पूर्ण गणवेश में सम्मिलित हुए। अनुशासनबद्ध कदमताल और राष्ट्रभक्ति से भरे नारों ने पूरे क्षेत्र का वातावरण उत्साह से भर दिया।

उधम सिंह बस्ती में हुए आयोजन की अध्यक्षता समाजसेवी सूबेदार जिले सिंह ने की। इस अवसर पर नगर संघचालक शिव कुमार और नगर सामाजिक समरसता प्रमुख हरीश जी ने अपने बौद्धिक विचार साझा करते हुए संघ की कार्यपद्धति और समाज में उसकी भूमिका को विस्तार से रखा। वहीं चंद्रशेखर आजाद बस्ती के कार्यक्रम में अध्यक्षता हरियाणा कृषि विभाग से सेवानिवृत और प्रख्यात लेखक बलबीर सिंह चौहान ने की। उन्होंने कहा कि संघ का कार्य केवल संगठन तक सीमित नहीं है, बल्कि यह सनातन संस्कृति की रक्षा और समाज के संगठन की दिशा में भी सतत प्रयासरत है। मुख्य वक्ता विभाग समरसता संयोजक अजीत जी ने संघ की सौ वर्षीय यात्रा पर प्रकाश डालते हुए पंच परिवर्तन की अवधारणा के जरिए बेहतर भारत और सशक्त विश्व की परिकल्पना प्रस्तुत की। सह नगर संघचालक भानु जी ने अपने आशीर्वचन से कार्यकताओं को प्रेरणा दी। पथ संचलन के दौरान अनुशासन और एकता की ऐसी छटा देखने को मिली कि स्थानीय नागरिक भी अभिभूत हो उठे। जगह-जगह पुष्पवर्षा और स्वागत से स्वयंसेवकों का मनोबल और ऊँचा हुआ। नागरिकों ने माना कि संघ का यह शताब्दी वर्ष समाज में सकारात्मक ऊर्जा का संचार कर रहा है और युवाओं को राष्ट्र निर्माण की दिशा में प्रेरित कर रहा है। संघ शताब्दी समारोह के अंतर्गत देशभर में सामाजिक, सांस्कृतिक और राष्ट्रहित से जुड़े अनेक कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं। उद्देश्य है सेवा, समरसता और संगठन की भावना को जन-जन तक पहुँचाना और समाज को एकजुट कर देश को सशक्त भविष्य की ओर अग्रसर करना।

मीडिया मिशन था, है और आगे भी मिशन ही रहेगा : प्रो. संजय द्विवेदी

नई दिल्ली/आबू रोड (शिखर समाचार) ब्रह्मकुमारीज के अंतरराष्ट्रीय मुख्यालय में चल रहे राष्ट्रीय मीडिया सम्मेलन के दौरान आयोजित विशेष संवाद सत्र में भारतीय जन संचार संस्थान (आईआईएमसी) के पूर्व महानिदेशक प्रो. संजय द्विवेदी ने कहा कि यह धारणा बिल्कुल निराधार है कि पत्रकारिता पहले मिशन थी और अब केवल एक पेशा बनकर रह गई है। उन्होंने स्पष्ट शब्दों में कहा कि समय चाहे कितना भी बदल जाए, किसी भी विधा के मूल सिद्धांत और मूल्य कभी नहीं बदलते। कुछ लोग यदि रास्ते से भटक भी जाते हैं तो उससे पत्रकारिता की मूल्यनिष्ठ परंपरा समाप्त नहीं होती। टीवी पत्रकार बीके ज्योति से बातचीत में प्रो. द्विवेदी ने कहा कि चिकित्सा, शिक्षा और मीडिया जैसे क्षेत्र महज पेशा नहीं बल्कि मूल रूप से सेवा और मिशन की भावना से जुड़े हुए हैं। बाजार की सोच और व्यावसायिक दबाव चाहे जैसे भी हों, संवेदनशीलता, जनहित और राष्ट्रीय हित ही पत्रकारिता की असली पहचान बने रहेंगे।

उन्होंने कहा कि आजादी की लड़ाई के समय जो मूल्य भारतीय पत्रकारिता की आत्मा बने, वही आज भी उतने ही प्रासंगिक हैं। मीडिया का ध्येय सिर्फ सूचना देना नहीं बल्कि समाज के लिए मार्गदर्शन करना और लोकमंगल की भावना को जीवित रखना है। उन्होंने जोर देते हुए कहा कि लोकहित और लोकमंगल ही किसी भी विधा की कसौटी हैं और इसी में उसकी सार्थकता निहित है। प्रो. द्विवेदी ने यह भी रेखांकित किया कि वास्तविक स्वराज का सपना अभी अधूरा है। हमारा देश राजनीतिक रूप से भले ही स्वतंत्र हो गया हो, लेकिन सच्चे अर्थों में स्वराज तभी स्थापित होगा जब भारतीय भाषाओं, संस्कृति, वेशभूषा और स्वशासन की पद्धतियों को पूरा सम्मान मिलेगा। उन्होंने कहा कि पत्रकारिता का कर्तव्य केवल खबर पहुँचाना नहीं बल्कि समाज को अपनी जड़ों से जोड़ना और राष्ट्रीय चेतना को सशक्त बनाना भी है।

उन्होंने माना कि कुछ लोग मीडिया को केवल व्यापार या करियर का जरिया मानते हैं, लेकिन इससे पत्रकारिता का असली स्वरूप नहीं बदलता। उन्होंने साफ कहा कि मीडिया मिशन था, है और आगे भी मिशन ही रहेगा। मूल्य और सिद्धांत कभी समाप्त नहीं होते, बस उन्हें समझने और निभाने की आवश्यकता होती है।

रामलीला में सम्मानित हुए उत्तर प्रदेश उद्योग व्यापार मंडल के पदाधिकारी

नोएडा (शिखर समाचार) श्री राम मित्र मंडल रामलीला समिति द्वारा आयोजित सेक्टर 62 स्थित रामलीला में उत्तर प्रदेश उद्योग व्यापार मंडल के पदाधिकारियों को सम्मानित किया गया।इस दौरान व्यापार मंडल द्वारा दीप प्रज्वलित कर रामलीला की शुरूआत कराई गयी।रामलीला समिति द्वारा व्यापार मंडल के सभी पदाधिकारीयों का अंग वस्त्र पहनाकर एवं सम्मान प्रतीक देकर सम्मानित किया। व्यापार मंडल द्वारा रामलीला के इस भव्य एवं विशाल आयोजन पर अपना सनातन धर्म निभाते हुए रामलीला समिति के अध्यक्ष डी.पी. गोयल,मुन्ना शर्मा,राजेंद्र गर्ग एवं रामलीला मंचन कर रही समिति के अध्यक्ष को व्यापार मंडल की तरफ से सम्मान प्रतीक देकर इस भव्य और विशाल आयोजन के लिए शुभकामनाएं दी।इस अवसर पर अमित अग्रवाल वरिष्ठ महासचिव, नरेश बंसल कोषाध्यक्ष, राहुल भाटिया महासचिव, फूल सिंह यादव संगठन महामंत्री, वरिष्ठ उपाध्यक्ष मनोज गुप्ता, उपाध्यक्ष विक्रम सेठी, सचिव सुनील वर्मा, के.के. अग्रवाल (CA), तनवीर, डॉ जे एस बेदी, पंकज एबट्ट, प्रभात मुद्रा, नीरज समेत सभी पदाधिकारी एवं सदस्यों ने राम लीला में प्रभु श्री राम का आशीर्वाद प्राप्त किया।

राष्ट्रीय लोकदल का सदस्यता अभियान, सैकड़ों लोगों ने थामा पार्टी का दामन

नोएडा (शिखर समाचार) सेक्टर-35 स्थित सामुदायिक भवन में राष्ट्रीय लोकदल पार्टी का सदस्यता अभियान आयोजित किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि राष्ट्रीय महासचिव (संगठन) आदरणीय त्रिलोक चंद त्यागी रहे। अध्यक्षता मेरठ मंडल अध्यक्ष श्री इंद्रवीर सिंह भाटी ने की, जबकि संचालन महानगर अध्यक्ष (नोएडा) श्री विजेंद्र सिंह यादव ने किया। इस मौके पर त्रिलोक त्यागी ने कहा कि राष्ट्रीय लोकदल गरीब, किसान, मजदूर और शोषित समाज की आवाज है। उन्होंने कहा कि पार्टी आज एनडीए की सहयोगी है और नोएडा, ग्रेटर नोएडा एवं यमुना प्राधिकरण के गांवों की समस्याओं को लेकर अधिकारियों से संवाद कर उनके समाधान का कार्य करेगी। कार्यक्रम में अनेक सम्मानित लोगों ने पार्टी की सदस्यता ग्रहण की, जिनमें प्रमुख रूप से ठाकुर महिपाल सिंह उर्फ एमपी सिंह, मास्टर कविंद्र सिंह, गुलाब सिंह, एसपी सिंह, अनिल तलवार, चेतन कुमार, ललित चौहान, उदयवीर सिंह, लाल बहादुर सिंह सोलंकी, साहब सिंह तोमर, वीरेश मलिक, अशोक कुमार, संजीव कुमार, सुनील खन्ना, सत्येंद्र कुमार, प्रमोद कुमार, दीपेंद्र चौहान आदि शामिल रहे। इस अवसर पर जिला अध्यक्ष जनार्दन भाटी, पूर्व राष्ट्रीय प्रवक्ता श्रीमती सोनिका, श्रीमती रूबी जादौन, श्री सोमेंद्र अवाना, निशांत भाटी, विजय भाटी, अंशुम आनंद, ऑडी त्यागी, अमित त्यागी, तरुण कुमार, जसवीर भाटी, विनीत भाटी, श्रीमती खतीजा शेख, लक्ष्मण कुंतल, अतुल चौधरी सहित सैकड़ों कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

विश्व नदियाँ दिवस पर युवाओं की पहल : यमुना सफाई एवं जागरुकता अभियान

नोएडा (शिखर समाचार)। वाई एस एस फाउंडेशन ने आज विश्व नदियाँ दिवस के अवसर पर इंडियन ऑयल कॉर्पोरेशन लिमिटेड, भारतीय लोक प्रशासन संस्थान एवं नोएडा प्राधिकरण के सहयोग से एक भव्य यमुना सफाई एवं जागरूकता अभियान का आयोजन युवा शक्ति यमुना घाट, सेक्टर 94, नोएडा में किया। इंडियन ऑयल की 'स्वच्छता लक्ष्य इकाई' से उप महाप्रबंधक अमित कुमार विमल ने बताया कि इस अभियान का मुख्य उद्देश्य नदियों की स्वच्छता के प्रति जनमानस को जागरूक करना, स्वस्थ जीवन शैली को बढ़ावा देना तथा अब तक किए गए प्रयासों और उपलब्धियों को समाज के समक्ष प्रस्तुत करना रहा।कार्यक्रम में सैकड़ों स्वयंसेवकों, सामाजिक संस्थाओं, युवाओं और छात्रों ने सक्रिय भागीदारी की और यमुना नदी के संरक्षण का संकल्प लिया। इस अवसर पर उपस्थित विशिष्ट अतिथियों एवं विशेषज्ञों ने नदी संरक्षण की महत्ता पर प्रकाश डालते हुए सामूहिक जनसहभागिता की आवश्यकता पर बल दिया।नोएडा प्राधिकरण स्वास्थ्य विभाग से इंदु प्रकाश सिंह ने कहा कि नदियाँ हमारी जीवनरेखा हैं। यदि नदियाँ स्वच्छ रहेंगी तो हमारा भविष्य सुरक्षित रहेगा। आज का यह अभियान समाज को यह संदेश देता है कि सामूहिक प्रयासों से ही हम आने वाली पीढ़ियों के लिए एक स्वच्छ और स्वस्थ पर्यावरण सुनिश्चित कर सकते हैं।अभियान के समापन पर सभी प्रतिभागियों ने स्वच्छ और सुरक्षित नदियों के निर्माण हेतु निरंतर प्रयास करने का संकल्प लिया।आज के कार्यक्रम मे सीनियर साइंटिस्ट डॉ विवेक दीक्षित, डॉ साकेत बिहारी, उप महाप्रबंधक दुर्गा प्रसाद दुबे, यमुना कॉर्डिनेटर दिनेश कुमार,विक्रम सेठी, कीर्ति, रवि कुमार, असमी गोगोई, अजय कुमार के साथ समस्त कार्यकर्ता एवं सफाईकर्मी का सहयोग रहा।

भरत मिलाप और माता सीता हरण का भव्य मंचन रबूपुरा में

रबूपुरा/ग्रेटर नोएडा (शिखर समाचार)। कस्बे के रामोत्सव ग्राउंड में छठे दिन श्रीरामलीला का रंगारंग मंचन देखने को मिला। इस दिन की प्रमुख कथाओं में भरत मिलाप और माता सीता हरण की घटनाओं का नाटकीय प्रस्तुतीकरण शामिल था।

श्री राम कथा मंचन समिति मुरादाबाद के कलाकारों ने अत्यंत मनोहर अंदाज में यह कथा जीवंत कर दर्शकों का मन मोह लिया। मंचन में दिखाया गया कि भगवान राम अपने भाई भरत और शत्रुघ्न के साथ गुरु वशिष्ठ के मार्गदर्शन में चित्रकूट पहुंचे। यहां चारों भाइयों का मिलाप अत्यंत भावपूर्ण ढंग से प्रस्तुत किया गया। भरत ने भगवान राम से अयोध्या लौटने की विनती की, लेकिन राम ने उन्हें वहीं रहने को कहा। इसके बाद भरत ने राम की पादुकाएं लेकर उन्हें अयोध्या सिंहासन पर रखकर राज्य संभाला, जो दर्शकों के लिए भावपूर्ण क्षण बन गया। इसके पश्चात पंचवटी निवास, सूर्पणखा की नाक-कान काटना, खरदूषण वध, रावण दरबार और सीता हरण जैसी कथाओं का नाटकीय रूप में मंचन हुआ। मंचन में दिखाया गया कि पंचवटी में बैठे भगवान राम, लक्ष्मण और माता सीता को देखकर सूर्पणखा उनसे विवाह का प्रस्ताव रखती है। श्रीराम विवाह के प्रस्ताव को ठुकरा देते हैं। लक्ष्मण को शादी के लिए कहने पर वे भाई की आज्ञा के बिना शादी न करने की बात कहते हैं। इस पर क्रोधित सूर्पणखा सीता माता को अपशब्द कहती है, और लक्ष्मण उसकी नाक और कान काट देते हैं। सूर्पणखा के साथ हुए इस बर्ताव से क्रोधित होकर रावण साधु का वेश धारण कर पंचवटी पहुंचता है और छलपूर्वक माता सीता का हरण कर लेता है। इस संपूर्ण मंचन को देखकर उपस्थित दर्शक मंत्रमुग्ध हो गए।

इस अवसर पर जेवर विधायक ठाकुर धीरेन्द्र सिंह, सुधीर त्यागी, रिपु दमन सिंह, नरेश गोयल (पिंटी), किशनलाल पाराशर, नीरज गर्ग, पृथ्वी तोमर, रूपलाल कौशिक, छोटू सोनी, सुभाष सिंघल सहित कई गणमान्य व्यक्ति भी मौजूद रहे।

मंचन ने न केवल कथा के भावों को जीवंत किया बल्कि दर्शकों को धार्मिक और नैतिक संदेशों से भी परिचित कराया।

फेलिक्स हॉस्पिटल में शुरू हुआ बाइकाथॉन,डॉक्टरों ने दिया फिटनेस का मंत्र

नोएडा (शिखर समाचार)। विश्व हृदय दिवस पर रविवार सुबह फेलिक्स हॉस्पिटल्स की ओर से हार्ले डेविडसन के सहयोग से आयोजित बाइकाथॉन में सैकड़ों प्रतिभागियों ने हिस्सा लेकर दिल की सेहत को लेकर जागरुकता का संदेश दिया।फेलिक्स हॉस्पिटल सेक्टर-137 से शुरू हुआ यह आयोजन बायोडायवर्सिटी पार्क तक चला और पूरे रास्ते लोगों में उत्साह देखने को मिला।बाइकर्स का काफिला जब सड़क पर दौड़ा तो फिटनेस और स्वस्थ जीवनशैली का संदेश वातावरण में गूंज उठा।

इस मौके पर भाजपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता और सुप्रीम कोर्ट के वरिष्ठ अधिवक्ता गौरव भाटिया मुख्य अतिथि के रुप में मौजूद रहे। उन्होंने प्रतिभागियों का उत्साह बढ़ाते हुए कहा कि हृदय रोगों से लड़ने के लिए सामाजिक स्तर पर प्रयासों की जरुरत है।श्री भाटिया ने बताया कि ऐसे आयोजन न केवल लोगों को शारीरिक गतिविधियों से जोड़ते हैं बल्कि उनमें सामाजिक जिम्मेदारी और एकजुटता का भाव भी जगाते हैं।आयोजन से समाज में सकारात्मक बदलाव आता है और लोग स्वास्थ्य को लेकर सजग होते हैं।विशिष्ट अतिथि के रुप में मीडिया जगत के दिग्गज संत प्रसाद राय उपस्थित रहे।प्रतिष्ठित हार्ले डेविडसन बाइकर्स में संजीव जौली,सुभाष चोत्राणी,अजय वर्मा,संजय दावर,अरुण दावर एवं अन्य गणमान्य बाइकर्स शामिल हुए।इन सभी हार्ले डेविडसन बाइकर्स ने बाइकैथॉन में अपनी सक्रिय भागीदारी के साथ हृदय स्वास्थ्य जागरुकता अभियान को सफल बनाने में महत्वपूर्ण योगदान प्रदान किया।

योग विशेषज्ञ पूर्णिमा जोशी ने बायोडाइवर्सिटी पार्क नोएडा में जुंबा सेशन का नेतृत्व किया, जहाँ उन्होंने लोगों को विभिन्न योगासन सिखाए और हृदय स्वास्थ्य के लिए नियमित योग के वैज्ञानिक लाभों पर जागरूकता फैलाई।फेलिक्स हॉस्पिटल्स के चेयरमैन डॉ. डी.के. गुप्ता ने बताया कि आज हृदय रोग दुनिया भर में सबसे बड़ी स्वास्थ्य चुनौतियों में से एक है। इसकी रोकथाम के लिए जरूरी है कि लोग समय रहते अपनी जीवनशैली में छोटे-छोटे बदलाव करें।नियमित व्यायाम, संतुलित खान-पान और मानसिक तनाव से दूरी बनाए रखना हृदय को स्वस्थ रखने के लिए बेहद जरूरी है।मोटापा, उच्च रक्तचाप और डायबिटीज जैसी बीमारियों से बचाव के लिए दौड़ना, साइकिल चलाना और पैदल चलना जैसी गतिविधियां बेहद कारगर साबित होती हैं।रोजाना 30झ40 मिनट की मध्यम गति की दौड़ हृदय की मांसपेशियों को मजबूत बनाती है।रक्त संचार को बेहतर करती है।शुरूआत करने वालों के लिए हफ्ते में 3झ4 दिन, 15झ20 मिनट की जॉगिंग पर्याप्त है। रनिंग से ब्लड प्रेशर नियंत्रित रहता है, बुरा कोलेस्ट्रॉल (एलडीएल) घटता है और अच्छा कोलेस्ट्रॉल (एचडीएल) बढ़ता है। दौड़ने से एंडोर्फिन हार्मोन निकलता है, जो मानसिक तनाव को कम करता है। मन को प्रसन्न रखता है। अगर किसी को यदि दौड़ते समय सीने में भारीपन, सांस फूलना या चक्कर जैसी समस्या दिखे तो तुरंत डॉक्टर से परामर्श लेना चाहिए।वहीं फेलिक्स हॉस्पिटल्स की डायरेक्टर डॉ. रश्मि गुप्ता ने बताया कि इस साल आयोजन की थीम ह्लदिल की धड़कन न चूकेह्व रखी गई थी। यह संदेश हर किसी को यह याद दिलाने के लिए था कि दिल की देखभाल कोई एक दिन का काम नहीं, बल्कि रोजमर्रा की जिम्मेदारी है। हमारा उद्देश्य केवल आज का आयोजन करना नहीं है, बल्कि लोगों में यह आदत डालना है कि वह हर दिन अपनी फिटनेस और हृदय की सेहत के लिए समय निकालें। दिल की बीमारी से बचाव संभव है, बशर्ते लोग जागरूक होकर सही जीवनशैली अपनाएं।कार्यक्रम के दौरान फेलिक्स हॉस्पिटल्स की ओर से कई रोचक गतिविधियां भी कराई गईं। इनमें जुंबा, कार्डियो टॉक और क्विज ने लोगों को फिटनेस, पोषण और हृदय की देखभाल से जोड़ने का काम किया। जुंबा सत्र में बड़ी संख्या में युवाओं और महिलाओं ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। कार्डियो टॉक के दौरान विशेषज्ञ डॉक्टरों ने सरल भाषा में समझाया कि दिल को स्वस्थ रखने के लिए किन आदतों को अपनाना और किन्हें छोड़ना चाहिए।वहीं क्विज प्रतियोगिता में प्रतिभागियों ने अपने ज्ञान का प्रदर्शन किया और नई जानकारियां हासिल कीं। प्रतिभागियों के लिए रिफ्रेशमेंट की भी व्यवस्था की गई थी जिससे पूरे आयोजन का माहौल ऊजार्वान और उत्साहित बना रहा। गुरुग्राम से आए हार्ले डेविडसन बाइकर्स ने बाइकाथॉन में आकर्षण का केंद्र बनकर सभी का ध्यान खींचा। बाइकर्स ने कहा कि वे केवल बाइक चलाने के शौक को ही नहीं, बल्कि समाज के प्रति जिम्मेदारी को भी जीते हैं। आयोजन को लेकर पहले से ही लोगों में काफी उत्साह देखने को मिला। कार्यक्रम स्थल पर सुबह से ही प्रतिभागियों का जमावड़ा लगना शुरू हो गया था। नोएडा के अलावा आसपास के क्षेत्रों से भी लोग इस आयोजन का हिस्सा बनने पहुंचे।बच्चों से लेकर बुजुर्गों तक ने फिटनेस की अहमियत को समझते हुए कार्यक्रम में सक्रिय भागीदारी की।

संपादकीय

मानव स्वास्थ्य और खाद्य सुरक्षा पर खतरे की घंटी : दिल्ली का कुट्टू आटे का प्रकरण

दिल्ली में हाल ही में घटी कुट्टू आटे से जुड़ी घटना ने पूरे देश को हिला कर रख दिया है। यह मामला सिर्फ राजधानी तक सीमित नहीं है बल्कि पूरे राष्ट्र के खाद्य सुरक्षा ढांचे पर सवाल खड़ा करता है। बीते सप्ताह व्रत रखने वाले कई लोगों ने कुट्टू आटे से बने व्यंजन खाए और अचानक से उल्टी, पेट दर्द, चक्कर और गंभीर अस्वस्थता का सामना करना पड़ा। देखते ही देखते करीब दो सौ लोग अस्पतालों में भर्ती कराए गए। सौभाग्य से अब तक किसी की मृत्यु की सूचना नहीं है, लेकिन यह मान लेना कि मामला टल गया, हमारी बहुत बड़ी भूल होगी। यह घटना दरअसल हमारे देश की खाद्य निगरानी व्यवस्था की पोल खोलती है और चेतावनी देती है कि यदि हमने समय रहते कदम नहीं उठाए तो आने वाले समय में और भी बड़े हादसे हो सकते हैं।

कुट्टू आटा सामान्य दिनों में उतना प्रचलित नहीं होता लेकिन नवरात्रि और उपवास जैसे अवसरों पर इसकी मांग अचानक बढ़ जाती है। यही मांग अकसर अवैध और असुरक्षित उत्पादन को बढ़ावा देती है। बिना पर्याप्त परीक्षण और सुरक्षा मानकों की अनदेखी करते हुए बाजार में ऐसे उत्पाद उतर आते हैं जिनका सेवन सीधे-सीधे लोगों के जीवन से खिलवाड़ साबित होता है। इस बार भी यही हुआ। जनता को विश्वास था कि बाजार में बिकने वाला आटा सुरक्षित होगा, लेकिन वास्तविकता बिल्कुल उलट निकली। सवाल यह उठता है कि जब खाद्य सुरक्षा कानून देश में लागू हैं तो फिर इतने बड़े स्तर पर मिलावटी या दूषित आटा बाजार तक कैसे पहुंच गया। इसका सीधा अर्थ है कि निगरानी और नियामक तंत्र ने या तो लापरवाही बरती या फिर जानबूझकर आंखें मूंद लीं।

यह घटना केवल आटे की खराब गुणवत्ता तक सीमित नहीं है बल्कि हमारी उपभोक्ता शिक्षा और जागरूकता की कमी को भी उजागर करती है। लोग अक्सर सस्ता दाम देखकर उत्पाद खरीद लेते हैं, बिना यह जांचे कि वह किस ब्रांड का है, कहां बना है या उस पर कौन सा गुणवत्ता प्रमाणन अंकित है। यही लापरवाही बाद में स्वास्थ्य संकट में बदल जाती है। उपभोक्ताओं को यह जानकारी होनी चाहिए कि सुरक्षित खाद्य सामग्री की पहचान कैसे करें, किन बातों पर ध्यान दें और संदेह होने पर रिपोर्ट कहां दर्ज कराएं। लेकिन आज भी बहुत बड़ी आबादी इन बातों से अनभिज्ञ है।

दूसरी ओर सरकार और उसके विभागों की जवाबदेही भी जांच के घेरे में है। खाद्य सुरक्षा और मानक प्राधिकरण से लेकर स्थानीय स्वास्थ्य विभाग तक, सभी का यह दायित्व है कि वे बाजार में बिकने वाले खाद्य पदार्थों की नियमित जांच करें। प्रयोगशालाओं में समय-समय पर नमूनों की जांच होनी चाहिए। लेकिन अक्सर यह काम कागजों तक सीमित रह जाता है। जब तक कोई बड़ा हादसा न हो, तब तक विभाग हरकत में नहीं आते। और जब हादसा हो जाता है तब लीपापोती और दोषारोपण शुरू हो जाता है। यदि इस बार भी केवल कुछ अधिकारियों के निलंबन और कुछ औपचारिक बयानबाजी तक मामला सीमित रहा, तो आने वाले वर्षों में ऐसी घटनाएं और अधिक संख्या में होंगी।

इस पूरे मामले से यह भी स्पष्ट है कि हमारे देश में खाद्य प्रयोगशालाओं की संख्या और क्षमता बेहद सीमित है। हर जिले में यदि तेज और आधुनिक प्रयोगशालाएं हों तो ऐसे मामलों को समय रहते पकड़ा जा सकता है। लेकिन आज भी स्थिति यह है कि एक जांच रिपोर्ट आने में कई सप्ताह लग जाते हैं और तब तक उत्पाद हजारों लोगों तक पहुंच चुका होता है। इसके साथ ही किसानों और आटा बनाने वाले छोटे निमार्ताओं को भी स्वच्छता और गुणवत्ता मानकों की जानकारी देने की आवश्यकता है। यदि उत्पादन के स्तर पर ही सुधार हो जाए तो बाद में जांच और कार्रवाई की जरूरत कम पड़ती है।

अब सवाल यह है कि आगे क्या किया जाए।

~ मौलिक चिंतन ~

जीवन की ठोकरों को सीढ़ियां बना लेने का हुनर रखने वाला ही सच्चा विजेता होता है।

~~~~~~~~

© विनय संकोची

नवरात्रि में करणी माता मंदिर का दिव्य दर्शन : आस्था, रहस्य और विकास का संगम

विनोद कुमार सिंह

राजस्थान की धरा शक्ति-भक्ति और लोकआस्था की गवाह रही है। बीकानेर से लगभग 30 किलोमीटर दूर देशनोक स्थित करणी माता मंदिर इसी आस्था का अद्भुत प्रतीक है।स्थानीय मान्यता के अनुसार लगभग 650 वर्ष पूर्व माँ करणी का अवतरण हुआ था।उन्हें शक्ति स्वरूपा माँ दुर्गा का अवतार माना जाता है।विवाह के उपरांत उन्होंने सांसारिक मोह त्यागकर गुफा में तपस्या की और करीब सौ वर्ष तक कठोर तप कर150 वर्ष तक जीवित रहीं।करणी माता बीकानेर और जोधपुर राजघरानों की कुलदेवी हैं।बीकानेर राज्य की नींव रखने में उनका आध्यात्मिक योगदान माना जाता है।आज भी उनके चमत्कारों और आशीर्वाद की अनगिनत कथाएँ लोकजीवन में जीवित हैं।

चूहों वाला अनूठा मंदिर -यह मंदिर ह्यचूहों वाली देवीह्न के रूप में विख्यात है।संगमरमर से निर्मित इस भव्यधाम का निर्माण बीकानेर के महाराजा गंगा सिंह ने करवाया था।यहाँ लगभग 25 हजार चूहे,जिन्हें स्थानीय भाषा में काबा कहा जाता है,मंदिर परिसर में स्वतंत्र रूप से विचरण करते हैं।यह अपने आप में अनूठा और अद्भुत रहस्य है कि इतनी बड़ी संख्या में चूहों के होने के बावजूद वे न तो किसी को नुकसान पहुंचाते हैं और न ही किसी वस्तु को कुतरते हैं।ऐसी मान्यता है कि करणी माता ने अपने वंशजों को 84 लाख योनियों के चक्र से मुक्त कर दिया था।उनके निधन के बाद वे पुनः काबा के रूप में इस मंदिर में जन्म लेते हैं और फिर मनुष्य योनि पाकर वंशज के रूप में जन्म ग्रहण करते हैं।

सफेद चूहे का चमत्कार -मंदिर में सफेद और काले दोनों प्रकार के चूहे रहते हैं।किंतु यदि किसी श्रद्धालु को दर्शन के समय सफेद चूहा दिखाई दे जाए तो इसे अत्यंत शुभ माना जाता है।ऐसा होने पर भक्त की सभी मनोकामनाएं पूर्ण होती हैं और उसका जीवन सुख-समृद्धि से भर जाता है।मंदिर की एक और अनूठी परंपरा यह है कि प्रसाद सबसे पहले चूहों के सामने रखा जाता है।काबा उसे चखते हैं और तत्पश्चात वही ह्यझूठा प्रसादह्न भक्तों में वितरित किया जाता है।श्रद्धालुओं के लिए यह प्रसाद महाप्रसाद के समान पवित्र और अमूल्य माना जाता है।

नवरात्रि और विशेष आयोजन -हर वर्ष नवरात्रि के अवसर पर देशनोक में भव्य मेले का आयोजन होता है।लाखों श्रद्धालु दूर-दूर से यहां पहुंचते हैं।मंदिर में विशेष पूजा-अर्चना, भजन-कीर्तन और धार्मिक अनुष्ठानों का आयोजन होता है।आश्विन शुक्ल सप्तमी को मां करणी का जन्मोत्सव मनाया जाता है।यही कारण है कि नवरात्रि के दौरान देशनोक का वातावरण पूर्णतः -भक्तिमय हो जाता है।भक्तों की भीड़,चूहों की विचरण करती टोलियां और मंदिर का दिव्य आभामंडल एक अलौकिक दृश्य प्रस्तुत करता है।

करणी माता और सामाजिक समरसता -मुगल आक्रांताओं के समय जब भारतीय संस्कृति और सभ्यता पर संकट था,तब माँ करणी का अवतरण हुआ।उन्होंने बीकानेर और जोधपुर राज्य की नींव मजबूत की और विभिन्न जाति-समुदायों पर अपनी कृपा दृष्टि बनाए रखी।यह मंदिर आज भी सामाजिक समरसता और सांस्कृतिक एकता का जीवंत उदाहरण है।

देशनोक अमृत भारत स्टेशन : विकास का नया अध्याय -धार्मिक आस्था और सांस्कृतिक धरोहर के साथ-साथ अब देशनोक तेजी से विकास की ओर भी अग्रसर है। विगत 22 मई को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बीकानेर में 24 करोड़ रुपये की लागत से बने देशनोक अमृत भारत स्टेशन का उद्घाटन किया।यह स्टेशन न केवल यात्रियों को आधुनिक सुविधाएं उपलब्ध कराता है,बल्कि करणी माता मंदिर आने वाले लाखों श्रद्धालुओं के लिए भी एक वरदान है। अमृत रेलवे स्टेशन देशनोक का भव्य रूप,विस्तृत परिसर, - 24 करोड़ की रेलवे पुर्नः उद्धार कार्यक्रम के अन्तर्गत इस रेलवे स्टेशन में आधुनिक प्रतीक्षालय और यात्री सुविधाएं क्षेत्रीय पर्यटन व धार्मिक यात्राओं की यात्रियों के लिए इस अमृत भारत रेलवे स्टेशन अधिक सुलभ बना रही हैं।

प्रधानमंत्री मोदी ने उद्घाटन से पहले स्वयं करणी माता मंदिर पहुंचकर दर्शन-पूजन किया था।यह घटना इस मंदिर की आध्यात्मिक महत्ता और देशव्यापी पहचान को और भी सशक्त बनाती है।

आस्था और आधुनिकता का संगम

करणी माता मंदिर आज भी आस्था, रहस्य और चमत्कार का केंद्र है। चूहों की अनगिनत उपस्थिति, सफेद चूहे की दुर्लभ झलक,भक्तों का अटूट विश्वास और मां के चमत्कार इस मंदिर को अद्वितीय बनाते हैं।

साथ ही,अमृत भारत स्टेशन जैसी विकास परियोजनाएं यह प्रमाणित करती हैं कि यह पावन धाम केवल धार्मिक महत्व ही नहीं, बल्कि आधुनिक भारत के प्रगतिशील स्वरूप का भी प्रतीक बन रहा है।

नवरात्रि के पावन अवसर पर देशनोक करणी माता मंदिर का दर्शन भक्तों के लिए जीवन का अविस्मरणीय अनुभव है।यह धाम जहां दिव्य आस्था का प्रतीक है,वहीं अब विकास की नई राह भी खोल रहा है।आस्था और आधुनिकता का यह अद्वितीय संगम भारत की उस सांस्कृतिक धरोहर को उजागर करता है,जो सदियों से जनमानस को प्रेरित करती रही है।

(स्वतंत्र पत्रकार)

(यह लेखक के व्यक्तिगत विचार हैं इससे संपादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है)

लेह हिंसाः संवाद से समाधान तक

ललित गर्ग

केंद्रशासित प्रदेश लद्दाख को राज्य का दर्जा देने और संविधान के अंतर्गत विशेष संरक्षण देने वाली छठी अनुसूची में शामिल करने के लिए चल रहे आंदोलन का हिंसक एवं विध्वंसक होना, विरोध प्रदर्शन, पुलिस के साथ झड़प और आगजनी की घटनाएं दुर्भाग्यपूर्ण होने के साथ-साथ चिंताजनक हैं। बड़ी संख्या में प्रदर्शनकारी एकत्र हुए और उन्होंने लेह में भाजपा के कार्यालय में आग लगा दी और उसके बाहर खड़े वाहनों को फूंकदिया। आम तौर पर शांत रहने वाले प्रदेश में यह बड़ी घटना है।

दरअसल, पर्यावरणविद् और सामाजिक कार्यकर्ता सोनम वांगचुक दो सप्ताह से अनशन पर थे, उनके साथ अन्य कार्यकर्ता भी अनशनरत थे, जिनकी तबीयत बिगड़ने से जन-आक्रोश एवं हिंसा भड़की। एक ओर यह घटना जनता के असंतोष और बेचैनी को उजागर करती है, वहीं यह संकेत भी देती है कि लंबे समय से किए जा रहे वादे और आश्वासन क्यों अधूरे रह गए और क्यों स्थानीय लोग स्वयं को असुरक्षित महसूस करने लगे हैं?

सरकार ने अगस्त, 2019 में अनुच्छेद 370 और 35ए के प्रावधान हटाने के साथ ही जम्मू-कश्मीर से अलग कर लद्दाख को केंद्रशासित प्रदेश बनाया था। तब वादा किया था कि हालात सामान्य होते ही पूर्ण राज्य का दर्जा बहाल कर दिया जाएगा। लोगों ने सोचा था कि अब उनकी पहचान, संस्कृति, स्थानीय अधिकार और अधिक सुरक्षित होंगे। लेकिन इसके विपरीत उनकी आशंकाएं बढ़ीं। उन्हें लगा कि संघ शासित प्रदेश के रूप में दिल्ली से संचालित प्रशासन स्थानीय जरूरतों और आकांक्षाओं को पूरा करने में असफल हो रहा है। इसी कारण 6 साल बाद लोगों का भरोसा डगमगाने लगा। इसी के चलते सोनम को अहिंसक आन्दोलन का रास्ता अख्तियार करना पड़ा जो कतिपय कारणों से हिंसक हो गया।

हालांकि, हिंसा के बाद वांगचुक ने अनशन त्याग कर आंदोलनकारियों से शांति की अपील की है। उन्होंने कहा है कि इस तरह की हिंसा से शांतिपूर्ण आंदोलन का संदेश विफल हो गया। युवा गलत रास्ते पर जाएंगे तो इससे हमारे वास्तविक उद्देश्य गुम हो जाएंगे। वाकई, लद्दाख के संयमी समाज को संवेदनशीलता का परिचय देना चाहिए। वांगचुक का पूरा आंदोलन अहिंसक रहा है। सरकार से मतभेद होने पर भी उन्होंने बातचीत का रास्ता नहीं छोड़ा। उनके समर्थन में खड़े युवाओं को इसे समझना चाहिए। हिंसा से समस्या जटिल हो जाएगी। लद्दाख की जो भौगोलिक स्थिति है, उसे देखते हुए वहां के लोगों को कानून-व्यवस्था के प्रति विशेष रूप से सजग रहना चाहिए। लद्दाख का केंद्रशासित प्रदेश बनना नये सूरज का उदय होना है। इस क्षेत्र को कश्मीर घाटी के वर्चस्व से मुक्ति मिली थी।

लद्दाख के लोग चाहते हैं कि उन्हें पूर्ण राज्य का अधिकार मिले। उनकी यह भी मांग है कि उन्हें संविधान की छठी अनुसूची में शामिल किया जाए। रोजगार के अवसरों की कमी और सरकारी नौकरियों में स्थानीय युवाओं की उपेक्षा ने उनके असंतोष को और गहरा किया है। लेह और कारगिल के बीच प्रतिनिधित्व को लेकर भी सवाल उठते रहे हैं। निस्संदेह, लेह चीन की सीमा से लगा सुरक्षा की दृष्टि से संवेदनशील क्षेत्र है, जिसके मुद्दों को प्राथमिकता के आधार पर सुलझाया जाना जरूरी है। युवा बेरोजगारी भी बड़क्ष मुद्दा रही है। स्थानीय युवा अब कर्मचारी चयन आयोग की स्पर्द्धा में टिक पाने में दिक्कत महसूस करते हैं। स्थानीय नौकरियों में युवाओं के लिए विशेष अभियान भी नहीं चला जिससे प्रदेश में खासा रोष रहा है।

लद्दाख की जनता में असुरक्षा की भावना इसलिए भी है क्योंकि उन्हें लगता है कि उनकी भूमि और संसाधनों पर बाहरी दखल बढ़ रहा है। स्थानीय प्रशासनिक संस्थाएं जैसे हिल डवलपमेंट काउंसिल्स कमजोर कर दी गई हैं, और महत्त्वपूर्ण फैसले केंद्र के हाथ में केंद्रित हो गए हैं। इससे यह भावना गहराती है कि स्थानीय समाज की आवाज को दबाया जा रहा है। लद्दाख की जनता चाहती है कि उनके अधिकारों को संवैधानिक गारंटी मिले, उनके संसाधनों की सुरक्षा हो और निर्णय प्रक्रिया में उनकी भागीदारी सुनिश्चित हो। यदि सरकार ने पहले जो आश्वासन दिए थे, उन्हें समयबद्ध और स्पष्ट तरीके से लागू कर दिया जाता तो शायद स्थिति यहां तक न पहुंचती।

(लेख में व्यक्त विचार निजी हैं)

खौफजदा हैं आपदा की त्रासदी के दृश्य, सुरक्षित करना होगा भविष्य

नरेन्द्र भारती वरिष्ठ

सरकार को चाहिए कि आपदा से बचाव के लिए प्रत्येक विभाग के कर्मचारियों को पूर्वाभ्यास करवाया जाए ताकि समय पर काम आ सके।पुलिस व अग्शिमन के कर्मचारियों को भी समय -समय पर ऐसे आयोजन करते रहना चाहिए।अगर सभी लोग आपदा से बचाव के तरीके समझ जाएगें तो तबाही कम हो सकती है। प्रकृति के प्रकोप से बचना है तो हमें अपनी जीवन शैली बदलनी ही होगी,छेड़छाड़ बंद करनी होगी।अगर अब भी मानव ने प्रकृति पर अत्याचार बंद नहीं किया तो प्रकृति अपना बदला लेती रहेगी और मानव को सबक सीखाती रहेगी।

आपदा की त्रासदी के दृश्य बहुत ही खौफजदा हैं भविष्य को सुरक्षित करना होगा। आपदा से सबक सीखने होगें तभी असमय होने वाली बाढ़ की घटनाओं को रोका जा सकता है। देवभूमि हिमाचल में ये आपदाओं की घटनाएं नई नहीं हैं सदियॉ गवाह हैं कि पहले भी देवभूमि में भयंकर आपदाऐं आती थी तबाही लाती थी लेकिन मानवीय तबाही नहीं होती थी क्योंकि तब आबादी कम थी गिने चुने कच्चे घर होतें थे जमीनें खाली थी पानी की निकासी आसानी से होती थी।प्रदेश में कंक्रीट के जंगल बन रहे हैं।जल इक्कठा होने से जलप्रलय होता है और जनजीवन अस्त व्यस्त हो जाता है।अवैध खनन से खडडों का स्वरुप बदल गया है। हर जगह नदी नालों के किनारे मकानों का निर्माण हो गया है। खनन हो रहा है फोरलेन के लिय पहाड़ों को अवैज्ञानिक तरीके से काटा जा रहा है।प्रकृति से अंधाधुध छेड़छाड़ हो रही है।नदियां अपना रास्ता बदल रही है और बेहिसाब तबाही मचा रही हैं।छोटे छोटे नाले भी तबाही मचा रहे है। बरसात के पानी की निकासी अवरुद्व होती जा रही है नतीजन तबाही होना स्वाभविक है। बीते सालों 2018 , 2022, 2023, 2024, में हुई तबाहीयों के जख्म अभी तक नहीं भर पाए हैं चार वर्षों से तबाही ही तबाही हो रही है। गत वर्ष 2024 में आनी के निरमंड में बादल फटने से समेज गांव में बहुत त्रासदी हुई जहां 45 लोग बेमौत मारे गए थे । 2025 में सैंज के पंग्लीयूर में एक ही परिवार के नौ लोग मारे गए है।आनी में भी एक ही परिवार के आठ लोग मकान के जमींदोज होने से जिंदा दफन हो गए। 2025 की बेरहम बरसात हिमाचल को गहरे व अमिट जख्म दे गई।जख्म तो भर जाएंगें मगर निशान अमिट रहेगें। प्रतिवर्ष मानवीय त्रासदियां हो रही हैं 2025 की बरसात सदियों तक याद रहेगी।सराज से शुरू हुए बरसात का आगाज का बहुत ही खौफनाक अंजाम हर जिला भुगत रहा है। 30 जून 2025 से लेकर 20 सितंबर तक बरसात का कहर बरपता रहा अभी कहीं कहीं छिटपुट बरसात हो रही है। सितंबर 2025 तक, हिमाचल प्रदेश में मानसून के कारण 46 बादल फटने, 98 अचानक बाढ़ और 146 बड़े भूस्खलन की घटनाओं में कम से कम 424 लोगों की मौत हुई है और लगभग 481 लोग घायल हुए हैं। प्रदेश को 4500 करोड़ से अधिक का नुकसान हुआ है और 15022 संरचनाओं को क्षति हुई है, जिसमें 1502 घर पूरी तरह से क्षतिग्रस्त हुए हैं।लाचता हुए लोग अभी तक नहीं मिल रहे हैं। भयावह त्रासदी के बाद अब जीवन पटरी पर लौटने लगा है। त्रासदी में खोये अपनों के गम में रात दिन रोते रहे लोगों की आखों के आंसू सूख चुके हैं आखें पथरा गई हैं क्योकि आखों के सामने सब उजड़ गया आशियाने उजड़ चुके हैं। अपनों को खोने का गम क्या होता है यह वही जान सकता है जिसने आखों के सामने अपनों को बहते देखा हो। तिनका तिनका बिखरा है अब मुआबजा मिलेगा तभी नए आशियाने बन सकते हैं। उम्र भर की पसीने की कमाई से बनाए घर तबाह हाक गए। पल भर में सब तबाह हो गया आलिशान आशियाने मिटटी में मिल गए अब मलवे के ढेर ही बचे हैं। जो बीत गया है वह बीत गया अब आपदा से बचने के लिए नदी नालों के किनारे निर्माण पर पूर्ण पावदीं लगानी होगी ताकि जीवन बच सके ।नये सिरे से जीवन शुरू करना होगा तबाही का मंजर याद आता है तो आत्मा सिहर उठती है। हिमाचल में किन्नौर से लेकर भरमौर तक बरसात का कहर जारी रहा।सैंकडों लोग असमय ही काल के गाल में समा गए।देवभूमि में प्रकृति ने काफी खौफनाक तांडव किया।अगस्त से सितंबर तक बरसात ने खौफनाक रौद्र रुप दिखाए है।बरसात जिंदगियां लील रही है।सैंकडों लोग मौत के आगोश में समा चुके है।आशियाने जमींदोज हो चुके हैं।बरसात ने लोगों को एक बार फिर रौद्र रुप दिखाकर तबाही का मंजर दिखाया।बरसात में कहीं भूस्खलन हो रहा था तो कहीं पहाड़ दरक रहे थे।इस विनाशकारी प्रकृति के कहर से जनमानस खौफजदा था। प्रदेश की संडकें धंस रही थी।गांड़ियां फिसल रही थी मकान जमीदोज हो रहे थे परिवार के परिवार खत्म हो रहे थे। चारों तरफ चीत्कार मची हुई थी। मानसून का कहर लोगों को मौत गया हिमाचल प्रदेश को अब तक करोडों का नुक्सान हो चुका है।मानसून के कारण हुई दुर्घटनाओं में अब तक काफी लोग अपनी जान गंवा चुके है व लोग घायल हुए हैं।मौतों से हर हिमाचली गमगीन है। भूस्खलन व बरसात के कहर से प्रदेश में अब तक काफी लोग मारे जा चुके प्रदेश में हर जिला में लोगों के कच्चे व पक्के मकान जमींदोज हो चुके है।कुल्लु ,मण्डी व किन्नौर में भी काफी नुक्सान हुआ है।प्रकृति ने एक बार फिर अपना तांड़व मचाया है। इससे पहले हिमाचल में प्रकृति के कहर से हजारों लोग मारे जा चुके हैं।बरसात में प्रदेश में कई भीषण त्रासदियां हो चूकी है। कहीं मकानों के ढहने से बच्चे मारे गए तो कहीं सैंकडों पशुओं की दबकर मौत हो गइ हैं।दर्जनों लोग पानी में बह गए और करोडों की संपति तबाह हो गई। पहाड के मलवे की चपेट में आने से काफी जानमाल का नुक्सान हो रहा है।प्रकृति की इस विभिषिका में हजारों लोग अपंग हो गए है बच्चे अनाथ हो जाते है लाशे मलवे में दफन हो गई है।किन्नौर से भरमौर तक पहाड़ दरकने से लोग खौफजदा हैं।कहते है कि प्राकृतिक आपदाओं को रोक तो नहीं सकते परन्तु अपने विवेक व ज्ञान से अपने आप को सुरक्षित कर सकते है। हादसों व आपदाओं से न तो लोग सबक सीखते है और न ही सरकारें सबक सीखती हैं।कुछ दिन सरकारी अमला औपचारिकता निभाता है और उसके बाद अगली घटना तक कोई कारगर उपाय नहीं किए जाते। सरकारो को इस आपदाओं पर मंथन करना चाहिए तथा शिविर लगाकर महानगरों, शहरों व गांवो के लोगों को जागरुक किया जाए। तभी तबाही से बचा सकता है।प्रदेश में प्राकृतिक आपदाओं का कहर थमने का नाम नहीं ले रहा है। प्रकृति का कहर अनमोल जिन्दगीयां लील रहा है। पूरे राज्य में बरसात से त्रासदी हो रही है। भीषण बाढ़ के चलते आधे से ज्यादा इस बारिश में अब तक दर्जनों लोगों की असमय मौत हो चूकी है। हिमाचल में भी बरसात का कहर रौद्र रुप दिखा रहा है। बीती त्रासदियों से सबक सीखा जाए तो आने वाले भविष्य को सुरक्षित कर लिया जा सकता है। सरकार को चाहिए की प्रत्येक गांव से लेकर शहरो तक आपदा प्रबंधन कमेटियां गठित करनी चाहिए जिसमें डाक्टर नर्स व अन्य प्रशिक्षित स्टाफ रखना चाहिए ताकि व त्वरित कारवाई करके लोगों को मौत के मुंह से बचा सके ।अक्सर देखा गया है कि जब तक आपदा प्रबंधन की टीमें घटना स्थनों पर पहुचती है तब तक बची हुई सासें उखड़ जाती है लाशों के ढेर लग जाते है। अगर समय पर आपदा ग्रस्त लोगों को प्राथमिक सहायता मिल जाए तो हजारों जिदंगियां बचाई जा सकती हैं। प्राकृतिक आपदाओं से निपटने के लिए सरकार को कालेजों व स्कूलों में भी माकड्रिल जैसे आयोजन करने चाहिए ताकि अचानक होने वाली आपदाओं से अपना व अन्य का बचाव किया जा सके।स्कूलो व कालेजों मे चल रहे राष्ट्रज्जीय सेवा योजना व स्काउट एंड गाइड के स्वंयसेवियों को आपदा से निपटने के लिए पारगंत किया जाए।अगर यही स्वयसेवी अपने घर व गांवों में लोगों को आपदा से बचने के तरीके बताए तो काफी हद तक नुक्सान को कम किया जा सकता है। सरकार को चाहिए कि आपदा से बचाव के लिए प्रत्येक विभाग के कर्मचारियों को पूर्वाभ्यास करवाया जाए ताकि समय पर काम आ सके।पुलिस व अग्शिमन के कर्मचारियों को भी समय -समय पर ऐसे आयोजन करते रहना चाहिए।अगर सभी लोग आपदा से बचाव के तरीके समझ जाएगें तो तबाही कम हो सकती है। प्रकृति के प्रकोप से बचना है तो हमें अपनी जीवन शैली बदलनी ही होगी,छेड़छाड़ बंद करनी होगी।अगर अब भी मानव ने प्रकृति पर अत्याचार बंद नहीं किया तो प्रकृति अपना बदला लेती रहेगी और मानव को सबक सीखाती रहेगी।
~~~~~~~~

जानकारी

क्या आप वाकई में जानते हैं कंघी करने का सही तरीका?

अपनाएं ये टिप्स कभी नहीं झड़ेंगे बाल

आपकी खूबसूरती में चार चांद लगाने में आपके लंबे घने बालों का बहुत बड़ा हाथ होता है। खूबसूरत काले घने बालों की ख्वाहिश हर किसी की होती है, पर कई बार अनजाने में की गई कुछ गलतियों की वजह से आपके बाल रूखे और बेजान होकर समय से पहले ही पतले और बेजान हो जाते हैं। इन्हीं गलतियों में से एक गलती है बालों में गलत तरह से कंघी करना, जिसकी वजह से बालों के झड़ने की समस्या उत्पन्न होने लगती है। तो आइए, जानते हैं आखिर क्या है बालों को कंघी करने का सही तरीका, जिसकी मदद से आप भी पा सकते हैं स्वस्थ घने लंबे बाल।

आजकल की भागदौड़ और स्ट्रेस भरी जिंदगी में लोग सोचते हैं कि स्ट्रॉन्ग और सिल्की बालों के लिए अच्छा शैंपू, कंडिशनिंग और ऑयल का इस्तेमाल काफी रहता है। पर क्या आप जानते हैं बालों की सेहत बनाए रखने में बालों की एक्सरसाइज का भी बहुत बड़ा हाथ होता है।

कंघी से होती है बालों की एक्सरसाइज

अच्छी क्वालिटी के शैंपू, कंडिशनिंग और ऑयल के साथ कंघी करने के सही तरीके से भी आप अपने बालों की ग्रोथ को अच्छा कर सकते हैं। कंघी बालों की एक तरह की एक्सरसाइज होती है। सही तरह से कंघी करने से सिर में ब्लड सर्कुलेशन इंप्रूव होता है।

दिन में इतनी बार करें बालों में कंघी

हेयर स्टाइलिस्ट अक्सर लोगों को ये सुझाव देते हैं कि पूरे दिन में कम से कम 3 से 4 बार कंघी करने से बालों को फायदा पहुंचता है, लेकिन कंघी करते समय इस बात का ध्यान रखना बेहद जरूरी है कि कंघी बालों के सिरों तक पहुंचनी चाहिए। ऐसा करने से सिर का ब्लड सर्कुलेशन इंप्रूव होने से बालों की ग्रोथ अच्छी होती है।

बालों की सेहत बनाए रखने के लिए ऐसे करें कंघी

बालों की सेहत बनाए रखने के लिए सीधे कंघी करना सबसे अच्छा रहता है। ऐसा करने से बाल मजबूत बनने के साथ उनकी ग्रोथ भी अच्छी होती है। इसके अलावा रोजाना इस तरह कंघी करने से व्यक्ति को दो मुंहे बालों की समस्या से भी जल्द छुटकारा मिल जाता है। यदि आपके बाल अक्सर रूखे रहते हैं तो कंघी करने से पहले बालों में सीरम लगाकर पहले उन्हें मुलायम बना लें। ऐसा करने से भी आपके बाल नहीं टूटेंगे।

क्या हाई ब्लड प्रेशर हमेशा बुरा होता है

जानिए ब्लड प्रेशर से जुड़े 5 बेहद जरूरी सवालों के जवाब

हाई ब्लड प्रेशर सुनते ही इससे होने वाली तरह-तरह की बीमारियां आंखों के सामने आ जाती हैं, किंतु आपने कभी सोचा है कि यह सेहत के लिए फायदेमंद भी हो सकता है? जर्मनी में बर्लिन की चैरिट यूनिवर्सिटी ने इस पर अध्ययन किया तो चौंकाने वाले नतीजे सामने आए। शोधकर्ताओं के अनुसार, बुढ़ापे में हाई ब्लड प्रेशर कई तरह से फायदेमंद होता है। 80 साल से ज्यादा उम्र के जिन लोगों में हाई ब्ल्ड प्रेशर होता है, वो लो ब्लड प्रेशर वालों से ज्यादा जिंदा रहते हैं। यूरोपियन हार्ट जर्नल में प्रकाशित इस रिपोर्ट के अनुसार, अध्ययन 2009 में शुरू हुआ था। तब इसमें शामिल लोगों की उम्र 70 वर्ष या अधिक थी। अब उनकी उम्र 80 वर्ष या इससे अधिक है। हर दो साल में इन लोगों के सेहत की जांच की गई।

अनुसंधानकर्ताओं ने पाया कि 80 वर्ष से अधिक आयु के जिन लोगों का रक्तचाप कम (140/90 मिमी एचजी या इससे कम) था, उनकी मृत्यु दर अधिक रक्तचाप वालों से 40 प्रतिशत अधिक थी। यहां तक कि जिन बुजुर्गों में पहले हार्ट अटैक या स्ट्रोक आ चुका है, उनको भी हाई ब्लड प्रेशर का लाभ मिला है।

रिसर्चस की टीम इस बात पर भी जोर देती है कि 140/90 मिमी एचजी से कम रक्तचाप वाले लोगों में उन लोगों की तुलना में मृत्यु का जोखिम 61 प्रतिशत अधिक था, जो ब्लड प्रेशर कंट्रोल करने की दवाएं ले रहे हैं, फिर भी यह कम नहीं है।

जानिए, सेहत के लिए कितना नुकसानदायक है ब्लड प्रेशर

ब्लड प्रेशर सेहत के लिए कितना नुकसानदायक है? उच्च रक्तचाप या हाई ब्लड प्रेशर हर साल लगभग 10 मिलियन भारतीयों को अपना शिकार बनाता है। यदि यह स्थिति लंबे समय तक रहे और दवाओं के बावजूद नियंत्रित न हो तो धमनियों को नुकसान पहुंच सकता है। धमनियां सिकुड़ जाती हैं, जिसका असर रक्त के प्रवाह पर पड़ता है, जिससे स्ट्रोक और हार्ट अटैक जैसी गंभीर बीमारियां हो सकती हैं।

ब्लड प्रेशर की जांच कब करनी चाहिए?

एम्स के डॉ. नबी वली के अनुसार, यदि आप घर पर ब्लड प्रेशर की जांच करते हैं तो यह जानना जरूरी है कि दिनभर में ब्लड प्रेशर में काफी उतार-चढ़ाव आता है। इसलिए दिनभर में 5-6 बार इसे मापना चाहिए। वैसे दवाई लेने से पहले ब्लड प्रेशर की जांच जरूर करना चाहिए।

क्या हाई ब्लड प्रेशर हो तो एक्सरसाइज करना चाहिए?

विभिन्न अध्ययनों से पता चलता है कि व्यायाम न केवल आपके ब्लड प्रेशर को स्वाभाविक रूप से कम कर सकता है, बल्कि अन्य कई तरह से अच्छे स्वास्थ्य में मदद करता है। अक्सर लोग इस बात को लेकर उलझन में रहते हैं कि हाई ब्लड प्रेशर के दौरान उनको व्यायाम करना चाहिए या नहीं? जवाब है- हाई ब्लड प्रेशर से पीड़ित होने पर नियमित रूप से व्यायाम करना बिल्कुल भी बुरा नहीं है। वास्तव में, कार्डियोवस्कुलर या एरोबिक एक्सरसाइज ब्लड प्रेशर के स्तर को कम करने और हार्ट को मजबूत बनाने में मदद कर सकते हैं।

क्या शराब के सेवन से ब्लड प्रेशर बढ़ता है?

शराब और हाई ब्लड प्रेशर का सीधा संबंध है। जितनी अधिक शराब, उतना ज्यादा ब्लड प्रेशर। जो लोग एक दिन में तीन या इससे अधिक गिलास शराब का सेवन करते हैं, उनकी जान जोखिम में है।

दिन में सोने से बीपी बढ़ता है या कम होता है?

दिन में एक छोटी सी झपकी फायदेमंद बताई गई है और ब्लड प्रेशर को लेकर भी यही बात है। दिन में झपकी लेने से ब्लड प्रेशर को लो रखने में मदद मिलती है। इसके साथ ही हार्ट संबंधी अन्य बीमारियों की आशंका भी कम होती है, लेकिन ध्यान रहें कि ज्यादा देर की नींद नुकसानदायक हो सकती है।

सेहत

गुणों का भंडार है लहसुन, कैसे करें इसका सेवन?

पुराने समय में मिस्र के लोग सेहत को चुस्त-दुरुस्त रखने के लिए रोज लहसुन खाया करते थे। आज के शोधकर्ता भी इस बात से सहमत हैं कि लहसुन बढ़े स्तर पर एक एंटीबायोटिक का काम करता है। यह बैक्टीरिया-रोधी, फफूंद-रोधी, परजीवी-रोधी व वायरस-रोधी है। आइए जानते हैं कि लहसुन को अपने आहार में शामिल करने के क्या फायदे हैं?

दिल और फेफड़ों के लिए जरूरी

दिल संबंधी तंत्र के लिए लहसुन जादुई काम करता है। रक्त में कोलेस्ट्रॉल की मात्रा कम करने में यह खास प्रभावकारी है। लहसुन सीने की जकड़न में और सर्दी-जुकाम से राहत देने में असरदार रहता है। यह सीने की अन्य समस्याओं में भी राहत देता है।

कैंसर-रोधी है लहसुन

पशुओं पर किए गए कई प्रयोगों में यह बात सामने आई है कि लहसुन में ट्यूमर-रोधी गुण भी होते हैं। ब्रेस्ट कैंसर के संदर्भ में चूहों पर हुए प्रयोगों में पाया गया कि उन्हें ताजे लहसुन से अपने कैंसर से लड़ने में मदद मिली। लहसुन का उपयोग नपुंसकता और यौन कमजोरी आदि के इलाज में भी किया जाता है। स्पेन और इटली में पारंपरिक रूप से लहसुन का बड़े स्तर पर आहार में प्रयोग होता रहा है। संभवतः इसी संदर्भ में यह इन देशों में लोकप्रिय हुआ।

कैसे खाएं लहसुन?

क्या लहसुन का तेल, उसके कैप्सूल, उसकी गोलियां आदि ताजा लहसुन की तुलना में बेहतर होती हैं? कुछ विशेषज्ञों का कहना है कि ये भी असरदार होते हैं, जबकि कुछ का कहना है कि उनमें 'एक्टिव गार्लिक कंपाउंड्स' की मात्रा बहुत कम या न के बराबर ही रह जाती है। हालांकि हर हाल में ताजा लहसुन का इस्तेमाल करना अच्छा होता है, क्योंकि यह बैक्टीरिया को खत्म करता है और रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाता है। माना जाता है कि कच्चा लहसुन रक्त की तरलता बनाए रखता है और कोलेस्ट्रॉल का स्तर भी ठीक रखता है। यह रक्तदाब कम करने में भी फायदा करता है। लहसुन दिल के लिए बहुत फायदेमंद होता है।

इसकी तीखी गंध से पाएं छुटकारा

लहसुन खाने के बाद मुंह से आने वाली उसकी तीखी गंध से छुटकारा पाना है, तो आमतौर पर कॉफी, शहद, दही, दूध या लौंग खाने की सलाह दी जाती है, लेकिन कुछ का मानना है कि पार्सले खा सकते हैं, क्योंकि इसमें पाया जाने वाला क्लोरोफिल लहसुन की गंध को कम करने में कारगर होता है। पेपरमिंट या चुइंगम भी आजमा सकते हैं। इलायची भी असरदार रहेगी।

बीते 5,000 सालों से लहसुन को बतौर एंटीसेप्टिक, वात-रोधी तत्व के तौर पर उपयोग किया जा रहा है। यहां तक कि बाल उगाने में भी इसे असरदार माना जाता है। तीखी गंध वाला लहसुन आर्थ्राइटिस, ड्रॉप्सी, इंफ्लुएंजा और टीबी से लेकर कई प्रकार की बीमारियों के इलाज में इस्तेमाल होता रहा है। कुछ लोग स्वस्थ रहने के लिए रोज लहसुन की एक कली खाने की सलाह देते हैं। हां, जिन्हें लहसुन से एलर्जी है, उन्हें इससे दूर रहना चाहिए। वैसे सलाद में लहसुन डालने से उसका स्वाद बढ़ जाता है और गार्लिक ब्रेड तो हम सबकी पसंद है ही। यह शाकाहारी और मांसाहारी, दोनों तरह की सब्जियों एवं सूप का स्वाद बढ़ा देता है।

टाईम पास

आज का राशिफल

मेष (चू चे चो ला ली लू ले लो आ): आय-व्यय की स्थिति समान रहेगी। शनैः-शनैः स्थिती पक्ष की बनने लगेगी। मेल-मिलाप से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। यात्रा का दूरगामी परिणाम मिल जाएगा। प्रेमभाव बढ़ेगा। आशा और उत्साह के कारण सक्रियता बढ़ेगी। सुखद समय की अनुभूतियां प्रबल होगी। शुभांक-3-5-6

वृष (इ उ ए ओ वा वी वू वे वो): स्वास्थ्य की ओर विशेष ध्यान रहें। व्यापार में वृद्धि होगी। नौकरी में सहयोगियों का सहयोग प्राप्त होगा। शत्रुपक्ष पर आप हावी रहेंगे। पारिवारिक परेशानी बढ़ेगी। कुछ प्रतिकूल गोचर का क्षोभ दिन-भर रहेगा। यश-प्रतिष्ठा में वृद्धि व शिक्षा में परेशानी आ सकती है। स्वास्थ्य की ओर विशेष ध्यान रखें। शुभांक-1-3-5

मिथुन (का की कू घ ङ छ के को हा): कार्यारम्भ से पहले उचित मूल्याकंन कर लें। लेन-देन में अस्पष्टता ठीक नहीं। मध्याह्न पूर्व समय आपके पक्ष का बना रहेगा। कारोबारी काम में प्रगति बनती रहेगी। परिश्रम प्रयास से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। पर-प्रपंच में ना पड़कर अपने काम पर ध्यान दीजिए। यात्रा का योग बनेगा। शुभांक-5-7-8

कर्क (ही हू हे हो डा डी डू डे डो): आध्यात्मिक रुचि बनेगी। प्रसन्नता के साथ सभी जरूरी कार्य बनते नजर आएंगे। मनोरथ सिद्धि का योग है। प्रतिष्ठा बढ़ाने के लिए कुछ सामाजिक कार्य संपन्न होंगे। हर्ष उल्लास के बीच अप्रत्याशित विघ्न पैदा होंगे। आमोद-प्रमोद का दिन होगा और व्यावसायिक प्रगति भी होगी। शुभांक-3-5-7

सिंह (मा मी मू मे मो टा टी टू टे): स्वास्थ्य और जीवन स्तर में सुधार की अपेक्षा रहेगी। ज्ञान-विज्ञान की वृद्धि होगी और सज्जनों का साथ भी रहेगा। कुछ कार्य भी सिद्ध होंगे। व्यर्थ की भाग-दौड़ से यदि बचा ही जाए तो अच्छा है। प्रियजनों से समागम का अवसर मिलेगा। अवरुद्ध कार्य संपन्न हो जाएंगे। वाहन चालन में सावधानी बरतें। शुभांक-5-7-9

कन्या (टो पा पी पू ष ण ठ पे पो): आवेश में आना आपके हित में नही होगा इसलिए व्यवहार व वाणी पर नियत्रंण रखें। पारिवारिक परेशानी बढ़ेगी। हाथ-पैरों में पीड़ा हो सकती हैं। पठन-पाठन में स्थिति कमजोर रहेगी। अपने अधीनस्त लोगों से कम सहयोग मिलेगा। जो चल रहा है उसे सावधानीपूर्वक संभालें। शुभांक-2-4-6

तुला (रा री रु रे रो ता ती तू ते): धार्मिक आस्थाएं फलीभूत होंगी। निर्मूल शंकाओं के कारण मनस्ताप भी पैदा हो सकते है। सुख-आनंद कारक समय है। लाभदायक कार्यों की चेष्टाएं प्रबल होंगी। सक्रियता से अल्प लाभ का हर्ष होगा। कुछ महत्वपूर्ण कार्य बनाने के लिए भाग-दौड़ रहेगी। मातृपक्ष के लोगों का सहयोग मिलेगा। शुभांक-3-5-6

वृश्चिक (तो ना नी नू ने नो य यी यू): मनोविनोद बढ़ेगे। व्ययाधिक्य का अवसर आ सकता है। शुभ कार्यों का लाभदायक परिणाम होगा। कामकाज की अधिकता रहेगी। लाभ होगा और पुराने मित्रों से समागम भी। व्यवसायिक अभ्युदय भी होगा और प्रसन्नताएं भी बढ़ेगी। कामकाज की व्यस्तता से सुख-आराम प्रभावित होगा। शुभांक-6-8-9

धनु (ये यो भा भी भू धा फा ढा भे): धर्म-कर्म के प्रति रुचि जागृत होगी। मानसिक एवं शारीरिक शिथिलता पैदा होगी। श्रेष्ठजनों की सहानुभूतियां होगी। रुका हुआ लाभ प्राप्त हो सकता है। पूर्व नियोजित कार्यक्रम सरलता से संपन्न हो जाएंगे। जोखिम से दूर रहना ही बुद्धिमानी होगी। शुभ कार्यों में प्रवृत्ति बनेगी और शुभ समाचार भी मिलेंगे। शुभांक-6-7-9

मकर (भे जा जी खी खू खे खो गा गी): किसी से कहा सुनी न हो यही ध्यान रहे। लाभकारी गतिविधियों में सक्रियता रहेगी। कुछ एकाग्रता की प्रवृत्ति बनेगी। धर्म-कर्म के प्रति रुचि जागृत होगी। मानसिक एवं शारीरिक शिथिलता पैदा होगी। अपने हितैषी समझे जाने वाले ही पीठ पीछे नुकसान पहुंचाने की कोशिश करेंगे। शुभांक-7-8-9

कुंभ (गू गे गो सा सी सू से सो दा): कारोबारी यात्रा को फिलहाल टालें। परिवारजन का सहयोग व समन्वय काम को बनाना आसान करेगा। आशा और उत्साह के कारण सक्रियता बढ़ेगी। मानसिक एवं शारीरिक शिथिलता पैदा होगी। श्रेष्ठजनों की सहानुभूतियां होगी। अर्थपक्ष मजबूत रहेगा। इच्छित कार्य सफल होंगें। शुभांक-2-5-7

मीन (दी दू थ झ ञ दे दो चा ची): ले देकर की जा रही काम की कोशिश ठीक नहीं। समय नकारात्मक परिणाम देने वाला बन रहा है। कार्यक्षेत्र में आगे बढ़ने में रुकावट का एहसास होगा। विरोधियों के सक्रिय होने की संभावना है। जो चल रहा हैं उसे सावधानीपूर्वक संभालें। मायूस न हो समय चक्र हैं। भाई-बहनों का प्रेम बढ़ेगा। शुभांक-1-3-5

काकुरो पहेली - 3665

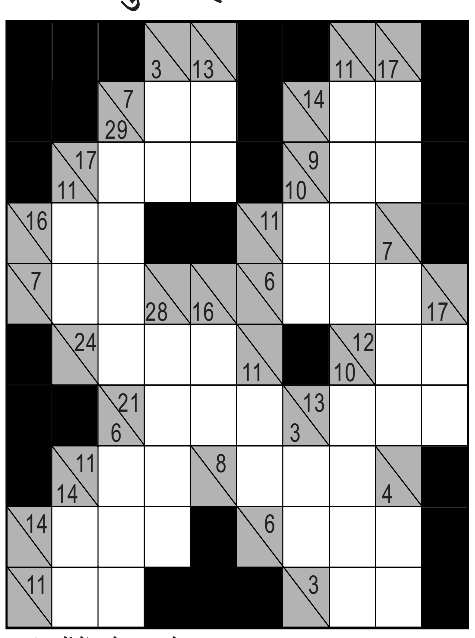

खाली वर्गों में 1 से 9 तक के अंक लिखकर नीचे से ऊपर व दाएं से बाएं की जोड़ हल्के रंग के आधे वर्ग की संख्या से मेल खानी चाहिए. किसी भी अंक का उस जोड़ में पुनः उपयोग नहीं किया जा सकता.

उदाहरणतः:

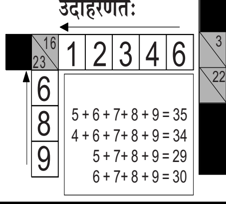

5+6+7+8+9=35
4+6+7+8+9=34
5+7+8+9=29
6+7+8+9=30

काकुरो - 3664 का हल

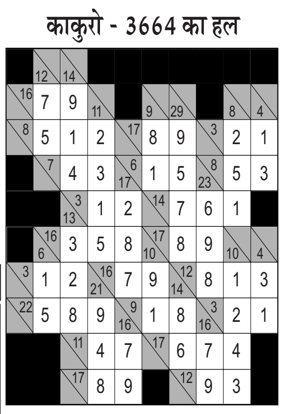

हंसी के फूव्वारें

जज ने अभियुक्त से कहा-'तुम पर मोटर तेज चलाने का इल्जाम है. क्या तुम अपना इल्जाम स्वीकार करते हो?'
'जी हां, मीलार्ड, मगर ?'
'मैंने कोई अपराध नहीं किया.' अभियुक्त सफाई देते हुए बोला-'मेरी मोटर के ब्रेक खराब थे,इसलिये मैंने सोचा कि जल्दी से घर पहुँच जाऊं. कहीं ऐसा न हो कि कोई एक्सीडेंट हो जाए !'

□ □ □

एक सेठ बीमार पड़ गया.
डाक्टरों ने उसे राय दी कि वह विदेश जाकर दवा कराये तो उसने अपने मुंशी से पूछा-'मुंशी जी ! विदेश जाकर दवा कराने में कितना खर्च होगा ?'
'लगभग बीस हजार !'
'और क्रिया-कर्म में ?'
'लगभग पांच हजार !'
'तो फिर इलाज से मरना ही ज्यादा फायदेमंद रहेगा.' सेठ ने ठण्डी सांस लेते हुए कहा.

□ □ □

रमेश ने महेश से पूछा-'जब सेब पेड़ से नीचे गिरा तो न्यूटन को बहुत आश्चर्य हुआ.'
महेश-'पागल था वह ?'
रमेश-'वह कैसे ?'
महेश-'आश्चर्य की बात तो तब होती जब सेब नीचे से ऊपर जाता.'

□ □ □

फिल्म वर्ग पहेली- 3665

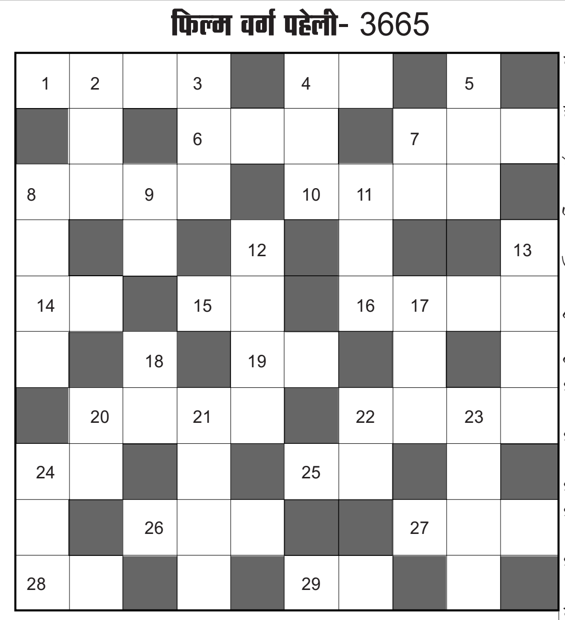

बायें से दायें:-

१. सैफ, चंद्रचूड़, प्रीति की 'इसे खेल ना समझो' गीत वाली फिल्म-१,३
४. 'एक लड़की जिसके' गीत वाली संजय दत्त, जैकी, रवीना की फिल्म-२
६. गोविंदा, रवीना टंडन की 'सासूजी थारो लल्ला' गीत वाली फिल्म-३
७. 'हम दिल दे चुके सनम' में सलमान की माँ की भूमिका किसने की थी-३
८. ऋषि कपूर, जूही चावला वाली फिल्म 'दरार' में सहनायक कौन था-४
१०. 'रंग दे रंग दे' गीत वाली फिल्म 'तक्षक' के संगीत निर्देशक कौन हैं-४
१४. राजकुमार, जीतेंद्र की फिल्म 'मेरे हुजूर' की नायिका कौन थी-२
१५. 'दिल है तुम्हारा' में अर्जुन रामपाल के किरदार का क्या नाम है-२
१६. राजेंद्रकुमार, बी. सरोजादेवी की 'जाना तुम्हारे प्यार में' गीत वाली फिल्म-४
१९. 'इस टूटे दिल' गीत वाली अनिल, अक्षय, ऐश्वर्या की फिल्म-२
२०. अक्षयकुमार, करिश्मा की 'माथे पे चमके इसके' गीत वाली फिल्म-४
२२. 'सोला किये थे' गीत वाली मिथुन, शिल्पा शिरोडकर की फिल्म-४
२४. आमिर खान, माधुरी की 'मुझे नींद न आये' गीत वाली फिल्म-२
२५. नाना पाटेकर, जैकी श्रॉफ, कुमार गौरव, जावेद, जूही की फिल्म-२
२६. राजकपूर, दिलीपकुमार की 'उठाये जा उनके' गीत वाली फिल्म-३
२७. 'ओ मेरे सनम ओ मेरे सनम' गीत वाली फिल्म-३
२८. राजेंद्रकुमार, माला सिन्हा की 'जिसके सपने हमें रोज' गीत वाली फिल्म-२
२९. 'जाने क्या होगा रामा रे' गीत वाली फिल्म-२

ऊपर से नीचे:-

२. आफताब, लिसा रे की 'कितना बेचैन हो के' गीत वाली फिल्म-३
३. 'तेरे बिना मैं कुछ' गीत वाली मिथुन, अतुल अग्निहोत्री, पूजा भट्ट की फिल्म-३
४. अमिताभ, जया भादुड़ी की 'यारी है ईमान मेरा' गीत वाली फिल्म-३
५. 'बोल गोरी बोल तेरा कौन पिया' गीत वाली सुनीलदत्त, नूतन की फिल्म-३
७. फिल्म 'रजिया सुल्तान' में शीर्षक भूमिका किसने की थी-२
८. अमिताभ, जया भादुड़ी की 'मीत ना मिला रे मन का' गीत वाली फिल्म-४
९. संजय दत्त, इंद्रकुमार, मनीषा की फिल्म-२
११. शॉवर अली, तरूण अरोड़ा, मेघना की 'तेरी चाहत में' गीत वाली फिल्म-३
१२. राजेश खन्ना, शबाना की 'चलो बुलावा आया है' गीत वाली फिल्म-४
१३. सनी, रजनीकांत, श्रीदेवी की फिल्म-४
१७. अजय, अक्षय, करिश्मा, नगमा की 'शाबा ये नखरा' गीत वाली फिल्म-३
१८. 'ये मेरा दिल यार का दीवाना' गीत वाली अमिताभ, जीनत की फिल्म-२
२०. सनी, तब्बू, रीमा सेन की फिल्म-२
२१. 'दिल का तोहफा लाई हूँ' गीत वाली फिल्म-४
२२. आयशा, दिव्या भारती, कमल सदाना की 'तेरी मुहब्बत' गीत वाली फिल्म-२
२३. 'ये काली काली आँखें' गीत वाली फिल्म-४
२४. सनी, बॉबी, उर्मिला की फिल्म-३

फिल्म वर्ग पहेली- 3664

सूडोकु -3665

6					7			
		8	2				7	5
	4			3				6
	7	1			2		5	
8				4				3
	2		8			9	6	
2				8			3	
4	3				9	8		
			3					9

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते .
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु -3664 का हल

7	4	6	9	1	5	8	3	2
1	5	2	8	3	7	4	6	9
9	3	8	2	6	4	7	1	5
8	6	4	7	9	1	5	2	3
5	2	7	3	4	6	9	8	1
3	9	1	5	8	2	6	7	4
2	7	9	1	5	8	3	4	6
6	1	5	4	7	3	2	9	8
4	8	3	6	2	9	1	5	7

शब्द पहेली - 3665

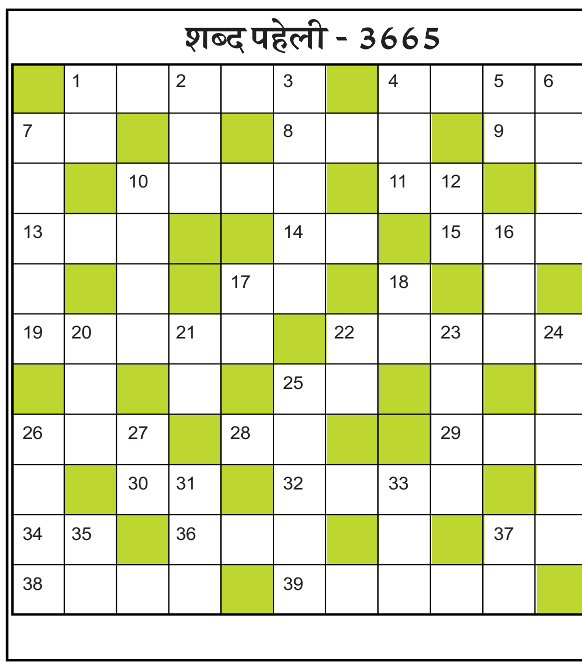

बाएँ से दाएँ

1.आरोपित, तथाकथ्य-5
4.प्रलय, वज्रपात-4
7.परिमाण, माप-2
8.प्लेट,तश्तरी-3
9.भीगा हुआ-2
10.वेश्या, गणिका-4
11.ज्वालामुखी से निकला द्रव पर्दाथ-2
13.अपवित्र (उर्दू-3)
14.दान करने वाला-2
15.आंचल-3
17.पंख-2
19.चाहे जो भी हो -5
22.अनूठापन,विचित्रता-5
25.उम्मीद,आस-2
26.अनाशवान,अक्षय-3
28.सुनील शेट्टी की पहली फिल्म-2
29.बंदर, मर्कट-3
30.सम्मान, आदर-2
32.करामात,करिश्मा-4
34.नवीन,नव-2
36.नसीरुद्दीन और अर्चना पूरणसिंह की फिल्म-3
37.शारीरिक ऊंचाई-2
38.भाग्य,लक-4
39.रावण,दशानन-5

ऊपर से नीचे

1.तपस्या-2
2.कॉफी-3
3.तरफदारी करनेवाला-5
4.जन जाति, झुंड-3
5.वोट-2
6.बढ़ई,खाती-4
7.जो मुनासिब न हो-5
10.भाग्य (उर्दू-4)
12.प्रतिज्ञा,वचन-2
16.राजा,राजन-3
17.क्षण-2
18.संपूर्ण,देवी का एक नाम-2
20.रनिवास (उर्दू-3)
21.नुकसान,घाटा-2
22.रजनी, रात्रि-2
23.अनुपम,बेजोड़-4
24.जिसे घर में ही कैद किया गया हो-5
25.आतंक फैलानेवाला-5
26.धरोहर,थाती-4
27.लक्ष्मी-2
31.निगाह,दृष्टि-3
33.बैचेनी,परेशानी,संघर्ष-3
35.लद्दाख में पाया जानेवाला बैल जैसा एक जानवर-2
37.टैक्स, हाथ-2

शब्द पहेली -3664 का हल

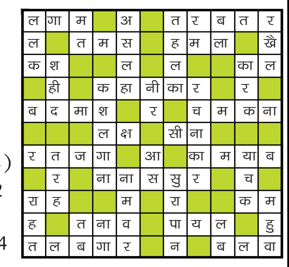

ब्रिक्स देशों ने बैठक में व्यापार पर लगने वाले ऊंचे टैरिफ पर जताई गहरी चिंता

व्यापार को खराब कर सकती हैं, इससे विकासशील देशों को हो सकता है नुकसान

न्यूयॉर्क

ब्रिक्स देशों के विदेश मंत्रियों ने बैठक में व्यापार पर लगने वाली सख्त पाबंदियों पर गहरी चिंता जताई। इन देशों का मानना है कि ऊंचे टैरिफ और गैर-टैरिफ बाधाएं दुनिया के व्यापार को खराब कर सकती हैं। इससे विकासशील देशों को नुकसान हो सकता है। संयुक्त राष्ट्र महासभा का 80वां सत्र चल रहा था। यह बैठक शुक्रवार को संपन्न हुई। भारत ने इसकी अध्यक्षता की, क्योंकि अगले साल भारत ब्रिक्स का चेयर बनेगा। ब्रिक्स में ब्राजील, रूस, भारत, चीन, दक्षिण अफ्रीका, मिस्र, इथियोपिया, इंडोनेशिया, ईरान और संयुक्त अरब अमीरात जैसे देश शामिल हैं। इन देशों के विदेश मंत्रियों ने संयुक्त बयान जारी कर कहा कि बिना सोचे-समझे टैरिफ बढ़ाना और प्रोटेक्शनिज्म की नीतियां गलत हैं। ये कदम जबरदस्ती के तौर पर इस्तेमाल किए जा रहे हैं। इससे वैश्विक व्यापार कम हो सकता है। सप्लाई चेन टूट सकती हैं। अंतरराष्ट्रीय अर्थव्यवस्था में अनिश्चितता फैल सकती है। मंत्रियों ने चेतावनी दी कि ऐसी एकतरफा कार्रवाइयां विश्व व्यापार संगठन यानी डब्ल्यूटीओ के नियमों के खिलाफ है। ये वैश्विक व्यापार को बांट सकती हैं। ग्लोबल साउथ के देशों को किनारे कर सकती हैं। वे चाहते हैं कि ऐसी प्रथाओं से बचा जाए। बैठक में भारत के विदेश मंत्री एस जयशंकर ने मेजबानी की। उन्होंने कहा कि ब्रिक्स को बहुपक्षीय व्यापार प्रणाली की रक्षा करनी चाहिए। आजकल प्रोटेक्शनिज्म बढ़ रहा है। टैरिफ में उतार-चढ़ाव हो रहा है। गैर-टैरिफ बाधाएं व्यापार को प्रभावित कर रही हैं।जयशंकर ने एक्स पर पोस्ट में लिखा कि अशांत दुनिया में ब्रिक्स को शांति निर्माण, बातचीत, कूटनीति और अंतरराष्ट्रीय कानून का संदेश मजबूत करना चाहिए। ब्लॉक को संयुक्त राष्ट्र में सुधारों की आवाज बुलंद करनी चाहिए। खासकर सुरक्षा परिषद में बदलाव जरूरी हैं।

भारत में परफॉर्मेंस वीएलएफ मॉबस्टेर लॉन्च

नई दिल्ली

भारत में वीएलएफ कंपनी ने अपना पहला आईसीई (इंटरनल कंबशन इंजन) परफॉर्मेंस वीएलएफ मॉबस्टेर लॉन्च कर दिया है। यह स्कूटर सीधे अप्रीलिया एसआर 175 और टीवीएस एनटॉर्क 150 जैसे प्रीमियम स्कूटर्स को टक्कर देने के लिए तैयार है।

इसकी शुरुआती कीमत 1.30 लाख रुपये (एक्स-शोरूम, इंट्रोडक्टरी) रखी गई है। वीएलएफ मॉबस्टेर को मशहूर इटैलियन डिज़ाइनर अलेसांड्रो टारटारीनी ने डिजाइन किया है। इसका लुक एग्रेसिव और स्पोर्टी है, जिसमें फ्रंट में ट्विन एलईडी हेडलैम्प्स और डीआरएलएस, लंबी फ्लाईस्क्रीन और एक्सपोज़्ड हैंडलबार शामिल हैं। स्पोर्टी सीट और 12-इंच के अलॉय व्हील्स इसे स्ट्रीटफाइटर बाइक्स जैसी उपस्थिति देते हैं। स्कूटर दो कलर ऑप्शन रेड और ग्रे में उपलब्ध है और यह खासतौर पर युवाओं को टारगेट करता है। फीचर्स की बात करें तो इसमें 5-इंच का टीएफटी डिस्प्ले (ब्लूटूथ कनेक्टिविटी के साथ), इल्युमिनेटेड स्विचगियर, कीलेस इग्निशन, ऑटो स्टार्ट/स्टॉप और ऑल-एलईडी लाइटिंग जैसे आधुनिक फीचर्स दिए गए हैं।

खास बात यह है कि यह अपनी कैटेगरी का पहला 125सीसी स्कूटर है जिसमें स्विचेबल डुअल-चैनल एबीएस और ट्रैक्शन कंट्रोल मौजूद हैं। वीएलएफ मॉबस्टेर में 125सीसी का सिंगल-सिलेंडर इंजन है, जो 12 बीएचपी की पावर और 11.7 एनएम टॉर्क देता है।

1.30 लाख रुपये की शुरुआती कीमत पर मिलने वाला यह स्कूटर फीचर्स, डिजाइन और परफॉर्मेंस के मामले में प्रीमियम सेगमेंट में एक मजबूत दावेदार बनता है।

होंडा सीबी300आर की कीमत घटी

अब 2.19 लाख में उपलब्ध

नई दिल्ली

बीते दिनों होंडा मोटरसाइकिल एंड स्कूटर इंडिया ने घोषणा की थी कि वह 350सीसी से कम कैपेसिटी वाली अपनी मोटरसाइकिल और स्कूटर्स पर जीएसटी का पूरा लाभ ग्राहकों को देगी। इस लिस्ट में शुरुआत में सीबी300आर शामिल नहीं थी, लेकिन अब होंडा ने अपनी आधिकारिक वेबसाइट पर इसकी कीमत को रिवाइज्ड कर दिया है। अब होंडा सीबी300आर की एक्स-शोरूम कीमत 2.19 लाख रुपए हो गई है, जो पहले 2.40 लाख रुपए थी। इससे कुल 21,000 रुपए की बड़ी कटौती हुई है। इस अपडेट के बाद सीबी300आर अब केटीएम 250 ड्यूक (2.12 लाख रुपए), ट्रायम्फ स्पीड 400 (2.50 लाख रुपए) और टीवीएस अपाचे आरटीआर 310 (2.21 लाख से 2.87 लाख रुपए) जैसे कॉम्पिटिटर्स के मुकाबले ज्यादा किफायती विकल्प बन गई है। इस मोटरसाइकिल में 286सीसी का सिंगल-सिलेंडर, डीओएचसी, लिक्विड-कूल्ड इंजन लगा है, जो 31 हॉर्सपावर और 27.5 एनएम टॉर्क देता है। इंजन स्लिप और असिस्ट क्लच वाले 6-स्पीड गियरबॉक्स से जुड़ा है।

पहले सीबी300आर की कीमत 2.77 लाख रुपए थी, जिसे स्थानीय उत्पादन बढ़ने के चलते घटाकर 2.40 लाख रुपए किया गया था। अब जीएसटी रिवाइज्ड के चलते यह और भी सस्ता हो गया है। इस कदम से सीबी300 आर अपने सेगमेंट में बेहतरीन वैल्यू फॉर मनी विकल्प बन गई है, जो कीमत, पर्फॉर्मेंस और फीचर्स का संतुलित मिश्रण पेश करती है। हालांकि, सीबी300आर को इस कटौती का फायदा मिला है, वहीं होंडा के अन्य बिगविंग मॉडल जैसे एनएक्स500, रेबेल 500 और सीबीआर650आर की कीमतों में जीएसटी रिवाइज्ड के बाद वृद्धि हुई है।

आइलाइन खरीदी में बंपर उछाल

अमेजन ने 38 करोड़ से ज्यादा ग्राहकों के आने की सूचना दी

नई दिल्ली

जीएसटी कटौती के कारण मौजूदा त्यौहारों में उपभोक्ता अधिक खरीदारी कर रहे हैं। महानगरों तथा उभरते बाजारों में त्यौहारी मांग 23-25 प्रतिशत तक बढ़ी है। जीएसटी के कारण इलेक्ट्रॉनिक्स जैसी महंगी श्रेणियों में कीमत कम हुई है। नवरात्रि के पहले दिन 22 सितंबर से प्रभावी जीएसटी सुधारों ने बड़े स्क्रीन वाले टीवी, मध्यम श्रेणी के फैशन और फर्नीचर सहित कई श्रेणियों में जीएसटी कर दरों में कमी की है। इससे उपभोक्ताओं को सीधे मूल्य लाभ मिला है। इन बदलावों ने खरीदारों को छूट की तलाश से आगे बढ़कर अधिक खरीदारी करने के लिए प्रोत्साहित किया है। इससे मझौले और छोटे शहरों से भागीदारी बढ़ी है और सोच-विचार कर किए जाने वाले खर्च में वृद्धि को बढ़ावा मिला है। एक रिपोर्ट के अनुसार बड़े टीवी पर जीएसटी को 28 से घटाकर 18 प्रतिशत करने से खुदरा कीमतों में 6-8 प्रतिशत की गिरावट आ गई है। इससे प्रीमियम मॉडल की मांग बढ़ी है। इसतरह 2,500 रुपये से कम कीमत वाली फैशन वस्तुओं पर अब सिर्फ पांच प्रतिशत जीएसटी लग रहा है, इससे इस परिधानों की खरीदारी को बढ़ावा मिल रहा है। इसी तरह फर्नीचर की बिक्री भी बढ़ी है। पहले दो दिनों की बिक्री में सालाना आधार पर 23-25 प्रतिशत की वृद्धि हुई। जीएसटी 2.0 सुधारों और त्यौहारी माहौल की दोहरी ताकतों ने प्रीमियम स्मार्टफोन और टीवी की खरीदारी में तेजी ला दी। रिपोर्ट में कहा गया कि मांग इतनी ज्यादा थी कि कुछ एप बहुत धीमे हो गए और ऑर्डर देने की कोशिश के कुछ ही मिनटों में क्रैश हो गए। ई-कॉमर्स दिग्गज अमेजन ने अपनी त्यौहारी सेल के पहले दो दिनों में 38 करोड़ से ज्यादा ग्राहकों के आने की सूचना दी है।

देश की 10 बड़ी कंपनियों का मार्केट कैप 2,99,661.36 करोड़ रुपए घटा

अमेरिकी फैसलों और रुपए की कमजोरी ने निवेशकों का विश्वास कमजोर किया

नई दिल्ली

बीते हफ्ते शेयर बाजार में आई गिरावट ने देश की सबसे बड़ी कंपनियों के निवेशकों को झटका दिया। देश की 10 बड़ी कंपनियों का संयुक्त बाजार पूंजीकरण (मार्केट कैप) 2,99,661.36 करोड़ रुपए घट गया। यह नुकसान ऐसे समय में हुआ जब वैश्विक और घरेलू दोनों स्तरों पर अनिश्चितताएं बनी हैं। इस दौरान आईटी सेक्टर की दिग्गज कंपनी टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज (टीसीएस) पर सबसे ज्यादा असर हुआ। कंपनी का मार्केट कैप 97,597.91 करोड़ घटकर 10,49,281.56 करोड़ पर आ गया।

बीते हफ्ते बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज (बीएसई) का सेंसेक्स 2,199.77 अंक यानी 2.66फीसदी गिरकर बंद हुआ। विशेषज्ञों का मानना है कि अमेरिकी नीतिगत फैसलों और रुपए की कमजोरी ने निवेशकों का विश्वास कमजोर किया है। एक कंपनी के सीईओ ने कहा कि अमेरिका द्वारा एच-1बी वीजा फीस में बड़ी बढ़ोतरी से टेक्नोलॉजी शेयरों में भारी बिकवाली देखने को मिली। इसके साथ ही भारतीय रुपया अमेरिकी डॉलर के मुकाबले निचले स्तर पर पहुंच गया, जिससे विदेशी निवेशकों का रुख सतर्क हो गया। वहीं अमेरिका द्वारा ब्रांडेड और पेटेंटेड दवा आयात पर 100 फीसदी टैरिफ लगाने के फैसले से भी बाजार पर बुरा असर पड़ा है।

इस दौरान रिलायंस इंडस्ट्रीज का मार्केट कैप 40,462.09 करोड़ घटकर 18,64,436.42 करोड़ पर आ गया, लेकिन इसके बावजूद वह देश की सबसे मूल्यवान कंपनी बनी रही।

ट्रंप की विदेशी नीतियों से तबाह हुआ भारतीय शेयर बाजार

5 दिन में 16 लाख करोड़ स्वाहा

नई दिल्ली शेयर बाजार पिछले एक हफ्ते में तगड़ी गिरावट देखने को मिली है। सिर्फ 5 दिन में ही निवेशकों की वैल्यूवेशन 16 लाख करोड़ घट गई। शुक्रवार को करीब 7 लाख करोड़ रुपये की कमी आई, जो पूरे हफ्ते के दौरान सबसे बड़ी गिरावट रही। सप्ताह के आखिरी कारोबारी दिन सेंसेक्स 733.22 अंक गिरकर 80,426.46 पर क्लोज हुआ, जबकि निफ्टी4 236.15 अंक गिरकर 24,654.70 पर बंद हुआ। वहीं 1 सप्ताह के दौरान सेंसेक्स 2,097.63 अंक या 2.54 प्रतिशत और निफ्टी 631.80 अंक या 2.50 प्रतिशत गिर चुका है। बैंक निफ्टी में भी भारी गिरावट नजर आई है। इस सप्ताह में मार्केट हर सत्र में निचले स्तर पर बंद हुआ है। बीएसई पर लिस्टेड कंपनियों का मार्केट कैप इस दौरान 16 लाख करोड़ रुपये कम हुआ है। हफ्ते की शुरुआत में ही अमेरिका के एच-1बी वीजा का सीधा असर भारत के इक्विटी मार्केट दिखाई दिया था। सोमवार को भारतीय आईटी कंपनियों के शेयर में वीजा फीस की वजह से तगड़ी गिरावट देखने को मिली थी, जिस कारण आईटी सेक्टर पूरे हफ्ते गिरावट पर रहा।

रेनो ट्राइबर अब 5.73 लाख से 8.60 लाख रुपये में उपलब्ध

नई दिल्ली भारत में रेनो कंपनी की ट्राइबर 2025 फेसलिफ्ट, अब 5.73 लाख रुपये से 8.60 लाख रुपये की कीमत पर उपलब्ध है। रेनों की किफायती 7-सीटर एमपीवी 1.0-लीटर नैचुरली एस्पिरेटेड पेट्रोल इंजन के साथ आती है, जो 71बीएचपी की पावर और 96एनएम का टॉर्क जेनरेट करता है। गियरबॉक्स के तौर पर 5-स्पीड मैनुअल और एएमटी दोनों विकल्प मिलते हैं, साथ ही वैकल्पिक सीएनजी फिटमेंट का भी ऑप्शन दिया गया है। रियल-वर्ल्ड टेस्टिंग में एएमटी वर्जन की फ्यूल एफिशियंसी का पता चला है। सिटी ड्राइव में 73 किलोमीटर की राइड के दौरान 5.35 लीटर पेट्रोल की खपत हुई, जिससे माइलेज 13.64 केएमपीएल निकला। वहीं, हाईवे ड्राइव पर 82 किलोमीटर की दूरी में 4.59 लीटर तेल खपत हुई, जो 17.86 केएमपीएल का माइलेज देती है। ओवरऑल एवरेज, यानी सिटी और हाईवे को मिलाकर, ट्राइबर एएमटी का एवरेज माइलेज 14.69 केएमपीएल रहा। इसमें 40-लीटर का फ्यूल टैंक होने के कारण, यह एमपीवी एक फुल टैंक में लगभग 587 किलोमीटर का सफर तय कर सकती है। ट्राइबर एएमटी खासतौर पर उन खरीदारों के लिए सही विकल्प है जो कम बजट में 7-सीटर कार चाहते हैं।

अक्टूबर में शनिवार-रविवार मिलाकर 11 दिन बंद रहेगा शेयर मार्केट

दिवाली के दिन मुहूर्त ट्रेडिंग होगी वह भी महज एक घंटे के लिए

नई दिल्ली अक्टूबर में कई छुट्टियां हैं, जिसकी वजह से उस दिन सेंसेक्स और निफ्टी का कारोबार भी नहीं होगा। इस साल अक्टूबर के महीने में सेंसेक्स और निफ्टी शनिवार और रविवार को मिलाकर कुल 11 दिन बंद रहेंगे। बीएसई और एनएसई की तरफ से जारी कैलेंडर के मुताबिक अक्टूबर के महीने में 3 दिन ऐसे हैं जब शेयर बाजार में छुट्टी रहेगी। इसमें दिवाली भी शामिल है। बता दें, दिवाली के दिन मार्केट में सामान्य कारोबार नहीं होता है। इस दिन मूहूर्त ट्रेडिंग होती है। वह भी महज एक घंटे के लिए। एनएसई के कैलेंडर के मुताबिक 2 अक्टूबर को दशहरा और महात्मा गांधी जयंती की छुट्टी रहेगी। 21 अक्टूबर को दिवाली और लक्ष्मी पूजा और 22 अक्टूबर को दिवाली और बलिप्रतिपदा की छुट्टी रहेगी। मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज और करेंसी डेरिवेटिव्स भी इन तीन दिनों के दौरान बंद रहेंगे। 2 अक्टूबर महात्मा गांधी जयंती और दशहरा की छुट्टी रहेगी। 21 अक्टूबर दिवाली लक्ष्मी पूजा की छुट्टी, 22 अक्टूबर को बलिप्रतिपदा की छुट्टी, 5 नवंबर को प्रकाश गुरुपर्व श्री गुरु नानक देव की छुट्टी, 25 दिसंबर क्रिसमस की छुट्टी रहेगी। एनएसई और बीएसई की तरफ से जारी सर्कुलर के मुताबिक 21 अक्टूबर मूहूर्त ट्रेडिंग होगी। दिवाली मूहूर्त ट्रेडिंग की टाइमिंग दोपहर 1.45 से 2.45 है। बता दें 2024 में मूहूर्त ट्रेडिंग मजबूती के साथ बंद हुआ था। तब सेंसेक्स 335 अंक या फिर 0.42 फीसदी की तेजी के साथ 79,724 अंक पर बंद हुए थे।

शेयर बाजार के लिए अगला हफ्ता रोमांचक होगा

आईपीओ की होगी बारिश

नई दिल्ली

अगला हफ्ता शेयर बाजार के लिए काफी रोमांचक रहने वाला है। मेनबोर्ड और एसएमई प्लेटफॉर्म पर कई नए आईपीओ और शेयर लिस्टिंग का दौर शुरू होने वाला है। चार बड़े आईपीओ और 16 छोटे आईपीओ निवेशकों के लिए अच्छा मौका है। ग्लोटिस, ओम फ्रेट फॉरवर्डर्स, फैबटेक टेक्नोलॉजीज और एडवांस एग्रोलाइफ जैसी कंपनियां करोड़ों रुपए जुटाने के लिए बाजार में उतर रही हैं, जबकि चिरहरित, सोधानी कैपिटल, विजयपीडी सीयुटिकल, ओम मेटालॉजिक और सुबा होटल्स जैसे छोटे आईपीओ भी बाजार में उपलब्ध होंगे।

इसके साथ ही अटलांटा इलेक्ट्रिकल्स, गणेश कंज्यूमर प्रोडक्ट्स, शेषासाई टेक्नोलॉजीज, सोलरवर्ल्ड एनर्जी सॉल्यूशंस और आनंद राठी शेयर एंड स्टॉक ब्रोकर्स जैसी कंपनियों की लिस्टिंग से बाजार में नया उत्साह देखने को मिलेगा। इस हफ्ते निवेशकों के लिए अवसर और रणनीति तय करने का सही समय है, क्योंकि नए इश्यू और लिस्टिंग से बाजार में खरीद-बिक्री की गतिविधियां बढ़ने की संभावना है।

ग्लोटिस कंपनी अपना आईपीओ लेकर आ रही है। ये कंपनी 307 करोड़ रुपए जुटाने की सोच रही है। इसमें 160 करोड़ रुपए का ताजा इश्यू शामिल है और 147 करोड़ रुपए का ऑफर फॉर सेल। इस इश्यू की कीमत बैंड 120 से 129 रुपए प्रति शेयर तय की गई है। सब्सक्रिप्शन की विंडो 29 सितंबर से शुरू होकर 1 अक्टूबर तक चलेगी। शेयरों की लिस्टिंग 7 अक्टूबर को हो सकती है।

ओम फ्रेट फॉरवर्डर्स भी बाजार में उतर रही है। इसका आईपीओ साइज 122.31 करोड़ रुपए है, जो ज्यादातर ऑफर फॉर सेल के जरिए आएगा। बोली लगाने का तीन दिन का समय 29 सितंबर से शुरू होगा और 3 अक्टूबर को खत्म होगा। इश्यू की कीमत बैंड 128 से 135 रुपए प्रति शेयर तय की गई है। लिस्टिंग की तारीख 8 अक्टूबर रखी गई है।

फैबटेक टेक्नोलॉजीज का आईपीओ 230.35 करोड़ रुपए का है। ये पूरी तरह से ताजा इक्विटी इश्यू है। शेयरों की कीमत 181 से 191 रुपए के बीच रखी गई है। आईपीओ सोमवार यानी 29 सितंबर को खुलेगा और 1 अक्टूबर को बंद होगा। शेयर बाजार में लिस्टिंग 7 अक्टूबर को हो सकती है।

इसके अलावा एग्रीबिजनेस पर फोकस करने वाली एडवांस एग्रोलाइफ कंपनी 192.86 करोड़ रुपए जुटाने वाली है। ये भी पूरी तरह से ताजा इश्यू है। बोली लगाने का समय 30 सितंबर से 3 अक्टूबर तक है। कीमत बैंड 95 से 100 रुपए प्रति शेयर है। लिस्टिंग 8 अक्टूबर को होगी।

देश की बिजली व्यवस्था मजबूत करने पावरग्रिड ने दो बड़े प्रोजेक्ट को दी मंजूरी

पहला प्रोजेक्ट 209.68 करोड़ रुपए तो दूसरा प्रोजेक्ट 495.83 करोड़ का

नई दिल्ली पावरग्रिड कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड ने देश की बिजली व्यवस्था को और मजबूत करने के लिए दो बड़े प्रोजेक्ट को हरी झंडी दिखाई। इनकी कुल लागत 705.51 करोड़ रुपए है। कंपनी की निवेश समिति ने 26 सितंबर को हुई बैठक में इन योजनाओं को मंजूरी दी। ये प्रोजेक्ट नेशनल ग्रिड को बेहतर बनाने और प्राकृतिक आपदाओं से निपटने में मदद करेंगे। पहला प्रोजेक्ट 209.68 करोड़ रुपए का है। इसके तहत देश के पांचों क्षेत्रीय ग्रिड्स- उत्तरी, पूर्वी, पश्चिमी, दक्षिणी और उत्तर-पूर्वी- में वॉयस ओवर इंटरनेट प्रोटोकॉल सिस्टम (वीओआईपी) लगाया जाएगा। यह सिस्टम बिजली ट्रांसमिशन नेटवर्क को चलाने में बेहतर तालमेल और दक्षता लाएगा। इस प्रोजेक्ट का काम 23 अगस्त, 2026 तक पूरा होने की संभावना है। वीओआईपी सिस्टम से ग्रिड ऑपरेटर्स के बीच बातचीत आसान होगी। इससे बिजली आपूर्ति की निगरानी और प्रबंधन में सुधार होगा। दूसरा प्रोजेक्ट 495.83 करोड़ का है। इसके तहत मेक इन इंडिया पहल के तहत 20 सेट (300 टावर) इमरजेंसी रिस्टोरेशन सिस्टम (ईआरएस) खरीदे जाएंगे। यह सिस्टम प्राकृतिक आपदाओं या बुनियादी ढांचे में खराबी के दौरान बिजली लाइनों को जल्द ठीक करने में मदद करेगा। इस प्रोजेक्ट का काम 19 अप्रैल, 2027 तक पूरा होगा। ईआरएस सिस्टम देश की बिजली आपूर्ति को और भरोसेमंद बनाएगा। खासकर तूफान, बाढ़ या भूकंप जैसी आपदाओं में यह सिस्टम तेजी से काम करेगा। पावरग्रिड का कहना है कि ये दोनों प्रोजेक्ट देश की बिजली व्यवस्था को आधुनिक बनाने में अहम भूमिका अदा करेंगे। ये निवेश भारत की ऊर्जा सुरक्षा को मजबूत करने और स्थानीय विनिर्माण को बढ़ावा देने की दिशा में भी बड़ा कदम हैं। कंपनी का फोकस नेशनल ग्रिड को और मजबूत करने पर है ताकि बिजली आपूर्ति में किसी तरह की रुकावट न आए। ये प्रोजेक्ट पावरग्रिड की दूरदर्शी सोच को दिखाते हैं, जो बदलते हालात और चुनौतियों से निपटने के लिए तैयार हैं।

धान के रकबा को पाम की खेती के तैयार करना होगा, पाम तेल आत्मनिर्भरता जरुरी

सॉलिडारिडाड एशिया द्वारा तैयार श्वेत पत्र जारी

नई दिल्ली भारत में पाम तेल आत्मनिर्भरता पर शनिवार को जारी एक श्वेतपत्र में कहा गया है कि भारत को यदि पाम तेल आयात पर निर्भरता कम करनी है, तब 160.8 लाख हेक्टेयर छोटी जोत के धान के रकबा को पाम की खेती के तैयार करना होगा, साथ ही पाम तेल की उत्पादकता को वर्तमान 2.4 टन से बढ़ाकर 4-5 टन प्रति हेक्टेयर करने के लिए रणनीति तैयार करना होगा। सॉल्वेंट एक्सट्रैक्टर्स एसोसिएशन ऑफ इंडिया (एसईए) और एशियन पाम ऑयल अलायंस (एपीओए) के सहयोग से सॉलिडारिडाड एशिया द्वारा तैयार यह श्वेत पत्र पाम तेल के आयात पर भारत की भारी निर्भरता को कम करने, घरेलू उत्पादन को बढ़ावा देने और साल 2047 तक 50 प्रतिशत तक आत्मनिर्भरता हासिल करने के लिए एक व्यापक रणनीति प्रदान करता है।

देश की बिजली व्यवस्था मजबूत करने पावरग्रिड ने दो बड़े प्रोजेक्ट को दी मंजूरी

पहला प्रोजेक्ट 209.68 करोड़ रुपए तो दूसरा प्रोजेक्ट 495.83 करोड़ का

नई दिल्ली

पावरग्रिड कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड ने देश की बिजली व्यवस्था को और मजबूत करने के लिए दो बड़े प्रोजेक्ट को हरी झंडी दिखाई। इनकी कुल लागत 705.51 करोड़ रुपए है। कंपनी की निवेश समिति ने 26 सितंबर को हुई बैठक में इन योजनाओं को मंजूरी दी। ये प्रोजेक्ट नेशनल ग्रिड को बेहतर बनाने और प्राकृतिक आपदाओं से निपटने में मदद करेंगे। पहला प्रोजेक्ट 209.68 करोड़ रुपए का है। इसके तहत देश के पांचों क्षेत्रीय ग्रिड्स- उत्तरी, पूर्वी, पश्चिमी, दक्षिणी और उत्तर-पूर्वी- में वॉयस ओवर इंटरनेट प्रोटोकॉल सिस्टम (वीओआईपी) लगाया जाएगा। यह सिस्टम बिजली ट्रांसमिशन नेटवर्क को चलाने में बेहतर तालमेल और दक्षता लाएगा। इस प्रोजेक्ट का काम 23 अगस्त, 2026 तक पूरा होने की संभावना है। वीओआईपी सिस्टम से ग्रिड ऑपरेटर्स के बीच बातचीत आसान होगी। इससे बिजली आपूर्ति की निगरानी और प्रबंधन में सुधार होगा। दूसरा प्रोजेक्ट 495.83 करोड़ का है। इसके तहत मेक इन इंडिया पहल के तहत 20 सेट (300 टावर) इमरजेंसी रिस्टोरेशन सिस्टम (ईआरएस) खरीदे जाएंगे। यह सिस्टम प्राकृतिक आपदाओं या बुनियादी ढांचे में खराबी के दौरान बिजली लाइनों को जल्द ठीक करने में मदद करेगा। इस प्रोजेक्ट का काम 19 अप्रैल, 2027 तक पूरा होगा। ईआरएस सिस्टम देश की बिजली आपूर्ति को और भरोसेमंद बनाएगा। खासकर तूफान, बाढ़ या भूकंप जैसी आपदाओं में यह सिस्टम तेजी से काम करेगा। पावरग्रिड का कहना है कि ये दोनों प्रोजेक्ट देश की बिजली व्यवस्था को आधुनिक बनाने में अहम भूमिका अदा करेंगे।

ये निवेश भारत की ऊर्जा सुरक्षा को मजबूत करने और स्थानीय विनिर्माण को बढ़ावा देने की दिशा में भी बड़ा कदम हैं।

कंपनी का फोकस नेशनल ग्रिड को और मजबूत करने पर है ताकि बिजली आपूर्ति में किसी तरह की रुकावट न आए। ये प्रोजेक्ट पावरग्रिड की दूरदर्शी सोच को दिखाते हैं।

जीएसटी दरें कम होने के बाद सस्ते हुए कई कंपनियों के मॉडल

नई दिल्ली नई जीएसटी 2.0 लागू होने के बाद देश में कई कंपनियों के पसंदीदा एसयूवी मॉडलों की कीमतों गिरावट आई है। इन प्रमुख मॉडलों में किआ, महिंद्रा और टाटा के ऐसे पांच मॉडल शामिल हैं, जिनकी मांग हमेशा मजबूत रही है। अब ये 1.35 लाख से 1.86 लाख रुपए तक सस्ते हो गए हैं। सबसे अधिक छूट किआ सिरोस को मिली है। एचटीएक्स प्लस (ओ) एटी वैरिएंट पर 1.86 लाख रुपए तक की कटौती हुई है, जिससे यह प्रीमियम अनुभव और शक्तिशाली इंजन के साथ ज्यादा आकर्षक विकल्प बन गया है। वहीं, किआ सोनेट के जीटीएक्स प्लस एटी वैरिएंट पर 1.64 लाख रुपए तक की छूट मिली है, जिससे यह सब-4 मीटर एसयूवी बाजार में अपनी स्थिति मजबूत करता है। महिंद्रा की कॉम्पैक्ट एसयूवी एक्सयूवी 3एक्सओ के एएक्स7एल वैरिएंट की कीमत में 1.56 लाख रुपए तक की कमी आई है। मजबूत बनावट और परफॉर्मेंस के साथ अब यह और भी किफायती विकल्प बन गई है। भारत की सबसे ज्यादा बिकने वाली कॉम्पैक्ट एसयूवी टाटा नेक्सन के फेयरलैस प्लस पीएस डीके वैरिएंट की कीमत में 1.55 लाख रुपए तक की कटौती हुई है, जिससे यह और भी आकर्षक और प्रतिस्पर्धी बन गई है। पॉपुलर ऑफ-रोडर महिंद्रा थार के एलएक्स 2डब्ल्यूडी वैरिएंट की कीमत में 1.35 लाख रुपए तक की कमी हुई है।

वैभव सूर्यवंशी ने तोड़ा बाबर का रिकॉर्ड, अब हसन रजा को चुनौती

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय अंडर-19 टीम के स्टार बल्लेबाज वैभव सूर्यवंशी ने यूथ क्रिकेट में फिर एक नया कीर्तिमान स्थापित किया है। ऑस्ट्रेलिया दौरे पर खेले गए तीन मैचों की वनडे सीरीज में सूर्यवंशी ने शानदार प्रदर्शन करते हुए टीम इंडिया को 3-0 की क्लीन स्वीप दिलाई। हालांकि तीसरे मैच में वह केवल 16 रन बनाकर आउट हुए, लेकिन इससे पहले के मैचों में उनके प्रदर्शन ने उन्हें रिकॉर्ड की किताबों में दर्ज करा दिया। वैभव ने कुल 556 रन बनाए हैं और इस दौरान पाकिस्तान के पूर्व कप्तान बाबर आजम का रिकॉर्ड तोड़कर दूसरे स्थान पर पहुंच गए हैं। अब उनकी नजरें पाकिस्तान के हसन रजा के 727 रन के रिकॉर्ड को तोड़ने पर टिकी हैं। यूथ वनडे में 16 या उससे कम उम्र में सर्वाधिक रन बनाने के मामले में सूर्यवंशी का नाम अब शीर्ष खिलाड़ियों की सूची में शुमार हो गया है।

सूर्यवंशी ने हाल ही में यूथ वनडे में सबसे अधिक छक्के लगाने का वर्ल्ड रिकॉर्ड भी अपने नाम किया। इससे पहले यह रिकॉर्ड भारत के उनमुक्त चंद के नाम था, जिन्होंने 38 छक्के लगाए थे। वैभव ने अब 43 छक्कों के साथ इस सूची में पहले पायदान पर कब्जा जमा लिया है। उनकी यह उपलब्धि भारतीय अंडर-19 टीम के लिए गर्व का क्षण है और युवा क्रिकेटरों के लिए प्रेरणा का स्रोत भी बन रही है। वैभव सूर्यवंशी ने अब तक 11 पारियों में 556 रन बनाए हैं, उनकी औसत 50.54 और स्ट्राइक रेट 151.91 रहा है। उनकी इस बेहतरीन फार्म को देखते हुए विशेषज्ञ मानते हैं कि उनका करियर यूथ क्रिकेट में कई रिकॉर्ड तोड़ने वाला साबित हो सकता है। उनके तकनीकी कौशल, आक्रामक खेल और दबाव में शांत रहना उन्हें अन्य खिलाड़ियों से अलग बनाता है।

अंडर-19 टीम के कोच और विशेषज्ञों का कहना है कि वैभव सूर्यवंशी का प्रदर्शन केवल रन बनाने तक सीमित नहीं है, बल्कि वह खेल के सभी पहलुओं में टीम के लिए अहम योगदान दे रहे हैं। उनका यह लगातार उत्कृष्ट खेल भारतीय क्रिकेट के भविष्य के लिए भी संकेत है। अब सभी की निगाहें 16 या उससे कम उम्र में सर्वाधिक रन के रिकॉर्ड पर टिकी हैं, जिसे हसन रजा ने 727 रन बनाकर अपने नाम किया था। अगर वैभव अपनी फॉर्म को ऐसे ही जारी रखते हैं, तो बहुत जल्द यह रिकॉर्ड भी उनके नाम हो सकता है। यूथ क्रिकेट में सूर्यवंशी की चमक से भारतीय क्रिकेट प्रेमियों में नई उम्मीदें जाग रही हैं।

विश्व तीरंदाजी पैरा चैंपियनशिप : आईईडी धमाके में पैर गंवाया, अब पैरा तीरंदाजी चैंपियन बने तोमन

नयी दिल्ली (एजेंसी)। दक्षिण कोरिया में आयोजित विश्व तीरंदाजी पैरा चैंपियनशिप के स्वर्ण पदक विजेता तोमन कुमार ने छत्तीसगढ़ में 2022 में एक नक्सल विरोधी अभियान के दौरान एक घातक ढ्ढश्वष्ठ विस्फोट में अपना पैर गंवा दिया था लेकिन उन्होंने इसके बाद की चुनौतियों से पार पाते हुए सफलता की ओर कदम बढ़ाए।

CRPF (केंद्रीय आरक्षी पुलिस बल) के 30 वर्षीय कांस्टेबल ने अब तक अंतरराष्ट्रीय और राष्ट्रीय पैरा तीरंदाजी टूर्नामेंट में सात पदक जीते हैं। उन्होंने दक्षिण कोरिया के ग्वांगजू में आयोजित विश्व तीरंदाजी पैरा चैंपियनशिप में शनिवार को पुरुषों की कंपाउंड स्पर्धा का खिताब जीता।

तोमन CRPF की एक इकाई का हिस्सा थे जिसे देश के सबसे अधिक नक्सल हिंसा प्रभावित क्षेत्रों में से एक दक्षिण बस्तर क्षेत्र में नियुक्त किया गया था। फरवरी 2022 में CRPF और नक्सलियों के बीच भारी गोलीबारी के दौरान तोमन IED (इम्प्रोवाइज्ड एक्सप्लोसिव डिवाइस) विस्फोट में घायल हो गए।

CRPF के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि वह इसमें गंभीर रूप से घायल हो गए थे जिससे 12 फरवरी 2022 को उसका बायां पैर काटना पड़ा। उन्होंने कहा, 'तोमन कुमार 2017 में CRPF में शामिल हुए थे और जब वह मात्र 26 वर्ष के थे। लेकिन बस्तर में फरवरी में हुई इस मुठभेड़ में शरीर का एक अंग गंवाना पड़ा। लेकिन इसके बावजूद उन्होंने कभी पीछे मुड़कर नहीं देखा।'

अधिकारी ने आगे बताया कि वह CRPF के एक विशेष सेंटर NCDE (राष्ट्रीय दिव्यांग सशक्तिकरण केंद्र) में शामिल हो गए जिसे 2020 में शारीरिक रूप से अक्षमता का सामना करने वाले जवानों के लिए खोला गया था। उन्होंने बताया कि तोमन ने नवंबर 2023 में पैरा तीरंदाजी का अभ्यास शुरू किया और एक साल बाद सितंबर 2024 में उन्हें सीआरपीएफ की केंद्रीय (मुख्य) टीम में शामिल किया गया। तोमन ने तीन राष्ट्रीय प्रतियोगिताओं के अलावा, ग्वांगजू सहित चार अंतरराष्ट्रीय टूर्नामेंटों में भाग लिया है।

हर्षवर्धन ने रच दिया इतिहास, बिहार क्रिकेट एसोसिएशन के सबसे युवा अध्यक्ष चुने गए

पटना (एजेंसी)। बिहार क्रिकेट एसोसिएशन (BCA) ने रविवार को अपने 2025 के पदाधिकारियों के चुनाव के नतीजों की घोषणा की, जिससे हर्षवर्धन का निर्विरोध अध्यक्ष चुना जाना तय हो गया। केवल 24 साल की उम्र में उन्होंने सबसे युवा BCA अध्यक्ष बनकर इतिहास रच दिया, जिससे BCA के नेतृत्व में एक पीढ़ीगत बदलाव आया और बिहार के शीर्ष क्रिकेट संगठन में नई ऊर्जा का संचार हुआ।

प्रिया कुमारी उपाध्यक्ष की भूमिका निभाएंगी, जबकि जियाउल आरेफिन सचिव होंगे। अभिषेक नंदन को कोषाध्यक्ष और रोहित कुमार संयुक्त सचिव के रूप में कार्य करेंगे। रविवार को घोषित परिणामों के साथ अन्य सभी पदाधिकारी भी निर्विरोध चुने गए। इसके अतिरिक्त राजेश कुमार को प्रबंध समिति (जिला प्रतिनिधि) का सदस्य और ज्ञानेश्वर गौतम को शासी परिषद का सदस्य नियुक्त किया गया।

चुनाव एम. मोदस्सिर (सेवानिवृत्त आईएएस) की देखरेख में हुए और उनकी घोषणा की गई जिन्होंने चुनाव अधिकारी के रूप में कार्य किया। बिहार क्रिकेट एसोसिएशन (BCA) ने एक बयान में कहा, 'बिहार क्रिकेट के सभी हितधारकों द्वारा दिखाए गए विश्वास और समर्थन से हम अभिभूत हैं। हमारी सामूहिक प्राथमिकता जमीनी स्तर पर क्रिकेट को मज़बूत करना, मजबूत बुनियादी ढांचा बनाना और राज्य भर में युवा व महत्वाकांक्षी क्रिकेटरों के लिए अधिक अवसर पैदा करना होगा। हम सब मिलकर बिहार क्रिकेट को नई ऊँचाइयों पर ले जाने के लिए प्रतिबद्ध हैं।'

इस बीच, बिहार क्रिकेट एसोसिएशन ने घोषणा की है कि पुरुष सीनियर और अंडर-23 टीमों के लिए चयन ट्रायल और तैयारी शिविर मंगलवार 30 सितंबर से पटना के मोइन-उल-हक स्टेडियम में शुरू होगा। खिलाड़ियों को 29 सितंबर को शाम 4ः00 बजे तक स्टेडियम में रिपोर्ट करना होगा। BCA ने हाल ही में खिलाड़ियों की फिटनेस और चोट प्रबंधन पर एक फिजियोथेरेपी प्रशिक्षण सत्र का आयोजन किया था। इस कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य यह सुनिश्चित करना था कि बिहार के खिलाड़ी न केवल शारीरिक रूप से मज़बूत रहें, बल्कि चोट लगने की स्थिति में जल्दी मैदान पर वापसी भी कर सकें।

बीसीसीआई की जूनियर क्रिकेटरों पर सख्ती, आईपीएल में डेब्यू से पहले पास करनी होगी ये 'परीक्षा'

स्पोर्ट्स डेस्क। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (BCCI) ने युवा क्रिकेटरों के लिए नया नियम लागू कर सबको चौंका दिया है। अब कोई भी खिलाड़ी सीधे आईपीएल की चकाचौंध में छलांग नहीं लगा पाएगा। IPL में जगह बनाने से पहले उन्हें घरेलू क्रिकेट की 'परीक्षा' पास करनी होगी। यानी रणजी जैसे प्रथम श्रेणी मैच खेलना अब अनिवार्य कर दिया गया है। यह बदलाव न सिर्फ खिलाड़ियों को मजबूत बनाएगा बल्कि भारतीय क्रिकेट की जड़ों को भी और मज़बूत करेगा।

नियम में बदलाव:घरेलू अनुभव अनिवार्य

बीसीसीआई ने साफ़ कर दिया है कि अंडर-16 और अंडर-19 क्रिकेटर आईपीएल का हिस्सा तभी बन सकेंगे, जब वे कम से कम एक प्रथम श्रेणी मैच खेल चुके हों। पहले ऐसा कोई नियम नहीं था, और कई खिलाड़ी सीधे नीलामी या ट्रायल से आईपीएल में एंट्री ले लेते थे।

वैभव सूर्यवंशी का उदाहरण

इस बदलाव के महत्व को समझाने के लिए बीसीसीआई ने राजस्थान रॉयल्स के युवा बल्लेबाज़ वैभव सूर्यवंशी का उदाहरण दिया। मात्र 13 साल 243 दिन की उम्र में 1.10 करोड़ रुपये में खरीदे गए वैभव ने डेब्यू से पहले ही बिहार के लिए रणजी ट्रॉफी में पारी खेली थी। यही वजह है कि वह आईपीएल में सबसे कम उम्र में शामिल होने के बावजूद तैयार नज़र आए। अब तक उन्होंने पाँच प्रथम श्रेणी मैचों में 100 रन बनाए हैं।

घरेलू क्रिकेट की अहमियत बढ़ी

बीसीसीआई का मानना है कि आईपीएल की ग्लैमर और प्रतिस्पर्धा का सामना करने से पहले घरेलू स्तर का अनुभव ज़रूरी है। इससे खिलाड़ियों का आत्मविश्वास बढ़ेगा और वे सीधे अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट की चुनौतियों के लिए भी बेहतर ढंग से तैयार होंगे।

ज्यादा घरेलू मैच, ज्यादा इनाम

नए नियम के साथ बीसीसीआई ने एक और बड़ा ऐलान किया है–जो खिलाड़ी सीज़न में ज्यादा घरेलू मैच खेलेंगे, उन्हें ज्यादा भुगतान मिलेगा। इसका मकसद है खिलाड़ियों को लगातार खेलते रहने के लिए प्रोत्साहित करना और घरेलू टूर्नामेंटों को गंभीरता से लेने की प्रेरणा देना।

नतीजा : भारतीय क्रिकेट को नई दिशा

यह कदम भारतीय क्रिकेट के भविष्य को सुरक्षित करने वाला माना जा रहा है। अब हर जूनियर खिलाड़ी के लिए आईपीएल तक का रास्ता घरेलू क्रिकेट से होकर गुज़रेगा। इसका सीधा असर रणजी और दूसरे टूर्नामेंटों की प्रतिस्पर्धा पर भी पड़ेगा, जिससे न केवल खिलाड़ियों बल्कि भारतीय क्रिकेट की जड़ों को भी मजबूती मिलेगी।

अब रणजी खेलने के बाद ही आईपीएल खेल सकेंगे युवा क्रिकेटर

मुम्बई। अब कोई भी क्रिकेटर सीधे इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) नहीं खेल पायेगा। भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) ने एक नया नियम बनाय है जिसके तहत वही खिलाड़ी आईपीएल खेल सकता है जो रणजी ट्रॉफी खेला हुआ हो। बीसीसीआई का मानना है कि इस नये नियम से घरेलू क्रिकेट की उपेक्षा कोई क्रिकेटर नहीं कर पायेगा। बीसीसीआई ने ये भी स्पष्ट कर दिया है कि अंडर-16 और अंडर-19 क्रिकेटरों को भी आईपीएल खेलने से पहले जब वे कम से कम एक प्रथम श्रेणी मैच खेल खेलना होगा। वहीं अब तक ऐसे क्रिकेटर सीधे ही आईपीएल खेल लेते थे। बोर्ड के इस फैससे से घरेलू क्रिकेट का महत्व बढ़ेगा क्योंकि पिछले कुछ समय से देखने में आ रहा था कि क्रिकेटर घरेलू क्रिकेट में रुचि न लेते हुए मोटी रकम के लालच में सीधे आईपीएल खेलने का प्रयास कर रहे थे। वहीं बोर्ड का मानना है कि आईपीएल की ग्लैमर और प्रतिस्पर्धा का सामना करने से पहले घरेलू स्तर का अनुभव होना भीज़रूरी है। इससे खिलाड़ियों का आत्मविश्वास बढ़ेगा और वे अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट की चुनौतियों के लिए भी अच्छी तरह से होंगे।नए नियम के साथ बीसीसीआई ने घोषणा की है जो खिलाड़ी घरेल सत्र मे अधिक मैच खेलेंगे। उन्हें ज्यादा ईनाम मिलेगा।

रोहन जेटली बीसीसीआई इन्फ्रास्ट्रक्चर कमेटी के अध्यक्ष नियुक्त

मुंबई : दिल्ली एवं जिला क्रिकेट संघ (DDCA) के अध्यक्ष रोहन जेटली को भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) की इन्फ्रास्ट्रक्चर कमेटी का अध्यक्ष नियुक्त किया गया है। बोर्ड की रविवार को हुई 94वीं वार्षिक आम बैठक में यह फैसला किया गया। इस फैसले से डीडीसीए में हर्ष का माहौल व्याप्त हो गया है। उन्हें बधाई देते हुए कहा गया है कि यह प्रतिष्ठित नियुक्ति पूरे डीडीसीए परिवार के लिए गौरव का क्षण है। हम श्री जेटली को निरंतर सफलता के लिए शुभकामनाएँ देते हैं और उनके नेतृत्व में डीडीसीए को नई ऊँचाइयों तक पहुँचाने की आशा करते हैं।

कोको गॉफ चीन ओपन के तीसरे दौर में पहुंची, लेला फर्नांडीज को हराया

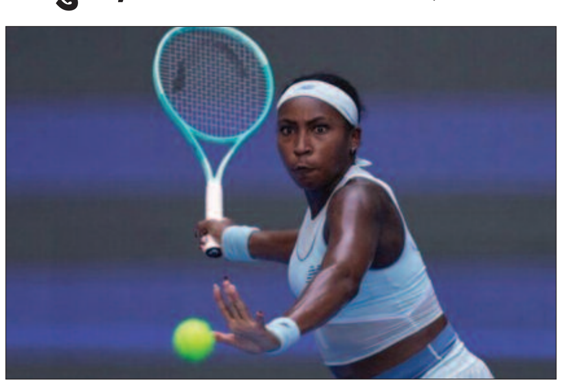

बीजिंग। फ्रेंच ओपन चैंपियन कोको गॉफ ने रविवार को यहां कड़े मुकाबले में लेला फर्नांडीज को तीन सेट में हराकर चीन ओपन टेनिस टूर्नामेंट के तीसरे दौर में प्रवेश किया। गत चैंपियन गॉफ ने दूसरा सेट गंवाने के बावजूद फर्नांडीज को 6-4, 4-6, 7-5 से शिकस्त दी। दूसरा सेट गंवाने के बाद गॉफ ने तीसरे और निर्णायक सेट के 12वें गेम में विरोधी खिलाड़ी की सर्विस तोड़कर जीत दर्ज की। गॉफ इस डब्ल्यूटीए 1000 सीरीज टूर्नामेंट के अगले दौर में 16वें नंबर की खिलाड़ी बेलिंडा बेनसिच और ऑस्ट्रेलिया की प्रिसकिला होन के बीच होने वाले मैच के विजेता से भिड़ेंगी। इससे पहले इवा लिस ने 10वें नंबर की खिलाड़ी एलेना रिबाकिना को 6-3, 1-6, 6-4 से हराया जबकि अमेरिका की मैकार्टनी केसलर ने बारबरा क्रेसिकोवा के 1-6, 7-5, 3-0 के स्कोर पर मुकाबले के बीच से हटने पर अगले दौर में जगह बनाई। महिला टूर्नामेंट के साथ चल रहे एटीपी 500 पुरुष टूर्नामेंट में लोरेंजो मुसेटी ने अनुभवी एड्रियन मनारिनो को दूसरे दौर के मुकाबले में 6-3, 6-3 से हराया। मुसेटी अगले दौर में लर्नर टिएन से भिड़ेंगे जिन्होंने फ्लावियो कोबोली को 6-3, 6-2 से हराया।

नेपाल ने टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच में वेस्टइंडीज को हराकर सबको हैरान किया

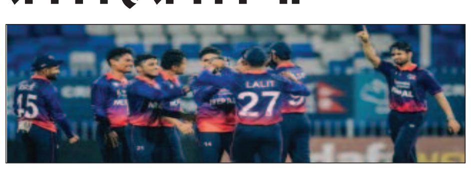

शारजाह। नेपाल क्रिकेट यहां खेले गये पहले टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच में विजेता को 19 रनों से हराकर सबको हैरान कर दिया। इस जीत से पता चलता है कि नेपाल क्रिकेट कितनी तेजी से आगे बढ़ रहा है। ये पहली बार है जब नेपाल की टीम ने किसी पूर्णकालिक सदस्य देश को हराया है। नेपाल की टीम ने इस जीत से दिखा दिया है कि उसके खिलाड़ी खेल को लेकर कितने गंभीर है और उनमे जुनून की कमी नहीं है। इस मैच मे पहले बल्लेबाजी करते हुए नेपाल की टीम की शुरुआत अच्छी नहीं रहे और उसने शुरुआत में ही दो विकेट खो दिये पर इसके बाद कप्तान रोहित पौडेल ने 38 रन और कुशल मल्ला ने 30 रन बनाकर पारी को संभाला। वहीं इसके बाद गुलशन झा ने 22 और दीपेंद्र सिंह ऐरी ने 17 रन बनाये। इस प्रकार निर्धारित 20 ओवर्स में नेपाल ने 8 विकेट पर 148 रन बनाये। वेस्टइंडीज की ओर से जेसन होल्डर ने 4 विकेट लिए जबकि पहला मैच खेल रहे नवीन बिदाईसी ने भी 3 विकेट लिए। इसके बाद जीत के लिए मिले लक्ष्य का पीछा करते हुए वेस्टइंडीज की शुरुआत भी खराब रही। काइल मेयर्स केव 5 रन बनाकर पेवेलियन लौट गये। इसके बाद एकीम ऑगस्टे ने 15 जबकि आमिर जंगू ने 19 रन बनाये। कीसी कार्टी 16 और अंत में फैबियन एलन 19 व कप्तान अकील हुसैन 18 रन ही बना पाये। कैरिबियाई टीम 20 ओवर में 9 पर केवल 129 रन ही बना पायी।नेपाल की ओर से कुशल भुरतेल ने सबसे अधिक 2 विकेट जबकि रोहित पौडेल, ललित राजबंशी, करण केसी, दीपेंद्र ऐरी और नंदन यादव ने एक-एक विकेट लिया। इस जीत से जहां नेपाल टीम का मनोबल बढ़ा है, वहीं दो बार की विश्व विजेता रही वेस्टइंडीज के गिरते स्तर का अंदाजा होता है।

वेस्टइंडीज सीरीज में करुण नायर को जगह न मिलने पर कोच ने जताई नाराजगी

मुंबई (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेटर करुण नायर को आगामी वेस्टइंडीज टेस्ट सीरीज के लिए 15 सदस्यीय टीम में जगह नहीं मिलने पर उनके बचपन के कोच विजय मद्यालकर ने अपनी नाराजगी व्यक्त की है। नायर ने इंग्लैंड के खिलाफ एंडरसन-तेंदुलकर ट्रॉफी में 8 पारियों में 205 रन बनाए थे, जिसमें सिर्फ एक अर्धशतक शामिल था, जिसके बावजूद उन्हें वेस्टइंडीज सीरीज से बाहर रखा गया। मद्यालकर ने कहा कि नायर आगामी सीरीज में अच्छा प्रदर्शन कर सकते थे और वह भारतीय परिस्थितियों के लिए पूरी तरह अनुकूल हैं। उन्होंने बताया, मुझे उसके लिए बहुत बुरा लगा। मुझे लगता है कि वह एक और मौके का हकदार था। इंग्लैंड जैसी कठिन परिस्थितियों में, जहाँ बल्लेबाजी आसान नहीं होती, उसने अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन किया।

कोच ने आगे कहा कि चयनकर्ताओं का नजरिया अलग होता है और उनकी सोच का सम्मान करना पड़ता है। उन्होंने कहा, यह उनका फैसला है। वे अलग तरह से सोचते हैं। लेकिन मैं व्यक्तिगत रूप से मानता हूं कि नायर ने इंग्लैंड में जो किया, वह पर्याप्त था। उन्होंने भारत में भी अच्छे रन बनाए थे और अब उन्हें घरेलू परिस्थितियों में मौका देना चाहिए था।

मद्यालकर का यह भी मानना है कि नायर की तकनीक और मानसिक मजबूती उन्हें भारतीय परिस्थितियों में विशेष रूप से प्रभावशाली बल्लेबाज बनाती है। भारत में विकेट और मौसम की परिस्थितियों के अनुसार नायर का खेल अधिक कारगर हो सकता है। इंग्लैंड में हालात हमेशा बल्लेबाजी के लिए आसान नहीं होते। ऐसे खिलाड़ी को मौका देने से टीम को फायदा ही होगा, उन्होंने कहा। 34 वर्षीय करुण नायर का नाम लंबे समय से भारतीय टेस्ट टीम में भरोसेमंद बल्लेबाज के रूप में लिया जाता रहा है। हालांकि इंग्लैंड में उनके स्कोर अपेक्षाकृत मध्यम रहे, फिर भी कोच मद्यालकर का मानना है कि उनकी तकनीक और अनुभव उन्हें घरेलू परिस्थितियों में बेहतर प्रदर्शन करने में सक्षम बनाते हैं।

इस निर्णय के बाद क्रिकेट प्रेमियों और विश्लेषकों के बीच भी चर्चा शुरू हो गई है कि क्या भारतीय परिस्थितियों में अनुभव और तकनीक रखने वाले खिलाड़ियों को अंतरराष्ट्रीय सीरीज में मौका दिया जाना चाहिए। करुण नायर की अगली चुनौती अब यह साबित करना होगी कि वह भारतीय परिस्थितियों में टीम के लिए महत्वपूर्ण योगदान दे सकते हैं।

वेस्टइंडीज टेस्ट के लिए भारत की टीमः शुबमन गिल (कप्तान), यशस्वी जयसवाल, केएल राहुल, साई सुदर्शन, देवदत्त पडिक्कल, ध्रुव जुरेल (विकेटकीपर), रवींद्र जड़ेजा (उपकप्तान), वॉशिंगटन सुंदर, जसप्रित बुमरा, अक्षर पटेल, नितीश कुमार रेड्डी, नारायण जगदीसन (विकेटकीपर), मोहम्मद सिराज, प्रसिद्ध कृष्णा, कुलदीप यादव।

बंगलादेश ने अफगानिस्तान के खिलाफ टीम की घोषणा की, टी20 सीरीज से बाहर हुए कप्तान लिटन दास

ढाका। बंगलादेश के कप्तान लिटन दास एशिया कप के दौरान पेट की बाईं मांसपेशी में ग्रेड 1 खिंचाव के कारण अफगानिस्तान के खिलाफ आगामी टी20 सीरीज से बाहर हो गए हैं। दास की अनुपस्थिति में जैकर अली टीम की कप्तानी जारी रखेंगे। टीम के फिजियो बैजेदुल इस्लाम खान ने कहा, 'वह (दास) साइड स्ट्रेन के कारण एशिया कप के पिछले दो मैच नहीं खेल पाए थे। एमआरआई स्कैन से पेट की बाईं मांसपेशी में ग्रेड 1 खिंचाव का पता चला है। वह रिकवरी कर रहे हैं और टी20 सीरीज के लिए उपलब्ध नहीं होंगे। मेडिकल टीम उनके पुनर्वास का प्रबंधन और उनकी प्रगति पर नजर रखेगी।' यह 32 वर्षीय बल्लेबाज एशिया कप खेलने वाली बंगलादेशी टीम में शामिल एकमात्र खिलाड़ी हैं। शारजाह में खेली जाने वाली तीन मैचों की यह श्रृंखला 2 अक्टूबर से शुरू होगी।

बंगलादेशी टीम – जैकर अली (कप्तान), तंजीद हसन, परवेज हुसैन इमोन, सैफ हसन, तौहीद हृदॉय, शमीम हुसैन, नूरुल हसन, रिशाद हुसैन, महेदी हसन, नसुम अहमद, तस्कीन अहमद, तनजीम हसन साकिब, मुस्तफिजुर रहमान, शरीफुल इस्लाम, मोहम्मद सैफुद्दीन, सौम्या सरकार

फीफा इंटरकॉन्टिनेंटल कप 2025 के अंतिम चरण की मेजबानी करेगा कतर

दोहा। कतर फीफा इंटरकॉन्टिनेंटल कप 2025 के अंतिम तीन मैचों की मेजबानी करेगा। यह टूर्नामेंट सभी छह महाद्वीपों के क्लब चैंपियनों को वैश्विक मंच पर प्रतिस्पर्धा करने का मौका देता है। फाइनल 17 दिसंबर को होगा, जिसमें पेरिस सेंट-जर्मेन अपने प्रतिद्वंद्वियों के खिलाफ उतरेंगे। तीसरा मैच, जिसे 'फीफा डर्बी ऑफ द अमेरिकास' कहा गया है, 10 दिसंबर को खेला जाएगा। इसमें मैक्सिकन क्लब क्रूज अजुल, जो कॉनकाकाफ चैंपियंस कप 2025 के विजेता हैं, और कॉनमेबोल लिबर्टाडोरेस 2025 के विजेता का मुकाबला होगा। डर्बी विजेता टीम 13 दिसंबर को मिस्र की पिरामिड्स के खिलाफ फीफा चैलेंजर कप में उतरेगी। पिरामिड्स ने 23 सितंबर को जेद्दा में फीफा अफ्रीकी-एशियाई-प्रशांत कप जीतकर अपनी जगह पक्की की थी। प्रतियोगिता का समापन 17 दिसंबर को पांचवें मैच के साथ होगा, जिसमें चैलेंजर कप विजेता टीम पेरिस सेंट-जर्मेन से भिड़ेगी। कतर इस साल फीफा अंडर-17 विश्व कप और फीफा अरब कप का भी आयोजन कर रहा है, जिसमें फीफा विश्व कप 2022 के लिए बनाए गए स्टेडियम और सुविधाओं का उपयोग किया जाएगा। तीसरा और चौथा मैच अहमद बिन अली स्टेडियम में होंगे, जबकि फाइनल स्थल की घोषणा बाद में की जाएगी। पिछले साल, रियल मैड्रिड ने नए टूर्नामेंट प्रारूप में लुसैल स्टेडियम में पचुका को हराकर शानदार जीत दर्ज की थी, जिसमें लगभग 70,000 दर्शक मौजूद थे। कतर की लगातार मेजबानी, विश्वस्तरीय फुटबॉल आयोजनों के लिए इसकी स्थायित्व और तैयारियों को उजागर करती है। इस साल का इंटरकॉन्टिनेंटल कप क्लब फुटबॉल प्रेमियों के लिए रोमांच और प्रतिस्पर्धा से भरपूर अनुभव साबित होगा।

बुल्गारियाई पैरा खिलाड़ी ने रचा इतिहास, विश्व रिकॉर्ड तोड़कर जीता लगातार छठा स्वर्ण

स्पोर्ट्स डेस्क। खेलों की दुनिया में कुछ नाम सिर्फ जीतने के लिए नहीं, बल्कि इतिहास बदलने के लिए जाने जाते हैं। बुल्गारिया के पैरा शॉटपुट स्टार रुज़्दी ने ऐसा ही कमाल कर दिखाया। दुबई में हो रही विश्व पैरा एथलेटिक्स चैंपियनशिप में उन्होंने न केवल लगातार छठा स्वर्ण पदक जीता, बल्कि अपने ही बनाए विश्व रिकॉर्ड को ध्वस्त कर नई ऊँचाई छू ली। उनका यह कारनामा खेल प्रेमियों के लिए प्रेरणा से कम नहीं।

छठा स्वर्ण और नया विश्व रिकॉर्ड

34 वर्षीय रुज़्दी रविवार को पुरुषों की शॉटपुट स्न55 स्पर्धा में उतरे तो सबकी निगाहें उन पर थीं। आखिरी और छठे प्रयास में उन्होंने 12.94 मीटर की शानदार थ्रो लगाई। यह दूरी उनके ही 2023 पेरिस विश्व चैंपियनशिप में बनाए 12.68 मीटर के रिकॉर्ड से कहीं आगे थी। इस उपलब्धि के साथ उन्होंने पैरा शॉटपुट में अपना दबदबा और मज़बूत कर दिया।

पदक तालिका

स्वर्णः रुज़्दी (बुल्गारिया) - 12.94 मीटर

रजतः नेबोजसा ड्यूरिक (सर्बिया) - 12.52 मीटर

कांस्यः लेक स्टोल्टमैन (पोलैंड) - 12.02 मीटर

ड्यूरिक और स्टोल्टमैन ने भले ही व्यक्तिगत श्रेष्ठ प्रदर्शन किया हो, लेकिन रुज़्दी का जलवा उनके ऊपर भारी पड़ा।

एक ही दिन टूटे तीन रिकॉर्ड

दूसरे दिन सुबह के सत्र में रुज़्दी के अलावा भी तीन नए विश्व रिकॉर्ड बने।

मलेशिया के अब्दुल लतीफ रोमली ने पुरुषों की लंबी कूद ञ्20 में 7.67 मीटर की छलांग लगाकर स्वर्ण पदक जीता और अपनी हैट्रिक पूरी की।

यूक्रेन के वोलोडिमिर पोनोमारेंको ने शॉटपुट ञ्12 में 17.39 मीटर फेंककर नया रिकॉर्ड बनाया।

अल्जीरिया की नसीमा सैफी ने महिलाओं की डिस्कस थ्रो स्न57 स्पर्धा में 34.54 मीटर का थ्रो लगाकर लगातार छठा स्वर्ण अपने नाम किया।

रुज़्दी की संघर्ष गाथा

रुज़्दी की सफलता सिर्फ खेल की उपलब्धि नहीं, बल्कि इंसानी जज़्बे की कहानी है। एक कार दुर्घटना में उनके कमर से नीचे का हिस्सा लकवाग्रस्त हो गया था। लेकिन उन्होंने हार मानने के बजाय खेल को अपनी नई पहचान बना लिया। 2015 दोहा से शुरू हुई उनकी स्वर्ण यात्रा अब तक हर संस्करण में जारी है। यह तीसरी बार है जब उन्होंने विश्व रिकॉर्ड के साथ स्वर्ण पदक अपने नाम किया।

...तो घर में जरूर रखें बांसुरी

भगवान श्रीकृष्ण को बांसुरी बहुत प्रिय है। बांसुरी कृष्णजी को प्रिय होने के कारण उसको प्रकृति का अनुपम वरदान है। ज्योतिष के अनुसार बांसुरी का इस्तेमाल अगर सोच समझकर किया जाए तो यह हमें कई प्रकार के दोषों से बचाती है। वास्तु और फेंगशुई के अनुसार, बांसुरी को अगर घर, दुकान में रखा जाए है तो इसके कई लाभ मिलते हैं। बांसुरी से होने वाले लाभ कौन-कौन से है, आइए जानते है।

- फेंगशुई विद्या के अनुसार, बांसुरी घर में रखना बहुत शुभ माना गया है। यह उन्नति और प्रगति दोनों देने में बहुत सहायक है। इस प्रकार बांसुरी प्रकृति का एक अनुपम वरदान है।
- बांसुरी बांस से बनी होती है तथा इसके पौधे को दिव्य माना जाता है। अतः घर में बांसुरी का प्रयोग करके कई तरह से लाभ उठाया जा सकता है।
- बांसुरी के संबंध में एक धार्मिक मान्यता है कि जब बांसुरी को हाथ में लेकर हिलाया जाता है तो बुरी आत्माएं दूर हो जाती हैं।
- जब बांसुरी को बजाया जाता है तो ऐसी मान्यता है कि घरों में शुभ चुम्बकीय प्रवाह का प्रवेश होता है।
- यदि सोच-समझकर इसका उपयोग किया जाए तो दोषों का बिना किसी तोड़-फोड़ के निवारण कर अशुभ फलों से बचा जा सकता है।
- ऐसा माना जाता है कि जो व्यक्ति अपनी नौकरी से परेशान रहता हैं, बांसुरी उसकी सारी मुश्किलें आसान कर सकता है।
- जो व्यक्ति काफी मेहनत के बाद भी अपने बिजनेस में सफलता हासिल नहीं कर पाते उनके लिए बांस से बनी यह बांसुरी उन्नति और समृद्धि दोनों देने में सक्षम है। अतः उन्हें भगवान श्रीकृष्ण का पूजन करते हुए अपने दुकान की छत पर दो बांसुरी चिपकानी चाहिए या टांग देनी चाहिए। यह बहुत ही सरल उपाय है जो आपको अपने बिजनेस में उन्नति के शिखर पर ले जाएगा।

सूर्यास्त के बाद झाड़ू-पौंछा न करें

धार्मिक गंथों में ऐसी कई सार्वभौमिक सत्य बातें बताई गई हैं, जिनका अनसुरण कर हम अपना सौभाग्य लिख सकते हैं या प्रतिकूल ग्रहों को अनुकूल बना सकते हैं। आइए जानें ऐसी पांच चीजों के बारे में जो हमारे अच्छे व सुखद भविष्य की भी नींव रखती हैं।

थाली में न छोडें झूठा अन्न

शास्त्रानुसार कभी भी खाने की प्लेट में जूठा नहीं छोडना चाहिए और न ही कभी जूठे बर्तनों को यूं ही पढ़े रहने देना चाहिए। रात को सोने से पहले सभी जूठे बर्तन धो लेने चाहिए अन्यथा इससे घर में अशांति का वातावरण बनना शुरु हो जाएगा जो अंततः घर के दुर्भाग्य में बदल जाएगा।

बैड को रखें नीट एंड क्लीन

शास्त्रों के अनुसार बेडरूम सुव्यवस्थित तथा साफ-सुथरा होना चाहिए। खास तौर पर बिस्तर पर बिछी हुई चादर बिल्कुल साफ होनी चाहिए साथ ही कमरे में कचरा नहीं फैला होना चाहिए। ऐसा नहीं करने पर उस बिस्तर पर सोने वाले का सौभाग्य भी दुर्भाग्य में बदल जाता है।

जगह-जगह थूकना लाता है दुर्भाग्य

कहीं भी थूक देना (विशेष तौर पर घर में, देव मंदिरों में, सार्वजनिक स्थानों पर) शास्त्रों में पूरी तरह गलत बताया गया है। इससे घर की लक्ष्मी रूठ कर चली जाती है। हमें यथासंभव अपने आसपास साफ-सफाई रखनी चाहिए। माना जाता है कि ऐसा करने से घर की सुख-शांति खत्म हो जाती है और कंगाली घर में प्रवेश कर जाती है।

बाथरूम को रखें साफ-सुथरा

बाथरूम को चन्द्रमा का स्थान माना गया है। जिन घरों में बाथरूम गंदा रहता है या अस्त-व्यस्त पड़ा रहता है, उन घरों के स्वामी की कुंडली में चन्द्रमा पर ग्रहण लग जाता है जिससे उस घर में रहने वालों की मानसिक शांति समाप्त हो जाती है तथा वहां धन की कमी होने लगती है।

पूजा में भगवान श्रीगणेश जी का है सर्वश्रेष्ठ स्थान

हिन्दू धर्म शास्त्रों के अनुसार, किसी भी शुभ काम के करने से पहले गणेश पूजन आवश्यक हैं। इससे प्रसन्न होकर गणेश जी सारे काम निर्विघ्न कर देते हैं। हिन्दू संस्कृति और पूजा में भगवान श्रीगणेश जी को सर्वश्रेष्ठ स्थान दिया गया है। प्रत्येक शुभ कार्य में सबसे पहले भगवान गणेश की ही पूजा की जाती अनिवार्य बताई गयी है। देवता भी अपने कार्यों की बिना किसी विघ्न से पूरा करने के लिए गणेश जी की अर्चना सबसे पहले करते हैं।

ऐसा कहा जाता है कि गणेश जी की पूजा में दूर्वा का सबसे ज्यादा महत्वपूर्ण मानी जाती है और साथ ही यह मान्यता है कि गणपति को दूर्वा चढ़ाने से सभी मनोकामनाएं पूर्ण हो जाती हैं। ऐसे में दूर्वा को पूजन परंपरा से जोडकर उन्होंने दुर्लभ वनस्पतियों को बचाने का संदेश दिया है क्योंकि इससे हम धरती की रक्षा कर अपने लिए एक स्वच्छ वातावरण का निर्माण कर सकेंगे।

ऐसे में कहा जाता है गणपति की साधना-अराधना के लिए बताए गए 108 नाम के बारे में जिनके जप करने से भीतरी आध्यात्मिक शक्ति का विकास होता है। यह भी माना जाता है कि श्री गणेश जी के 21 नाम वालें मंत्रों और 21 पेड़ों के पत्तों को अर्पित करने पर उनकी विशेष कृपा प्राप्त होती है।

मान्यता है कि पूजन की इस परंपरा के पीछे जीवनदायक प्राण वायु प्रदान करने वाले वृक्षों को न काटने का गूढ़ रहस्य छिपाया गया है। वहीं इस बात को कहने का तात्पर्य गणपति की साधना-अराधना से जुड़े इन वृक्षों संरक्षण किया जाना चाहिए। श्री गणेश नाम वृक्षों के नाम आइए जानते हैं।

इन मंत्रों का करें जाप

ओम सुमुखाय नमः शमी पत्र।
ओम गणाधीशाय नमः भृंगराज पत्र।
ओम उमापुत्राय नमः बेल पत्र।
ओम गजामुखाय नमः दूर्वापत्र।
ओम लम्बोदराय नमः बेर का पत्र।
ओम हर पुत्राय नमः धतूरे का पत्र।
ओम शूर्पकर्णाय नमः तुलसी के पत्र।
ओम वक्रतुण्डाय नमः सेम का पत्र।
ओम गुहाग्रजाय नमः अपामार्ग पत्र।
ओम एकदंताय नमः भटकटैया पत्र।
ओम हेरम्बाय नमः सिंदूर पत्र।
ओम चतुर्होत्रे नमः तेज पत्र।
ओम सर्वेश्वराय नमः अगस्त पत्र।
ओम विकटाय नमः कनेर पत्र।
ओम हेमतुण्डाय नमः केला पत्र।
ओम विनायकायनमः आक पत्र।
ओम कपिलाय नमः अर्जन पत्र।
ओम वटवे नमः देवदारू पत्र।
ओम भालचंद्रय नमः महुए के पत्र।
ओम सुराग्रजाय नमः गांधारी पत्र।
ओम सिद्धि विनायक नमः केतकी पत्र।

परिवार और व्यक्ति के दुख दूर करते हैं यह सरल उपाय

बुधवार के दिन घर में सफेद रंग के गणपति की स्थापना करने से समस्त प्रकार की तंत्र शक्ति का नाश होता है।

धन प्राप्ति के लिए बुधवार के दिन गणेश को घी और गुड़ का भोग लगाएं। थोड़ी देर बाद घी व गुड़ गाय को खिला दें। ये उपाय करने से धन संबंधी समस्या का निदान हो जाता है।

परिवार में कलह कलेश हो तो बुधवार के दिन दूर्वा के गणेश जी की प्रतिकात्मक मूर्ति बनवाएं। इसे अपने घर के देवालय में स्थापित करें और प्रतिदिन इसकी विधि-विधान से पूजा करें। घर के मुख्य दरवाजे पर गणेशजी की प्रतिमा लगाने से घर में सुख-समृद्धि बनी रहती है। कोई भी नकारात्मक शक्ति घर में प्रवेश नहीं कर पाती है।

तुलसी के पौधे को कभी भी दक्षिण में न लगाएं

हर व्यक्ति के जीवन में शांति और सम्पन्नता का होना जरूरी है और सम्पन्नता के लिए लक्ष्मी का प्रसन्न होना बेहद आवश्यतक है। वास्तु शास्त्र के अनुसार कुछ खास बातें नहीं की जाएं तो लक्ष्मी की कृपा और आशीर्वाद हमेशा बना रहता है।

- वास्तु शास्त्र के अनुसार घर के दरवाजों को कभी भी ना खटखटाएं। घर के गेट पर बैल लगाएं या आवाज देकर मालिक को बुलाएं। गेटों को खटखटाने और बजाने से वास्तु दोष बढता है। ऐसे में लक्ष्मी वहां ज्यादा दिनों तक टिकती नहीं है।
- वास्तु के अनुसार सर्वप्रिय देव श्रीगणेश की मालिक द्वारा आराधना जरूरी होती है। यदि घर का मालिक सुबह उठकर श्रीगणेशजी का ध्यान कर पूजा-अर्चना करता है तो घर के वास्तु दोष तुरंत दूर होते हैं।
- वास्तु के अनुसार तुलसी के पौधे को कभी भी दक्षिण में न लगाएं, इससे जीवन में अशुभता आने लगती है। तुलसी जी के पौधे को पूर्व या उत्तर में लगाना उचित रहता है।
- गंदे कपडे पहनने से भी वास्तु दोषों में बढोतरी होती है। कोशिश करें कि दो दिन के अलावा तीसरे दिन भी पुराने कपडे नहीं पहनें।
- घर की सफाई रात को करना भी वास्तु के अनुसार ठीक नहीं है। कहते हैं कि शाम को जो धूल एकत्रित होती है, वही लक्ष्मी जी की कृपा होती है।

सकारात्मक ऊर्जा और तन-मन की शांति के लिए..

धार्मिक ग्रंथों के अनुसार अच्छी सेहत और प्रसन्न तन-मन के लिए कुछ उपयोगी टिप्स दैनिक व्यवहार में लाकर आप एक सुंदर एवं स्वस्थ जीवन जी सकते हैं।

- सूर्योदय से पूर्व उठने की आदत डालें, इससे सकारात्मक ऊर्जा की प्राप्ति होती है जो तन, मन और मस्तिष्क को शांत करती है।
- प्रातः काल आसपास के खुले स्थान, पार्क या भवन की छत पर जाकर पूर्व दिशा की ओर मुंह करके थोड़ा व्यायाम करें और लंबी सांस लें। इससे प्रकृति में सुबह के समय व्याप्त सकारात्मक ऊर्जा यानी आक्सीजन का भरपूर उपयोग करके आप शरीर को स्वस्थ रख सकते हैं।
- अच्छे स्वास्थ्य के लिए भोजन करते समय आपका मुख सदा पूर्व या उत्तर में रहे। कभी भी पलंग पर बैठकर, खड़े होकर या आड़े-तिरछे बैठकर भोजन न करें।
- भोजन या तो भूमि पर आसन बिछाकर करें या फिर डायनिंग टेबल का प्रयोग करें। विधिवत भोजन करने से शरीर चुस्त दुरूस्त रहता है।
- खाना खाते वक्त टेलीविजन नहीं देखें, इससे उत्पन्न होने वाली नकारात्मक ऊर्जा के प्रभाव से सभी ज्ञानेंद्रियों पर विपरीत असर पड़ता है। इससे पेट की बीमारियों का खतरा बढ़ जाता है। अतः भोजन करते समय टेलीविजन देखने की बजाए पारिवारिक दिनचर्या पर गपशप करें।
- दवाइयों को डायनिंग टेबल पर नहीं रखें, ये नकारात्मक ऊर्जा की प्रतीक होती है। ऐसा करके हम दवाइयों को भोजन का हिस्सा बनाने का निमंत्रण देते हैं, ऐसा नहीं करें।
- यदि घर में बच्चों या वृद्धों के लिए कुछ टॉनिक आदि का प्रयोग कर रहे हों, तो ऐसे टॉनिक की शीशियां व डिब्बे घर की पूर्व दिशा में बनी आलमारियों में रखें और किसी बीमारी से संबंधित दवाइयों को दक्षिण या पश्चिम में रखें।
- भोजन पूर्व की तरफ मुंह करके ही बनाएं। यह सेहत के लिए उत्तम और सुखदायी होता है। रसोईघर आग्नेय कोण में ही बनाएं। रसोईघर की व्यवस्था उत्तर-पूर्व में न करें। यह धन और स्वास्थ्य को नुकसान पहुंचाता है। ज्वलनशील पदार्थों को भी दक्षिण-पूर्व में रखें।
- रसोईघर की दीवारों का रंग हल्का पीला, नारंगी या हल्का लाल रखें। जिससे भोजन सुप्पाच्य होकर भूख बढ़ाने में सहायक साबित होगा। जब एक साथ मिलकर सभी खाना खा रहे हों, तो घर के मुखिया का मुंह पूर्व में तथा अन्य सदस्यों का मुंह उत्तर या पश्चिम में होना चाहिए। दक्षिणामुख कभी नहीं बैठें। इससे पाचन क्रिया ठीक रहती है। हाथ आदि साफ कर प्रसन्नतापूर्वक खाने से आरोग्यता बढ़ती है।

गोमेद एक खूबसूरत रत्न जीवन को भी बना देता है सुंदर

ज्योतिष विज्ञान में गोमेद को एक खूबसूरत रत्न माना गया है, जो जीवन को सुंदर बना देता है। गोमेद सबसे लाभदायक रत्नों में से एक माना गया है। गोमेद राहु ग्रह से संबंधित रत्न माना गया है। ज्योतिष शास्त्र में राहु को पाप ग्रह माना जाता है अतः ज्योतिषाचार्यों द्वारा राहु के दुष्प्रभावों को समाप्त करने के लिए गोमेद रत्न धारण करने की सलाह दी जाती है। ध्यान रखने योग्य यह है कि गोमेद के साथ माणिक्य, मूंगा और पुखराज नहीं पहनना चाहिए।

यह रत्न जहां रुके कार्यों पूर्ण करने का कार्य करता हैं, वहीं जीवन के हर क्षेत्र में सफलता देता है। ज्योतिषियों की मानें तो जन्म कुंडली की दशाओं को जानकर ही इस रत्न को धारण करना उचित रहता है। इतना ही नहीं गोमेद ब्लड कैंसर, कम सुनाई देना, आंखों तथा जोड़ों के दर्द जैसी बीमारियों से भी निजात दिलाता है। गोमेद एक चमकदार और अपारदर्शी रत्न है। यह गहरे भूरे अथवा लाल रंग की तरह होता है। इसे गारनेट समूह का रत्न माना जाता है। यह दुनिया में कई स्थानों पर पाया जाता है। गोमेद मुख्य रूप से यह भारत, श्रीलंका और ब्राजील में आसानी से मिल जाता है तथा साउथ अफ्रीका, थाईलैंड और ऑस्ट्रेलिया में भी यह रत्न पाया जाता है। राहु ग्रह से संबंधित इस रत्न को हिन्दी में गोमेद और अंग्रेजी में हैसोनाइट स्टोन कहते हैं। गोमेद रत्न 6 रत्ती से कम का धारण नहीं करना चाहिए। यह रत्न शनि की होरा में शुक्ल पक्ष के किसी भी शनिवार को पहनना अतिशुभ माना गया है। यदि शनिवार के दिन शतभिषा, स्वाती या आर्द्रा नक्षत्र में इसे धारण किया जाए तो गोमेद की शुभता अधिक बढ़ जाती है।

रत्न धारण करने की विधि

गोमेद रत्न की अंगूठी को सबसे पहले गंगा जल, दूध, शहद और मिश्री के घोल में डालकर एक रात उसमें ही रहने दें। तत्पश्चात ऊँ रां राहवे नमः मंत्र का 108 बार जाप करके कनिष्ठा में धारण करना चाहिए।

किस अंगुली में धारण करें

इसे चांदी या अष्टधातु की अंगूठी में जड़वा कर पहनना उचित रहता है। राहु का रत्न गोमेद को कनिष्ठा ऊंगली में पहनना चाहिए, क्योंकि मिथुन राशि में उच्च का होने से बुध की अंगुली कनिष्ठा में पहनना शुभ फलदायी रहता है। यह राहु के अशुभ प्रभाव को दूर करता है। गोमेद धारण करने से राहु की दशा-महादशा को दुष्प्रभावों से निजात मिलती है। यह रत्न शत्रुओं पर विजय दिलाने वाला भी माना जाता है, इतना ही नहीं इसे धारण करने से सकारात्मक विचार, एकाग्रता और आत्मविश्वास भी बढ़ता है।

कौन धारण करें

इसे राजनीतिज्ञ, जासूसी, जुआ, सट्टा खेलने वाले तथा तंत्र या मंत्र विद्या से जुड़े व्यक्ति पहनते हैं। कौन ना पहने ये रत्न- जिस व्यक्ति की कुंडली में राहु 5वें, 8वें 9वें 11वें या 12वें स्थान पर हो उन्हें गोमेद धारण नहीं करना चाहिए। इससे नुकसान होने की संभावना बढ़ जाती है तथा जिनका व्यापार-व्यवसाय राहु ग्रह से संबंधित हो उन्हें भी यह रत्न नहीं पहनना चाहिए।

पीतल का शेर देगा आपको आत्मविश्वास...

घर का सामान आपके जीवन, धन-संपत्ति और खुशहाली के साथ-साथ आपके व्यक्तित्व पर भी गहरा प्रभाव डालता है। वास्तुशास्त्र के कुछ मौलिक सिद्धांत तो लगभग सभी लोगों को मालूम होते भी हैं, मसलन दक्षिण दिशा में मुख्य द्वार नहीं बनाना चाहिए, उत्तर दिशा में तिजोरी रखना और घर में गंदगी इकट्ठी ना होने देना...वगैरह-वगैरह।

लेकिन कुछ वास्तु टिप्स ऐसे होते हैं, जो आपके व्यक्तित्व पर भी बहुत गहर असर छोड़ते हैं। अगर आप उदास रहते हैं या फिर आपको लगता है कि आत्मविश्वास की कमी के कारण आप अपने उद्देश्य को प्राप्त नहीं कर पा रहे हैं या आपको अन्य लोगों के समक्ष अपनी बात रखने में हिचक होती है तो हम आपको एक ऐसा वास्तु उपाय बताने जा रहे हैं जो आपके लिए बेहद कारगर सिद्ध हो सकता है। पीतल धातु से बना शेर, ना सिर्फ आपके घर की शोभा को बढ़ाता है बल्कि आपके भीतर छिपी हीन भावना या आत्मविश्वास की कमी को भी समाप्त करता है।

वास्तुशास्त्र के विशेषज्ञों के अनुसार अगर पीतल धातु से बने शेर को घर की पूर्वी दिशा में स्थापित करते हैं तो यह आपके सेल्फ कॉफिडेंस में गजब का उछाल लाता है। बस एक बात का ध्यान रखें कि जब आप शेर को अपने घर में स्थापित करें तो उसका मुख घर के केन्द्र में होना चाहिए।

क्या वह अपना टॉक शो लॉन्च कर रही हैं कावेरी कपूर?

कावेरी कपूर ने अपने एक सोशल मीडिया पोस्ट से अपने फॉलोअर्स को अटकलों के भंवर में डाल दिया है। इस दिलचस्प पोस्ट में वह एक आकर्षक, गुलाबी स्टूडियो जैसे सेटअप में बैठी दिख रही हैं, जहाँ पीछे वर्बल वॉमिट नाम की एक नीयॉन लाइट जल रही है। पोस्ट के कैप्शन में उन्होंने बस लिखा, कमिंग सुन... कैप्शन दिया, जिसने उनके अगले करियर स्टेप को लेकर सवालों की झड़ी लगा दी है। यह सेटअप किसी साधारण सोशल मीडिया कंटेंट से कहीं ज़्यादा प्रोफेशनल दिखता है, जिससे अंदाज़ा लगाया जा रहा है कि यह या तो एक टॉक शो होगा या फिर एक पॉडकास्ट सीरीज़। विभिन्न विषयों पर बेबाकी से बोलने की उनकी क्षमता और उनके स्वाभाविक आकर्षण से यह संकेत देते हैं कि इस प्रोजेक्ट का जो भी फ़ॉर्मेट हो, वह आज की युवा पीढ़ी से निश्चित रूप से जुड़ाव बना पाएगा, जो आज की क्यूरेटेड दुनिया में असलियत की तलाश कर रही है।
कावेरी ने खुद को इंडस्ट्री की सिर्फ एक और उभरती हस्ती से कहीं बढ़कर साबित किया है। वह एक ऐसी आवाज़ बन चुकी हैं, जिसे लोग सुनना चाहते हैं। जब वो सामने बैठ कर सवाल पूछेंगी और गहरी बातचीत का मंच देंगी, तो वर्बल वॉमिट एक ऐसा प्लेटफ़ॉर्म बन सकता है जहाँ से ईमानदार और विचारोत्तेजक संवाद शुरू होंगे। चाहे वो किसी हाई-प्रोफ़ाइल मेहमान से तीखे सवाल करें या ट्रेंडिंग टॉपिक्स पर अपनी बेबाक राय साझा करें—एक बात तो तय है- यह ल्ह्ह्ढु ´ स्टार हमें वह अनफ़िल्टर्ड कॉन्टेंट देने वाली है, जिसकी हमें ज़रूरत थी, लेकिन शायद हमें इसका अंदाज़ा भी नहीं था।
जहाँ उनका अगला प्रोजेक्ट सुर्खियाँ बटोर रहा है, वहीं कावेरी इन दिनों शेखर कपूर की मासूम 2 में व्यस्त हैं और साथ ही उनका अगला सिंगल, जिसे नॉटी बॉय ने प्रोड्यूस किया है, रिलीज़ के लिए तैयार है। कावेरी की छवि एक ऐसी युवा आवाज़ बन चुकी है जो बेबाक और बिना फ़िल्टर के अपनी बात रखती है। ऐसे में वर्बल वॉमिट उनके लिए एक परफ़ेक्ट प्लेटफ़ॉर्म हो सकता है, जहाँ वे अपनी पीढ़ी के अहम मुद्दों पर गहराई से बात कर सकें। चाहे यह एक स्टाइलिश टॉक शो के रूप में सामने आए या फिर एक निजी और ईमानदार पॉडकास्ट के रूप में, यह प्रोजेक्ट उन बेबाक और सच्ची बातचीतों का वादा करता है जो आज के समय में सावधानीपूर्वक तैयार किए गए मीडिया परिदृश्य में दुर्लभ होती जा रही है।

हर जगह होती है राजनीति, इसके लिए आपको खुद को तैयार करना होगा

अमृता राव हाल ही में अक्षय कुमार-अरशद वारसी की फिल्म 'जॉली एलएलबी 3' में नजर आई हैं। अमृता ने साल 2003 में शाहिद कपूर के साथ फिल्म 'इश्क विश्क' से अपने करियर की शुरुआत की थी। यह फिल्म बॉक्स ऑफिस पर हिट रही थी और अमृता रातोंरात स्टार बन गई थीं। हालांकि, अब अमृता ने बताया कि पहली फिल्म हिट होने के बाद वो इंडस्ट्री की पॉलिटिक्स का शिकार हुईं। एक्ट्रेस ने अपने साथ हुए पुराने घटनाक्रमों को याद किया।
बातचीत के दौरान एक्ट्रेस ने बताया, 'मुझे याद है जब इश्क विश्क रिलीज हुई थी, तब शाहिद और मैंने फेस ऑफ द ईयर, सुपरस्टार ऑफ टुमॉरो या ऐसा ही कोई अवॉर्ड जीता था। उस मैगजीन के कवर पेज के लिए एक फोटोशूट होना था। मैं अवॉर्ड के साथ बैठी थी। शाहिद मेरे पीछे अवॉर्ड के साथ खड़े थे। दोनों तरफ दो सुपरस्टार अभिनेत्रियां बैठी थीं। एक और बहुत ही मशहूर अभिनेता और एक अभिनेत्री थीं, जो बहुत ही मशहूर थीं। कवर पेज का लेआउट कुछ ऐसा ही था। हम बहुत खुश और रोमांचित थे। मैं सोच रही थी, मेरा पहला कवर यहां आने वाला है। लेकिन जब मैंने कवर देखा तो सब कुछ फोटोशॉप किया हुआ था। मुझे बैकग्राउंड में ले जाया गया था और कोई अन्य फोरग्राउंड में था।'
एक्ट्रेस ने आगे कहा कि यह कवर देखकर मैं हैरान थी। क्योंकि कवर बिल्कुल भी ऐसा नहीं दिखना चाहिए था। ऐसी चीजें पहले भी हो चुकी हैं। इसके अलावा भी बहुत सी ऐसी चीजें होंगी, जिनके बारे में मुझे पता भी नहीं होगा। अमृता ने कहा कि पहले मुझे बहुत बुरा लगता था। मैं पूछती थी कि मेरे साथ ऐसा क्यों हो रहा है। लेकिन अब मैं कह सकती हूं कि राजनीति हर जगह है। स्कूलों में, कॉलेजों में, यहां तक कि आपकी सोसाइटी की बैठकों में भी। इसलिए आपको खुद को राजनीति से निपटने के लिए तैयार करना होगा। बाहर की दुनिया हमेशा आपको नीचे गिराने की कोशिश करती रहती है।

पतले होने पर उड़ाया गया मजाक

इस दौरान अभिनेत्री ने एक और किस्से को याद करते हुए बताया कि जब मैंने इंडस्ट्री में कदम रखा था, तो मुझे बहुत पतली होने के लिए डांटा जाता था। अमृता ने अपनी मौसी की सलाह याद की कि जब वह पतली थीं तो उनका मजाक उड़ाया जाता था, लेकिन जब उनका वजन बढ़ा, तो उसके लिए भी उनका मजाक उड़ाया गया। जब उनका वजन आदर्श था, तब किसी ने उनकी तारीफ नहीं की।

विक्रांत मैसी ने श्रीश्री रविशंकर की फिल्म पर दिया अपडेट

71वें नेशनल फिल्म अवॉर्ड में बेस्ट एक्टर का अवॉर्ड पाने के बाद विक्रांत मैसी चर्चा में हैं। इस उपलब्धि से वह काफी खुश हैं। लेकिन असल में उनके लिए सफलता के मायने बिल्कुल अलग हैं। श्रीश्री रविशंकर के रोल को निभाने के बाद वह कैसा फील कर रहे हैं, इस बात का भी जिक्र विक्रांत मैसी ने किया है।

विक्रांत के लिए बदल गए सफलता के मायने दिल्ली में एएनआई से बातचीत करते हुए विक्रांत कहते हैं, '20 साल पहले जब मैंने शुरुआत की थी तो सफलता की परिभाषा अलग थी। आज मेरे लिए इसका मतलब है वो जिंदगी जीना जिसका मैंने हमेशा सपना देखा था। इसका मतलब यह नहीं कि अवॉर्ड जीत जाऊं या मशहूर हो जाऊं। बस वो जिंदगी जीनी है जो हमेशा से जीना चाहता था। परिवार साथ हो और चैन की नींद सो सकूं। अपने बच्चे की परवरिश कर पाऊं। दुनिया घूमने जाऊं। अपनी छोटी-छोटी ख्वाहिशों को पूरा कर कर सकूं। यही सफलता है।'

श्रीश्री रविशंकर की बायोपिक को लेकर क्या कहा

श्रीश्री रविशंकर की बायोपिक में काम करने के अपने एक्सपीरियंस को भी विक्रांत शेयर करते हैं। वह कहते हैं, 'यह एक बहुत ही खास फिल्म है। मैं गुरुदेव श्रीश्री रविशंकर जी का रोल निभा रहा हूं। यह फिल्म पूरी तरह से दक्षिण अमेरिका के कोलंबिया में सेट है और 52 वर्षों तक चले गृहयुद्ध पर बेस्ड है। यह फिल्म दिखाती है कि कैसे गुरुदेव रविशंकर जी ने अहिंसा और क्षमा के भारतीय मूल्यों के माध्यम से वहां शांति की शुरुआत की। इस फिल्म का मकसद लोगों को सशक्त बनाना और गुरुदेव के योगदान पर चर्चा करना है। इस रोल को लेकर बहुत दबाव में हूं। अभी तक निर्माता और निर्देशक की ओर से कोई शिकायत नहीं आई है। अभी तक सब कुछ अच्छा चल रहा है।'

दिलजीत के एमी नॉमिनेशन पर डायरेक्टर इम्तियाज ने की पोस्ट

फिल्म 'अमर सिंह चमकीला' और एक्टर-सिंगर दिलजीत दोसांझ का नॉमिनेशन इंटरनेशनल एमी अवॉर्ड्स की अलग-अलग कैटेगरी में हुआ है। इस खबर को सुनकर दिलजीत के बाद डायरेक्टर इम्तियाज अली और अभिनेत्री परिणीति चोपड़ा ने भी सोशल मीडिया पर पोस्ट साझा की है। दिलजीत दोसांझ की करियर में एक बड़ी उपलब्धि जुड़ गई है। इंटरनेशनल एमी अवॉर्ड्स की बेस्ट एक्टर कैटेगिरी में फिल्म 'अमर सिंह चमकीला' के लिए उनका नॉमिनेशन हुआ है। दिलजीत की खुशी में फिल्म 'अमर सिंह चमकीला' के इम्तियाज अली और एक्ट्रेस परिणीति चोपड़ा भी शामिल हुए। दोनों ने दिलजीत के नॉमिनेशन की बात को अपने सोशल मीडिया पेज पर साझा किया है। सिंगर, एक्टर दिलजीत दोसांझ ने फिल्म 'अमर सिंह चमकीला' में लीड रोल किया था, फिल्म के निर्देशक इम्तियाज अली हैं। इम्तियाज ने दिलजीत के इंटरेशनल एमी नॉमिनेशल वाले पोस्टर को अपने इंस्टाग्राम के स्टोरी सेक्शन में पोस्ट किया है। बताते चलें कि फिल्म 'अमर सिंह चमकीला' के लिए दिलजीत दोसांझा का नॉमिनेशन इंटरनेशनल एमी अवॉर्ड्स की बेस्ट एक्टर कैटेगरी में हुआ है। वहीं इस फिल्म को टीवी फिल्म/मिनी सीरीज कैटेगरी में भी जगह मिली है।

साई पल्लवी को मिलेगा कलैमामणि अवॉर्ड

तमिलनाडु सरकार ने कला और संस्कृति में योगदान देने के लिए भरतियार, एमएस सुब्बुलक्ष्मी और कलैमामणि पुरस्कारों की घोषणा की। ये अवॉर्ड साल 2021, 2022 और 2023 के लिए कलाकारों को दिए जाएंगे। इसमें सिंगर केजे येसुदास को संगीत में उनके योगदान के लिए एमएस सुब्बुलक्ष्मी पुरस्कार से सम्मानित किया जाएगा। वहीं अभिनेत्री साई पल्लवी ने कलैमामणि पुरस्कार अपने नाम किया।

साई पल्लवी और एसजे सूर्या को मिला कलैमामणि पुरस्कार

साल 2021 के लिए अभिनेत्री साई पल्लवी, अभिनेता एसजे सूर्या, निर्देशक लिंगुसामी, सेट डिजाइनर एम जयकुमार और स्टंट कोरियोग्राफर सुपर सुब्बारायण को कलैमामणि पुरस्कार दिए जाने की घोषणा की गई। वहीं टेलीविजन अभिनेता पीके कमलेश को भी यह प्रतिष्ठित पुरस्कार प्रदान किया जाएगा।

संगीतकार अनिरुद्ध को भी मिलेगा कलैमामणि

जबकि साल 2023 के लिए अभिनेता मणिकंदन, जॉर्ज मेरीन, संगीतकार अनिरुद्ध रविचंदर, गायिका श्वेता मोहन, कोरियोग्राफर सैंडी उर्फ संतोषकुमार, जनसंपर्क अधिकारी और निक्किल मुरुकन को कलैमामणि पुरस्कार दिए जाने की घोषणा की गई है। इसी क्रम में टेलीविजन अभिनेता एनपी उमाशंकर बाबू और अजगन तमिजमनी को भी कलैमामणि पुरस्कार प्रदान किया जाएगा।

अक्तूबर में दिए जाएंगे अवॉर्ड

ये पुरस्कार तमिलनाडु सरकार के कला एवं संस्कृति निदेशालय की संस्था तमिलनाडु इयाल इसाई नाटक मंद्रम द्वारा प्रदान किए जाते हैं। आज इन पुरस्कारों की घोषणा हुई है। ये पुरस्कार अक्तूबर में मुख्यमंत्री एमके स्टालिन द्वारा प्रदान किए जाएंगे। सरकार ने एक बयान में बताया कि प्रत्येक विजेता कलाकार को तीन स्वर्ण पदक और एक प्रमाण पत्र दिया जाएगा।

हिम्मत का मतलब निडरता नहीं...

जब भारत में मी टू आंदोलन शुरू हुआ था तब मैं उन चुनिंदा कलाकारों में थी जिन्होंने हिंदी फिल्म इंडस्ट्री में इस मुद्दे पर खुलकर बात की। उस समय मैं एक टीवी शो की जज थी और 18 एपिसोड शूट कर चुकी थी। जैसे ही मैंने आवाज उठाई मुझे बहिष्कृत कर दिया गया। उस शो से मेरी जगह चली गई। मुझे कई साल कोई बड़ा काम नहीं मिला, लेकिन यह सब करना जरूरी था। मेरी आवाज ने उस चर्चा को जन्म दिया, जो लंबे समय से जरूरी थी। इसके बाद महिलाओं के लिए काम करने की जगहें अधिक सुरक्षित और बेहतर बनीं। मेरी मेहनत और संघर्ष का महत्व साफ हो गया।

मेरी आवाज ने बदलाव की शुरुआत की

अपने कॉलेज के दिनों का एक अनुभव साझा करूंगी। मैं एक बस में सफर कर रही थी। उसी बस में एक आदिवासी जोड़ा भी सफर कर रहा था। कंडक्टर ने उन्हें धोखा देकर ज्यादा किराया वसूलने की कोशिश की। मैंने बीच में दखल दिया तो उसने मुझे धमकाया कि बीच हाईवे पर ही उतार देगा। उस समय मैंने हिम्मत जुटाकर उसे बेवकूफ बनाया कि मैं एक पत्रकार हूं और बड़े लोगों से मेरा संपर्क है। आखिरकार मामला सुलझ गया। उस दिन मुझे यह समझ आया कि हिम्मत का मतलब निडर होना नहीं, बल्कि सही समय पर सही बात के लिए खड़ा होना है। खासतौर पर तब, जब किसी और की इज्जत दांव पर लगी हो।

साहस रोजाना की मेहनत में है

साहस का मतलब है हर दिन अपनी सच्चाई के साथ खड़ा रहना, चाहे वह मुश्किल या असुविधाजनक ही क्यों न हो। हर दिन खुद को दिखाना, मेहनत करना और डटे रहना..यही मेरी प्रेरणा है। मुझे खुशी है कि मेरा काम, मेरे कई गाने और प्रदर्शन समाज में विचारों को जागृत करने का जरिया बने। मुझे क्या बेचेगा रुपैया ने महिलाओं और पुरुषों दोनों के लिए सशक्तिकरण का संदेश दिया। रंगाबती ने ओडिशा की लोककला को वैश्विक मंच पर पहुंचाया। बेखौफ ने महिलाओं को अपनी आजादी और जगह फिर से हासिल करने के लिए प्रेरित किया। मेरे लाइव शो ने यह दिखाया कि संगीत, नृत्य और कहानी के माध्यम से समाज में संवाद और बदलाव संभव है। मेरे लिए सच्ची खुशी केवल गायिका बनने में नहीं, बल्कि एक कलाकार बनने में है, जिसकी कला समाज के विचारों को चुनौती देती है और समय की झलक दिखाती है। मैंने तीन ओरिजिनल लाइव फॉर्मेट्स बनाए हैं – लाल परी मस्तानी, और सोना तराशा। मैंने ये तय किया कि बॉलीवुड पर निर्भर न रहकर अपनी अलग इंडिपेंडेंट राह बनाऊं। मैंने देखा है कि संगीत, डांस और कहानी कहने का तरीका सोच बदल सकता है और नए संवाद खोल सकता है। भारत में औरतों को हमेशा सिर्फ खूबसूरत परफॉर्मर के रूप में देखा गया है, कभी प्रोड्यूसर की कुर्सी पर नहीं। मैं अपने इन शोज के जरिए ये कर रही हूं और दूसरों के लिए भी नए मौके बना रही हूं।

अपनी आवाज पर भरोसा रखें

अंत में महिलाओं को बस यही संदेश देना चाहूंगी कि सही समय का इंतजार मत करें। आपकी आवाज आज भी महत्वपूर्ण है। हां, प्रतिरोध आएगा और हां, आपको कुछ खोना पड़ सकता है, लेकिन चुप रहना लंबे समय में कहीं ज्यादा महंगा है। अपने भीतर की आवाज पर भरोसा रखें और लगातार प्रयास करते रहें। हर बार जब आप खड़े होते हैं, आप दूसरों के लिए रास्ता आसान बनाते हैं। यही असली बदलाव है।

भारतीय सेना ड्रोन, रोबोट और मिसाइलों से चौंकाएगी सारे विश्व को

-2027 तक तैयार होगा डीआरडीओ का ह्यूमनॉइड रोबोट

नई दिल्ली(एजेंसी)। भारतीय सेना आने वाले वर्षों में विश्व को अपनी अत्याधुनिक तकनीकी ताकत से चौंकाने वाली है। रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन (डीआरडीओ) ऐसे ह्यूमनॉइड रोबोट तैयार कर रहा है, जो युद्धक्षेत्र में सैनिकों की तरह काम कर सकेंगे और खतरनाक मिशनों में उनकी जान को जोखिम से बचाएंगे। आधिकारिक जानकारी अनुसार इस परियोजना पर पुणे स्थित रिसर्च एंड डेवलपमेंट एस्टैब्लिशमेंट (इंजीनियर्स) प्रयोगशाला काम कर रही है। इसका लक्ष्य 2027 तक भारतीय सेना को इन उन्नत रोबोटिक सैनिकों से लैस करना है।

बताया जा रहा है कि ये रोबोट मानव जैसी बनावट और गतिविधियों से लैस होंगे। ये जंगल, पहाड़ और रेगिस्तान जैसे कठिन इलाकों में तैनात किए जा सकेंगे। इनकी खासियत यह होगी कि ये विस्फोटक और खतरनाक सामग्रियों को संभालने के साथ ही निष्क्रिय करने, बाधाएं पार करने, दरवाजे व वाल्व खोलने जैसे जटिल कार्य आसानी से कर सकेंगे। इसके अलावा, ये इंसानों की तरह चलने, संतुलन बनाने और वस्तुओं को पकड़ने व लाने-लेजाने में सक्षम होंगे। रोबोट में अत्याधुनिक सेंसर और डेटा फ्यूजन तकनीक होगी, जिससे यह अपने आसपास के माहौल को समझ सकेगा। इसमें 24 डिग्री ऑफफ्रीडम वाले हल्के हाथ लगाए जाएंगे, जिनसे यह खतरनाक सामग्रियों को सुरक्षित तरीके से नियंत्रित कर सकेगा। रोबोट में फॉल और पुश रिकवरी की क्षमता भी होगी, यानी गिरने या धक्का लगने पर यह खुद को संभाल सकेगा।

तकनीकी विशेषताएं

यह ह्यूमनॉइड रोबोट दिन और रात, घर के अंदर व बाहर दोनों परिस्थितियों में काम करेगा। इसमें ऑडियो-विजुअल धारणा प्रणाली होगी, जिससे यह देखने और सुनने की क्षमता रखेगा। इसके अलावा, सिमुल्टेनियस लोकलाइजेशन एंड मैपिंग (स्लम) तकनीक के जरिए यह स्वायत्त रूप से रास्ता तय कर सकेगा और वास्तविक समय में नक्शा तैयार कर सकेगा।

भविष्य की संभावनाएं

डीआरडीओ का यह महत्वाकांक्षी प्रोजेक्ट केवल रक्षा क्षेत्र तक सीमित नहीं है। वैज्ञानिकों का मानना है कि ऐसे ह्यूमनॉइड रोबोट स्वास्थ्य सेवा, अंतरिक्ष अन्वेषण और विनिर्माण जैसे क्षेत्रों में भी अहम भूमिका निभा सकते हैं। इस तकनीक के सफल होने पर भारत न केवल अपनी सैन्य क्षमता को नए स्तर पर ले जाएगा बल्कि वैश्विक रक्षा प्रौद्योगिकी क्षेत्र में भी अग्रणी स्थान हासिल करेगा। इस तरह भारतीय सेना के ड्रोन, मिसाइलों और ह्यूनॉइड रोबोट से विश्व चौंकेगा। स्पष्ट है कि 2027 तक भारतीय सेना का चेहरा बदलने जा रहा है और रोबोटिक सैनिकों की तैनाती के बाद देश की सीमाएं और अधिक सुरक्षित हो सकेंगी।

तेजस्वी का नीतीश और मोदी सरकार पर हमला, बिहार की समझदार जनता आपके झांस में नहीं आएगी

पटना (एजेंसी)। बिहार विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव ने डबल इंजन सरकार पर हमला बोला है। उन्होंने कहा कि नीतीश कुमार और केंद्र की भाजपा सरकार विधानसभा चुनाव से पहले योजनाओं की घोषणाएं कर जनता को भ्रमित करने में जुटी है, लेकिन बिहार की समझदार जनता इनके झांसे में नहीं आने वाली है। उन्होंने सवाल उठाया कि अगर सरकार के पास राजस्व की कमी है, फिर वादे कैसे पूरे हो सकते है। तेजस्वी ने कहा कि मुख्यमंत्री नीतीश और केंद्र सरकार से बिहार की जनता पूछ रही है कि आपके पास 1 लाख करोड़ रुपए नहीं हैं, फिर 7 लाख 8 हजार 729 करोड़ रुपए की घोषणाएं कैसे पूरी होगी, बिहार का राजस्व सृजन कितना है? यह पैसा कहां से आएगा? तेजस्वी ने भ्रष्टाचार पर नीतिश सरकार की घेराबंदी की। उन्होंने कहा कि भाजपा और जदयू से ज्यादा, भ्रष्ट अधिकारी डरे हुए हैं। उन्हें लगता है कि अगर तेजस्वी सत्ता में आए, तब उनका रैकेट खत्म हो जाएगा और भ्रष्टाचार को बर्दाश्त नहीं करने वाले है। उन्होंने दावा किया कि राजद के पास ठोस योजनाएं हैं, जबकि डबल इंजन सरकार केवल खोखले वादे कर रही है। तेजस्वी ने कहा कि यह डबल इंजन सरकार इस बार दोगुनी गति से हारने वाली है। ये घोषणाएं डर के मारे की जा रही हैं। बता दें कि हाल ही में पीएम मोदी ने बिहार में मुख्यमंत्री महिला रोजगार योजना का शुभारंभ किया। इस योजना के तहत 75 लाख महिलाओं के बैंक खाते में 10 हजार रुपए की सहायता राशि ट्रांसफर की गई है।

हिंदू जागरण वेदिके नेता के खिलाफ यौन उत्पीड़न का मामला दर्ज

बेंगलुरु (एजेंसी)। कर्नाटक के दक्षिण कन्नड़ जिले के हिंदू जागरण वेदिके नेता समित राज के खिलाफ यौन उत्पीड़न और आपराधिक धमकी का मामला दर्ज हुआ है। एक महिला ने शिकायत में बताया कि समित राज ने उसकी निजी तस्वीरें हासिल कर तस्वीरें वायरल करने की धमकी देकर कई बार उसका यौन उत्पीड़न और मारपीट की। इस मामले में दक्षिण कन्नड़ जिले के पुलिस स्टेशन में एफआईआर दर्ज की गई है। पुलिस के अनुसार, महिला ने आरोप लगाया कि राज पिछले 15 दिनों से परेशान कर रहा था। महिला को डराने के लिए तस्वीरों का इस्तेमाल कर रहा था और विरोध करने पर जान से मारने की धमकी दे रहा था। मामले की जांच जारी है। आरोपी को अभी तक गिरफ्तार नहीं किया गया है।

जम्मू एयरपोर्ट को मिली बम की धमकी, जांच में कुछ नहीं मिला

जम्मू (एजेंसी)। जम्मू एयरपोर्ट प्रशासन को रविवार सुबह एक निजी एयरलाइन को बम से उड़ाने की धमकी वाला ईमेल प्राप्त हुआ। धमकी के बाद तुरंत एयरपोर्ट पर सुरक्षा अलर्ट जारी कर दिया गया और सीआईएसएफ तथा पुलिस ने मिलकर गहन तलाशी अभियान चलाया। हालांकि, तलाशी के दौरान किसी भी प्रकार का संदिग्ध या विस्फोटक पदार्थ नहीं पाया गया। ईमेल में 'बम ब्लास्ट' और 'आई हैव रीच्ड' जैसे शब्दों का इस्तेमाल किया गया था, जिसके बाद एयरपोर्ट प्रशासन सतर्क हो गया। एयरपोर्ट अथॉरिटी ऑफ इंडिया के एक अधिकारी ने बताया कि सुबह यह ईमेल मिला और सुरक्षा प्रक्रियाओं का पालन करते हुए एयरपोर्ट की पूरी जांच कराई गई। उन्होंने स्पष्ट किया कि किसी भी विस्फोटक की मौजूदगी की पुष्टि नहीं हुई। हालांकि, इस धमकी ने यात्रियों और एयरपोर्ट स्टाफ में अस्थायी चिंता पैदा कर दी, लेकिन सुरक्षाबलों की तत्परता और गहन तलाशी के कारण स्थिति पूरी तरह नियंत्रित रही। अधिकारियों ने लोगों से शांति बनाए रखने और अफवाहों से बचने की अपील की है। यह मामला देश में बढ़ती साइबर और ईमेल के जरिए की जाने वाली धमकियों पर एक बार फिर ध्यान खींचा है। सुरक्षा एजेंसियां इस तरह की धमकियों की गंभीरता से जांच कर रही हैं और भविष्य में किसी भी तरह की संभावित घटनाओं को रोकने के लिए सतर्क रहने की हिदायत दी गई है।

समूची दुनिया की पनडुब्बी बचाव के लिए पूरी तरह से प्रतिबद्ध भारत

नई दिल्ली (एजेंसी)। दक्षिणी चीन सागर में बढ़ती चीन की आक्रामकता के बीच भारतीय नौसेना ने एक्सपीआर-25 युद्धाभ्यास के समुद्री चरण के तहत विदेशी पनडुब्बी जहाजों के साथ अपनी पहली मुलाकात की अहम उपलब्धि हासिल की है। एक्स पर एक पोस्ट साझा करते हुए नौसेना ने इसकी जानकारी दी। जिसमें तीन पनडुब्बियां, तीन साथी और तीन दिन टाइटल देते हुए बताया कि भारतीय नौसेना ने हस्तक्षेप और बचाव कार्यों के पूर्ण स्पेक्ट्रम का संचालन करते हुए युद्धाभ्यास के दौरान दक्षिण चीन सागर में विदेशी पनडुब्बियों के साथ पहली मुलाकात सफल रही। इन तीन दिनों तक हम सभी आरओवी अभियान में शामिल थे। जो कि हमारी बढ़ती वैश्विक बचाव क्षमताओं को प्रदर्शित करती है। एक्स पोस्ट में नौसेना ने यह भी कहा कि यह उपलब्धि अंतरराष्ट्रीय पनडुब्बी बचाव के लिए हमारी तत्परता, अंतर-संचालन और प्रतिबद्धता को रेखांकित करती है। यह भारत को एक भरोसेमंद समुद्री साझेदार और समुद्र में क्षेत्रीय सुरक्षा व मानवीय प्रतिक्रिया में सक्रिय योगदानकर्ता के रूप में भी साबित करती है।

नूंह में भारी बवाल, चोर को पकड़ने गई पुलिस पर पथराव...गोली चलने की खबर

नूंह (एजेंसी)। हरियाणा के नूंह में रविवार को भारी बवाल देखने को मिला है। यहां चोर को पकड़ने गई पुलिस पर पथराव हुआ है। इस दौरान गोलियां चलने की खबर है। स्थिति को काबू करने के लिए भारी पुलिसबल तैनात कर दिया गया है। जानकारी के मुताबिक पथराव करने वाले आरोपी के समर्थक बताए जा रहे हैं, जिन्होंने पुलिस पर अवैध राइफल से गोलियां भी चलाईं। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक इस घटना में कई पुलिसवालों के घायल होने की खबर है। इस दौरान पुलिस की ओर से जवाबी कार्रवाई की जाने की भी खबर है। पुलिस ने करीब 7-8 राउंड फायरिंग की और 13 आरोपियों को गिरफ्तार किया है। मामले में 90 लोगों के खिलाफ एफआईआर दर्ज की गई है, जिसमें से 30 नामजद हैं। घटना नूंह के बिछौरा गांव की है, जहां पुलिस एक चोर को पकड़ने के लिए पहुंची थी। बताया जा रहा है कि इस दौरान स्थानीय लोग घरों से बाहर निकले और पुलिस पर पथराव और गालीबारी शुरू कर दी। इस दौरान कई लोगों ने नकाब पहना हुआ था और ये अवैध हथियार से पुलिस पर गोली चलाते भी नजर आए। बताया जा रहा है कि जवाबी कार्रवाई में पुलिस को भी 7-8 राउंड फायरिंग करनी पड़ी। फिलहाल स्थिति नियंत्रण में है।

जब अमृतसर एक्सप्रेस के दो डिब्बे हो गए अलग

मुंबई (एजेंसी)। मुंबई से 100 किलोमीटर दूर पश्चिम रेलवे के डहाणू रेलवे स्टेशन के पास मुंबई से अमृतसर जा रही अमृतसर एक्सप्रेस के दो डिब्बे अलग हो गए। मगर गनीमत ये रही कि कोई हादसा नहीं हुआ लेकिन इस घटना से यात्रियों के बीच भय का माहौल रहा और वे तुरंत एक्सप्रेस से नीचे उतर कर पटरियों के पास खड़े हो गए। उधर दोनों डिब्बे काफी दूरी पर थे। इसका एक वीडियो भी सामने आया है। इसमें दिखाई दे रहा है कि डिब्बे इंडिन से अलग हो गए हैं। इसके अलावा, यात्री पटरियों पर उतरते हुए दिखाई दे रहे हैं। वहीं इस घटना से डाउन रूट पर लंबी दूरी की ट्रेनों पर असर पड़ा। करीब 40 मिनट के लिए डाउन रूट पर यातायात रोक दिया गया था। कुछ अपने गंतव्य के लिए रवाना किया गया। तेज गति से चलती ट्रेन के डिब्बों के अलग होने से यात्रियों में कुछ देर के लिए भय और अफरा-तफरी का माहौल बन गया। हालांकि, रेल प्रशासन की त्वरित कार्रवाई और ट्रेन कर्मचारियों की सतर्कता से एक बड़ा हादसा टल गया। घटना के बाद डाउन रूट पर रेल यातायात करीब चालीस मिनट तक बाधित रहा। नतीजतन, लंबी दूरी की कई ट्रेनें देरी से चलीं। इससे यात्रियों को काफी परेशानी हुई। अचानक हुई इस घटना के बाद स्थानीय रेल प्रशासन ने तुरंत कर्मचारियों को मौके पर भेजकर स्थिति को नियंत्रण में किया। अलग हुए डिब्बों को ट्रेन से जोड़कर ट्रेन को गुजरात की ओर रवाना किया गया।

हर पात्र व्यक्ति तक योजनाओं का लाभ पहुंचाना सरकार की प्राथमिकता: भजनलाल शर्मा

जयपुर (एजेंसी)। राजस्थान के मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने रविवार को कहा कि हर पात्र व्यक्ति तक योजनाओं का लाभ पहुंचाना राज्य सरकार की प्राथमिकता है। शर्मा मुख्यमंत्री निवास पर सांगानेर विधानसभा क्षेत्र के लोगों को संबोधित कर रहे थे।

शर्मा ने कहा, ''प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी कहते हैं कि समाज के अंतिम व्यक्ति के उत्थान से ही देश-प्रदेश का विकास होगा। हमारी प्राथमिकता है कि कोई भी पात्र व्यक्ति केन्द्र व राज्य सरकार की योजनाओं के लाभ से वंचित नहीं रहे।''

आधिकारिक बयान के अनुसाार शर्मा ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी के जन्मदिवस के अवसर पर 17 सितंबर से सेवा पखवाड़ा का आयोजन किया जा रहा है। उन्होंने कहा, ''हम सभी आस-पास के लोगों को चिन्हित करते हुए उन्हें योजनाओं से जोड़ें तथा सेवा पखवाड़ा में अपनी सक्रिय भूमिका निभाएं।''

मुख्यमंत्री शर्मा ने कहा कि राज्य सरकार सबका साथ-सबका विकास की भावना के साथ काम कर रही है। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार की प्रतिबद्धता से सांगानेर के विकास कार्यों को धरातल पर मूर्तरूप मिल रहा है। उन्होंने कहा कि इसी क्रम में नवरात्र के अवसर पर 29 सितंबर को सांगानेर क्षेत्र के विभिन्न विकास कार्यों का लोकार्पण-शिलान्यास किया जाएगा।

आपने वादा किया था सरकार में आने पर कोई कमीशन नहीं मांगेगा ये तो दोगुना हो गया

बेंगलुरु (एजेंसी)। सर, जब आप विपक्ष के नेता थे, तब आपने हमें आश्वासन दिया था कि आपकी सरकार बनने पर कोई कमीशन नहीं मांगा जाएगा, लेकिन हमें खेद है कि अब कमीशन की मांग दोगुनी हो गई है। सर, आपके इसी वादे पर भरोसा करके हमने कांग्रेस की सत्ता में आने में मदद की थी। लेकिन भ्रष्टाचार दोगुना हो गया है इससे अच्छी तो पहले की भाजपा सरकार थी। ये पीड़ा कर्नाटक उन ठेकेदारों की है जो अधिकारियों और नेताओं को कमीशन बांट बांटकर परेशान हो गए है। कर्नाटक में ठेकेदारों के संगठन कर्नाटक स्टेट कॉन्ट्रैक्टर्स एसोसिएशन (केएससीए) ने राज्य के मुख्यमंत्री सिद्धारमैया को चिट्ठी लिखकर अपने वादे को पूरा करने की मांग की है।

एसोसिएशन के अध्यक्ष आर मंजीनाथ और महासचिव जीएम रविंद्र के हस्ताक्षर वाले इस पत्र में कहा गया है - जब आप विपक्ष के नेता थे, तब आपने हमें आश्वासन दिया था कि आपकी सरकार बनने पर कोई कमीशन नहीं मांगा जाएगा, लेकिन हमें खेद है कि अब कमीशन की मांग दोगुनी हो गई है। पत्र में यह भी लिखा गया है कि भ्रष्टाचार के खिलाफ संगठन की लड़ाई ने कांग्रेस को सत्ता में आने में मदद की थी, लेकिन अब वही ठेकेदार भारी दबाव में हैं।कांग्रेस सरकार पर गंभीर आरोप लगाते हुए कहा है कि पिछली भाजपा सरकार की तुलना में मौजूदा शासन में भ्रष्टाचार दोगुना हो गया है। संगठन का दावा है कि सरकारी विभागों में परियोजनाओं के आवंटन से लेकर ठेकेदारों के बकाया भुगतान तक में व्यापक अनियमितताएं हो रही हैं। एसोसिएशन ने मुख्यमंत्री सिद्धारमैया को 25 सितंबर 2025 को भेजे एक पत्र में यह आरोप लगाया। इस पत्र में कहा गया है कि सरकार द्वारा ठेकेदारों के करीब 32,000 करोड़ रुपये के बकाये का भुगतान लंबित है और उसे निपटाने के नाम पर कमीशन मांगा जा रहा है। बता दें कि यह पहला मौका है जब केएससीए ने मौजूदा कांग्रेस सरकार पर लिखित रूप से बड़े पैमाने पर भ्रष्टाचार का आरोप लगाया है। हालांकि, संगठन पहले भी कुछ मंत्रियों और अधिकारियों के खिलाफ भ्रष्टाचार की शिकायत कर चुका है। गौरतलब है कि भाजपा शासनकाल में भी यही संगठन सरकार पर आरोप लगाता रहा था। तब संगठन ने दावा किया था कि परियोजनाओं के लिए 40प्रतिशत तक कमीशन की मांग की जाती थी। अब उसने कांग्रेस सरकार के खिलाफ और गंभीर आरोप लगाए हैं। एसोसिएशन ने यह भी आरोप लगाया कि विभाग बकाया भुगतान में वरिष्ठता का सम्मान नहीं कर रहे हैं। चुनिंदा ठेकेदारों को ही प्राथमिकता दी जा रही है और विशेष क्रेडिट लाइन उपलब्ध कराई जा रही है। इसके अलावा हर तीन महीने में लंबित बिलों का केवल 15-20प्रतिशत ही चुकाया जा रहा है।

सब-कॉन्ट्रैक्ट सिस्टम ने बढ़ाई परेशानी

रिपोर्ट के अनुसार, केएससीए ने पत्र में निर्मिति केंद्र और कर्नाटक रूरल इंफ्रास्ट्रक्चर डेवलपमेंट कॉरपोरेशन लिमिटेड (केआरआईडीएल) जैसी सरकारी संस्थाओं का नाम लेकर आरोप लगाया कि यहां परियोजनाएं कांग्रेस नेताओं के अनुयायियों को दी जा रही हैं। ये लोग बाद में बड़े ठेकेदारों को काम सौंप देते हैं और बीच में कमीशन लेते हैं। संगठन के अनुसार, इस तरह काम की गुणवत्ता पर असर पड़ रहा है, क्योंकि मूल ठेकेदार के बजाय सब-कॉन्ट्रैक्ट सिस्टम लागू हो रहा है।

मौसम विभाग का अलर्ट: दुर्गा पूजा और दशहरा उत्सव में आंधी बारिश बढ़ा सकते हैं मुश्किलें

नई दिल्ली (एजेंसी)। मौसम विभाग ने अलर्ट जारी करते हुए कहा है कि इस बार तेज हवाएं और बारिश से दुर्गा पूजा और दशहरा जैसे पर्व पर मुश्किलें बढ़ सकतीं हैं।बंगाल की खाड़ी के ऊपर कम दबाब का क्षेत्र बन रहा है, जिससे अगले सात दिनों तक प्रदेश के कई इलाकों में बारिश होगी। दक्षिण बंगाल के कुछ जिलों में अलग-अलग स्थानों पर भारी बारिश होने की संभावना है। मौसम विभाग के पूर्वानुमान के बाद राज्य में दुर्गा पूजा का उत्सव कुछ हद फीका पड़ सकता है। दुर्गा पूजा उत्सव 28 सितंबर से शुरू होकर 2 अक्तूबर को विजया दशमी पर समाप्त होगा। हालांकि, कई जगहों पर मूर्तियों का विसर्जन बाद में किया जाता है।

आईएमडी ने कहा कि कोलकाता में 1 अक्टूबर को भारी बारिश होने की संभावना है। राज्य के दक्षिणी हिस्से के कई जिलों में अगले दो दिनों में ऐसी ही बारिश होगी। 30 सितंबर को उत्तरी अंडमान सागर में ऊपरी हवा का चक्रवाती परिसंचरण बनने की संभावना है, जिसके प्रभाव से 1 अक्टूबर के आसपास बंगाल की खाड़ी में नया निम्न दबाव क्षेत्र बन सकता है। इस कारण पूर्वी और मध्य भारत में 28 सितंबर से 3 अक्टूबर तक कई स्थानों पर हल्की से मध्यम बारिश होगी। पश्चिम और पूर्वोत्तर भारत में भी मौसम का असर देखने को मिलेगा। गोवा, महाराष्ट्र, सौराष्ट्र और कच्छ में 3 अक्टूबर तक भारी बारिश की संभावना है। सौराष्ट्र और कच्छ में 29 सितंबर को बहुत भारी बारिश हो सकती है। पूर्वोत्तर भारत में असम, मेघालय, नगालैंड, मणिपुर, मिजोरम और त्रिपुरा में 28 सितंबर से 3 अक्टूबर तक भारी बारिश की चेतावनी है, जिसमें 2 और 3 अक्टूबर को बहुत भारी बारिश हो सकती है। इसके साथ ही अंडमान और निकोबार द्वीप समूह, झारखंड, ओडिशा, पश्चिम बंगाल, सिक्किम और बिहार में 28 सितंबर से 1 अक्टूबर तक तूफानी हवाएं चलेंगी। ऐसे में लोगों से सतर्क रहने और मौसम विभाग की चेतावनियों का पालन करने की सलाह दी गई है।राजस्थान में कुछ जगहों पर अगले कुछ दिनों के दौरान हल्की बारिश हो सकती है। मौसम विभाग के अनुसार, पिछले 24 घंटों के दौरान राजस्थान में मौसम मुख्यत- शुष्क रहा और दक्षिण-पश्चिम मॉनसून शुक्रवार को राज्य से पूरी तरह से विदा हो गया। हालांकि, मॉनसून की वापसी रेखा शनिवार को वेरावल, भरूच, उज्जैन, झांसी, शाहजहांपुर से होकर गुजरी। इसके असर से आगामी दिनों में राजस्थान के उदयपुर और कोटा संभागों में कहीं-कहीं मेघगर्जन के साथ हल्की बारिश होने की प्रबल संभावना है।

भड़के थरुर ने दिया जवाब-सचिन तेंदुलकर की सेंचुरी और मकबूल हुसैन की पेंटिंग है इडली

नई दिल्ली (एजेंसी)। दक्षिण भारत का मशहूर डोसा और इडली को बेकार बताने पर कांग्रेस नेता शशि थरूर भड़क गए। उन्होंने इसे मानव सभ्यता का शानदार उपहार बताते हुए कहा कि इडली मकबूल हुसैन की पेंटिंग और सचिन तेंदुलकर की सेंचुरी से कम नहीं है। ये अहसास सिर्फ इसे खाने और इसके स्वाद चखने वाले ही जान सकते हैं।

दरअसल एक्स पर एक यूजर ने इडली को 'भाप से बनी पछतावा' और डोसा को बेहतर बताया था। इसी बात से थरूर नाराज हो गए। यह सारा मामला 26 सितंबर को एक पोस्ट से शुरू हुआ, जब अनघा ने एक पोस्ट में शिकायत की, 'क्यों हमेशा इडली और डोसा ही क्यों, क्या इस देश में कोई और नाश्ता नहीं है? इस पर जवाब देते हुए मोलुट्टी ने मजाकिया लहजे में कहा, डोसा? कोई शब्द नहीं बस सम्मान! इडली तो भाप से बनी पछतावा है।यह टिप्पणी सोशल मीडिया पर वायरल हो गई और यूजर्स ने इस पर अपनी-अपनी राय देनी शुरू कर दी। कुछ ने डोसा की तारीफ की, तो कुछ ने इडली को अपना पसंदीदा बताया। फिर शशि थरूर ने भी इडली-डोसा की इस बहस में कूदते हुए एक लंबी पोस्ट लिख डाली, जिसमें उन्होंने इडली के समर्थन में ढेर सारे तर्क दिए।

थरूर ने लिखा, साफ है कि इन्होंने कभी अच्छी इडली नहीं चखी। एक सच्ची शानदार इडली एक बादल की तरह, एक फुसफुसाहट की तरह, मानव सभ्यता की पूर्णता का एकदम सटीक सपना है। यह चावल और दाल का एक नाजुक, वजनहीन टुकड़ा है, जो भाप से इतना हल्का और फूलदार बनता है कि जीभ पर पिघल जाए। सही चटनी और सांभर के साथ, यह बीथोवेन की सिम्फनी, टैगोर के संगीत, मकबूल हुसैन की पेंटिंग और सचिन तेंदुलकर की सेंचुरी के समान है। इसे 'पछतावा' कहना आत्मा, स्वाद, और दक्षिण भारतीय संस्कृति के सबसे बड़े योगदानों की कद्र न करना है।

थरूर की इस पोस्ट के साथ उन्होंने एक तस्वीर भी शेयर की, जिसमें वे पारंपरिक वेशभूषा में एक रसोई में खड़े होकर इडली बनाने की प्रक्रिया में व्यस्त हैं। पोस्ट के बाद सोशल मीडिया पर प्रतिक्रियाओं की बाढ़ आ गई। मोलुट्टी ने जवाब देते हुए लिखा, 'सर, आपने इडली को एक दिव्य कला के रूप में ऊंचा कर दिया। इसे पढ़ने के बाद मुझे दोबारा इडली खानी पड़ेगी ताकि भावनात्मक रूप से इसे प्रोसेस कर सकूं।

टैरिफ से प्रभावित होता व्यापार प्रवाह, ब्रिक्स करे बहुपक्षीय व्यापार प्रणाली की रक्षा: जयशंकर

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत इन दिनों अलग-अलग मामलों में अमेरिका द्वारा लगाई गई कड़ी पाबंदियों से एक साथ जूझ रहा है। जिसमें सबसे पहले रूस से कच्चे तेल खरीद पर लगाया गया 50 फीसदी टैरिफ (25 फीसदी जुर्माने के साथ), फिर ईरान के चाबहार बंदरगाह के विकास कार्य पर लगाई गई रोक, एक लाख डॉलर की एच1बी वीजा की फीस बढ़ोतरी और हाल ही में भारत की ब्रांडेड और पेटेंट दवाओं पर लगाया गया 100 फीसदी टैरिफ मुख्य हैं। विषयों की गंभीरता इतनी है कि शनिवार को भारत के विदेश मंत्री डॉ एस जयशंकर का अमेरिका का नाम लिए बिना उसे दिया गया करारा जवाब भी सामने आ गया है। जिसमें उन्होंने न्यूयॉर्क में बैठकर ब्राजील, रूस, भारत और दक्षिण-अफ्रीका जैसे देशों के समूह 'ब्रिक्स' के विदेश मंत्रियों की बैठक की मेजबानी करते हुए बड़ी ही स्पष्टता से कहा कि ऐसे दौर में जब टैरिफ अस्थिरता, संरक्षणवाद और गैर-टैरिफ बाधाएं व्यापार प्रवाह को प्रभावित करती हैं। तब ब्रिक्स को बहुपक्षीय व्यापार प्रणाली की रक्षा करनी चाहिए। यह विदेश मंत्रालय ने एक बयान जारी कर दी है। साथ ही इस बैठक को लेकर जयशंकर ने एक्स पर एक पोस्ट भी साझा की।

मंत्रालय ने कहा कि ब्रिक्स देशों के विदेश मंत्रियों ने बैठक में क्षेत्रीय और वैश्विक महत्व के बड़े मुद्दों पर भी आपस में विचार साझा किए। जिसमें यूएन के एजेंडे के तहत आने वाले राजनीतिक, सुरक्षा, आर्थिक, वित्तीय और सतत विकास जैसे विषयों से जुड़े मामले, इंट्रा-ब्रिक्स सहयोग व गतिविधियां प्रमुख हैं। बैठक में समूह देशों ने अपने तीन आधार स्तंभों के तहत विस्तारित ब्रिक्स को लेकर अपने सहयोग को मजबूत बनाने की प्रतिबद्धता को दोहराया। इसके अलावा ब्रिक्स देश अपनी आम-जनता की भलाई के लिए सामरिक भागीदारी को बढ़ावा देने के लिए भी सामूहिक रूप से तैयार हैं।

पहली बार अमेरिका में हुई ब्रिक्स की बैठक

यह पहला मौका था जब अमेरिका में ब्रिक्स के विदेश मंत्रियों की बैठक हुई और उसमें एस.जयशंकर ने कहा कि जब बहुपक्षवाद दबाव में होता है। तो ब्रिक्स तर्क और रचनात्मक परिवर्तन की एक मजबूत आवाज के रूप में दृढ़ता से खड़ा होता है। अशांत दुनिया में समूह को शांति स्थापना, कूटनीति और अंतरराष्ट्रीय कानून के पालन के संदेश को सुदृढ़ करना चाहिए। हम सभी देशों को एकजुटता के साथ संयुक्त राष्ट्र (यूएन) के प्रमुख अंगों जैसे संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद (यूएनएससी) में व्यापक सुधार के लिए अपने सामूहिक आह्वान को बढ़ाना चाहिए। यहां बता दें कि अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने भारत के अलावा ब्रिक्स के ब्राजील पर भी 50 फीसदी टैरिफ लगाया है। जबकि चीन और दक्षिण-अफ्रीका पर उनके द्वारा 30 फीसदी टैरिफ थोपा गया है। यूक्रेन युद्ध की वजह से रूस पर व्यापक अमेरिकी पाबंदियां तो जगजाहिर हैं हीं। ट्रंप ब्रिक्स को अमेरिका के सबसे बड़े विरोधी यानी शत्रु के रूप में देखते हैं। उनका कहना है कि समूह देशों की मिलीभगत की वजह से अमेरिकी हितों पर आंच आती है।

स्वामी, प्रकाशक, अनीता शर्मा द्वारा मुद्रक, रजनी कुमारी- मैसर्स साई प्रिंटिंग प्रेस D-85 सेक्टर-6 नोएडा, गौतमबुद्धनगर से मुद्रित एवं जी-271 एचआईजी, प्रताप विहार, सेक्टर-11, गाजियाबाद (उ०प्र०) से प्रकाशित। संपादक -अतुल शर्मा *
ईमेल-rashtriyashikhar@gmail.com (समस्त विवादों का क्षेत्र गाजियाबाद न्यायालय रहेगा) (* इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन तथा कानूनी मामलों हेतु उत्तरदायी)
समाचार संपादक-आरव शर्मा (एडवोकेट) 9310230557, 9625163807
(PRGI No. - UPHIN/25/A0086)